ईश्वर में हमारा विश्वास

# राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com ● डालटनगंज ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 06 ● विक्रम संवत 2080 ● रविवार, 19 नवम्बर 2023 ● वर्ष-30 ● अंक-34 ● पृष्ठ-12 ● मूल्य ₹ 2.00

## शुभकामनाएं

राष्ट्रीय नवीन मेल के सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, अभिकर्ताओं, हॉकरों एवं शुभचिंतकों को 'छठ महापर्व' की हार्दिक शुभकामनाएं।

## अवकाश की सूचना

'छठ महापर्व' के अवसर पर राष्ट्रीय नवीन मेल कार्यालय 19 नवम्बर (रविवार) को बंद रहेगा। अतः अखबार का अगला अंक 21 नवम्बर (मंगलवार) को प्रकाशित होगा।

## गागर में सागर

### राष्ट्रीय सीनियर पुरुष हॉकी चैंपियनशिप में झारखंड ने आंध्र प्रदेश को हराया

**रांची।** चेन्नई में 17 से 28 नवम्बर तक आयोजित 13वीं हॉकी इंडिया सीनियर राष्ट्रीय पुरुष हॉकी चैंपियनशिप 2023 में झारखंड पुरुष हॉकी टीम ने अपने पहले मैच में शानदार प्रदर्शन किया है। हॉकी आंध्रप्रदेश को 10-03 से पराजित कर पूरे तीन अंक अर्जित किया है। झारखंड टीम की ओर से माइकल टोपनो ने तीन गोल, विजय खेस, दिलबर भेंगरा, अनुरोध भेंगरा, जोसेफ कोंगाड़ी, रायन सोय मुरूम, नोएल टोपनो और लव लाइट कुजूर ने एक एक गोल दागा है। झारखंड टीम की पहली जीत पर हॉकी झारखंड और खेल विभाग के पदाधिकारियों ने बधाई दी है। यह जानकारी शनिवार को हॉकी सिमडेगा के अध्यक्ष मनोज कोनबेगी ने दी।

### हाई कोर्ट से मनी लांड्रिंग के आरोपी निदेशक को मिली अग्रिम जमानत

**रांची।** झारखंड हाई कोर्ट से शनिवार को मनी लांड्रिंग के आरोपी रामगढ़ स्पंज आयरन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक महावीर प्रसाद रूंगटा को अग्रिम जमानत मिल गई। मामले में ईडी ने ईसीआईआर 7/2022 दर्ज किया था। न्यायाधीश गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट ने मामले में आदेश सुनाया है। पूर्व में ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने 4.33 करोड़ रुपये के मनी लांड्रिंग के आरोपित महावीर प्रसाद रूंगटा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद उसने हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दाखिल की थी। मामले में चार्जशीट दाखिल होने के बाद उस पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी। इसी से बचने के लिए अग्रिम जमानत अर्जी दाखिल की थी। इस मामले में राकेश कुमार सिंघानिया भी आरोपित हैं। व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट संबंधी महावीर प्रसाद की याचिका को भी कोर्ट पूर्व में खारिज कर चुकी है।

### 25 व 26 नवंबर को सभी बूथों पर फोटो मतदाता सूची प्रदर्शित की जायेगी

**रांची।** भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार सभी विधानसभा के पोलिंग बूथों पर जहां आप अपना वोट डालते हैं। 25 नवंबर शनिवार व 26 रविवार को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक फोटो मतदाता सूची प्रदर्शित की जायेगी, जिसे देखकर आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं, कि आपका नाम मतदाता सूची मे है, या नहीं, यदि है तो उसमे कोई गलती तो नहीं है,यदि कोई गलती है, तो आप सुधारने हेतु फार्म भर सकते हैं,इस के अतिरिक्त नए वोटर कार्ड के लिए नए फॉर्म भरा जाएगा। नया वोटर कार्ड बनवाने के लिए ये कागजात साथ लेकर जाएं। दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो। राशन कार्ड की फोटो कॉपी। या आधार कार्ड की फोटो कॉपी। या जन्मतिथि प्रमाण-पत्र की फोटो कॉपी। आवेदक की उम्र 18 वर्ष होनी चाहिए) घर के किसी एक सदस्य के वोटर कार्ड की फोटो कॉपी। पोलिंग बूथ पर बी.एल.ओ बैठेंगे। वोटर लिस्ट में अपना नाम जरूर चैक कर लें , इस भरोसे में न रहें कि पिछले चुनाव में हमने वोट डाला था, तो हमारा लिस्ट में नाम तो होगा ही, ऐसा नहीं है, जो अब नई लिस्ट आई है, उसमें बहुत लोगों के नाम नहीं हैं। यदि आपका वोटर लिस्ट मे नाम नहीं है,तो 6 नम्बर फार्म भर कर अपना नाम जरूर जुड़वा लें। वोटर कार्ड से संबंधित किसी अन्य समस्या के लिए भी इसी दिन अपने बूथों पर बीएलओ से संपर्क किया जा सकता है! आयोग ने कहा है कि अपना वोट जरूर बनवाएं और आईडी मजबूत रखें, वरना आगे चलकर बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, अपने अधिकारों को लेकर खबरदार रहें, जरा सी भी लापरवाही आगे चलकर बड़ा नुकसान दे सकती है।

### झारखंड में जेलों की चहारदीवारी के भीतर भी गूंज रहे छठ गीत

# 80 से ज्यादा कैदी कर रहे हैं व्रत

**नवीन मेल संवाददाता**

**रांची।** झारखंड में जेलों की चहारदीवारी के भीतर भी छठ महापर्व को लेकर भक्ति और आस्था का अनूठा माहौल है। राज्य की अलग-अलग जेलों में इस वर्ष तकरीबन 80 कैदी छठ व्रत कर रहे हैं। शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ इन बंदियों ने व्रत का संकल्प लिया। शनिवार शाम खरना पूजा के लिए खीर-रोटियां बनाई जा रही हैं। जेलों में प्रशासन ने इन सभी के लिए फल-फूल, प्रसाद, सूप-दौरी, नये वस्त्र और पूजन सामग्री का इंतजाम किया है। सूर्य देवता को अर्घ्य देने के लिए जेलों के अंदर ही अस्थायी तालाब या कृत्रिम जलाशय बनवाये गये हैं। छठ पर तीन दिनों का निर्जला उपवास करने वाले बंदियों में एक दर्जन ऐसे हैं, जो हत्या जैसे अपराधों के लिए सजा काट रहे हैं। छोटे-बड़े अपराधों के चलते जेल पहुंचे कैदी अपने गुनाहों के लिए छठ माता से क्षमा मांगेंगे। झारखंड की सबसे पुरानी और ऐतिहासिक हजारीबाग स्थित जयप्रकाश केंद्रीय कारा के अधीक्षक ने बताया कि इस वर्ष 40 कैदी छठ व्रत कर रहे हैं। इनमें महिला और पुरुष दोनों हैं। शनिवार को पूरे दिन उपवास के बाद व्रती शाम में खरना करेंगे। खरना प्रसाद के लिए खीर-रोटी बनायी जा रही है। रविवार को जेल में ही बने तालाब पर शाम का अर्घ्य और सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा। छठ घाट पर विशेष सजावट भी की गयी है। विशेष प्रसाद ठेकुआ बनाने में व्रतियों के साथ-साथ कई अन्य कैदी सहयोग कर रहे हैं। जेल प्रशासन ने सभी को मंजूरी देते हुए उनके लिए सभी जरूरी व्यवस्था उपलब्ध करायी है। शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ ही चहारदीवारी के भीतर छठ गीत गूंजने लगे थे।

जेल अधीक्षक के अनुसार, व्रत को लेकर सामान्य कैदी भी उत्साहित हैं और वे इसके लिए हर तरह की व्यवस्था में हाथ बंटा रहे हैं। जमशेदपुर स्थित घाघीडीह सेंट्रल जेल में करीब एक दर्जन और रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में पांच महिलाएं और एक पुरुष कैदी छठ की उपासना कर रहे हैं। रांची जेल में छठ व्रत पर उपवास करने वालों में सितारा देवी, संतोषी देवी, ललिता देवी, सरिता देवी के अलावा कृष्णदेव महतो शामिल हैं। रांची में जेल प्रशासन ने जेल के भीतर स्थित तालाब को साफ करवाया है, जहां श्रद्धालु भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करेंगे। पलामू स्थित मेदिनीनगर सेंट्रल जेल में भी 12 कैदी छठ व्रत पर उपासना में जुटे हैं। इनमें कुछ ऐसे हैं, जो नक्सली वारदातों में शामिल रहे हैं और जेल लाये जाने के पहले पुलिस के लिए मोस्ट वांटेड हुआ करते थे। यहां भी अर्घ्य के लिए टंकी बनायी गयी है। जेल प्रशासन के सहयोग से साफ-सफाई से सजावट तक की व्यवस्था कैदियों ने ही की है। धनबाद मंडल कारा में आधा दर्जन कैदी छठ की उपासना में जुटे हैं। देवघर, दुमका, कोडरमा सहित राज्य की अन्य कई जेलों में व्रत करने वाले कैदियों के लिए जेल प्रशासन की तरफ से जरूरी व्यवस्थाएं की गई हैं।

# छठ व्रतियों ने किया खरना, महापर्व का सांध्यकालीन अर्घ्य आज...

# गिरिडीह में पेड़ से टकराई बारातियों की स्कार्पियो, छह की मौत

**नवीन मेल संवाददाता**

**गिरिडीह।** झारखंड के गिरिडीह जिले के बिरनी और मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के सीमावर्ती इलाके सिंधवारिया के बाघमारा गांव में शनिवार तड़के सड़क हादसे में छह बारातियों की मौत हो गई। मृतकों में चार की पहचान हो पाई है। वह हैं- मो. यूसुफ मियां ( 72), इम्तियाज मियां (40), सुभान अंसारी (35) और स्कार्पियो मालिक व चालक साहिर अंसारी। घायलों में याकूब अंसारी (75) और आफताब अंसारी (35) शामिल हैं। दोनों को सदर अस्पताल पहुंचाया गया है। यह जानकारी पुलिस ने दी। मौका मुआयना कर लौटे मुफ्फसिल थाना प्रभारी कमलेश पासवान और बिरनी थाना प्रभारी मृत्युंजय सिंह ने बताया कि दोनों घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गजोडीह निवासी डॉ. फारूक अंसारी के पुत्र की शादी थी। दुर्घटनाग्रस्त स्कार्पियो साहिर अंसारी की थी। वह ही उसे चला रहा था। पुलिस ने बताया कि बारात में जाने के लिए स्कार्पियो को लोग किराये पर लेकर मुफ्फसिल थाना इलाके के टिकोडीह गांव गए थे। बारात में शामिल होकर सभी वापस घर बिरनी लौट रहे थे। रास्ते

### गिरिडीह सड़क हादसे पर मुख्यमंत्री ने जताया दुःख

**रांची।** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि गिरिडीह में सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत की दुःखद खबर से मन आहत है। परमात्मा दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की यह घड़ी सहन करने की शक्ति दें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने दुर्घटना में घायल व्यक्ति को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराया है। उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। उल्लेखनीय है कि गिरिडीह जिले के बिरनी और मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के सीमावर्ती इलाके सिंधवारिया के बाघमारा गांव में शनिवार तड़के सड़क हादसे में छह बारातियों की मौत हो गई।

### राज्यपाल ने सड़क हादसे में छह लोगों की मौत पर जताया शोक

**रांची।** राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने गिरीडीह में हुए सड़क हादसे में छह लोगों की मौत पर शोक जताया है। राज्यपाल ने शनिवार को कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। ईश्वर शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। हादसे में घायल व्यक्ति के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

# आईईडी विस्फोट में घायल कांस्टेबल को एयर एंबुलेंस से भेजा गया दिल्ली

**नवीन मेल संवाददाता**

**रांची।** पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में आईईडी विस्फोट में घायल कांस्टेबल जयंता नाथ को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर शनिवार को बिरसा मुंडा एयरपोर्ट ले जाया गया। इस दौरान रांची पुलिस ने आर्किड अस्पताल से लेकर एयरपोर्ट तक के रास्ते को ट्रैफिक मुक्त रखा था। एयरपोर्ट पहुंचने पर एयर एम्बुलेंस की टीम जयंता नाथ को लेकर दिल्ली के लिए रवाना हो गई। उल्लेखनीय है कि चाईबासा में गोइलकेरा थाना क्षेत्र स्थित हाथीबुरु के जंगल में सीआरपीएफ की टीम नक्सल अभियान पर निकली थी।

इसी दौरान नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट कर दिया था। इस घटना में सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हुए थे, जिसमें संतोष उरांव शहीद हो गए थे।

### केंद्र व राज्य सरकार में योजनाओं की घोषणा की मची होड़

# पीएम के दौरे के बाद लोस चुनाव की सरगर्मी बढ़ने के आसार

**अखिलेश चौबे**

**मेदिनीनगर।** झारखंड राज्य स्थापना दिवस व भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर पीएम नरेंद्र मोदी के दौरे के बाद राज्य में लोकसभा चुनाव की सरगर्मी बढ़ने के आसार जताये जा रहे हैं। मौके पर केंद्र व राज्य सरकारों के बीच योजनाओं के घोषणा की मची होड़ से इसकी बानगी स्पष्ट परिलक्षित हुई। वैसे तो प्रदेश में लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दल पहले से ही व्यूह रचना बनाने में जुटे हैं। झारखंड में सत्तासीन आईएनडीआईए गठबंधन सरकार के मुखिया हेमंत सोरेन जहां अपनी योजनाओं से मतदाताओं के विभिन्न वर्ग को साध रहे हैं। वहीं गठबंधन के घटक दल भी सीट बंटवारे को लेकर अपने-अपने दावे प्रस्तुत करने लगे हैं। दूसरी तरफ विपक्षी दल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी पूरे प्रदेश में संकल्प यात्रा के माध्यम से जनसंपर्क बना चुके हैं। राजनीतिक विश्लेषक

पीएम मोदी के आदिवासी समाज के आराध्य भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातु जाने को सीमावर्ती मप्र व छग के विधान सभा चुनाव को साधना बता रहे हैं। किंतु इसके पीछे लोकसभा चुनाव में आदिवासी मत हासिल करने की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा रहा है। अपने दौरे पर प्रधानमंत्री ने जहां जनजाति समुदाय व झारखंड के लिए जहां हजारों करोड़ रूपये के योजनाओं की घोषणा की। वहीं सावन से भादो कमजोर नहीं की तर्ज पर सीएम ने भी अपना पिटारा खोल दिया है। बहरहाल किसकी रणनीति सफल होगी व कौन मन मसोस कर रह जाएगा। यह तो भविष्य के गर्भ में है।

### पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव परिणाम का इंतजार

विभिन्न कारणों से लोकसभा चुनाव को लेकर रणनीति को धार देने के लिए सभी दल पांच राज्यों में हो रहे विधान सभा चुनाव समाप्त होने का इंतजार कर रहे हैं। मप्र व छग के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अब तेलंगाना में व्यस्त हो गये हैं। किंतु प्रभारी सहित प्रमुख नेता अब खाली हो गये हैं। वहीं आमने-सामने की लड़ाई में फंसे होने के कारण कांग्रेस के पास भी अभी समय नहीं है। चुनावों के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अपनी कार्यकारिणी का गठन कर लोकसभा चुनाव की तैयारियों को धार देंगे। दूसरी तरफ महागठबंधन के घटक दल भी सीट बंटवारे की राह पर आगे बढ़ेंगे।

### जंगल से बरामद पांच किग्रा के तीन आइईडी को पुलिस ने किया निष्क्रिय

**पश्चिमी सिंहभूम।** पश्चिमी सिंहभूम जिले में शनिवार को नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने टोंटो थाना क्षेत्र से तीन आईईडी बरामद किया, जिसे बम निरोधक दस्ते के सहयोग से मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया गया। बताया जाता है कि पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित टोंटो थाना क्षेत्र अंतर्गत चिड़ियाबेड़ा एवं पाटातोरब जंगली व पहाड़ी रास्ते में सुरक्षाबलों ने पांच किलोग्राम के तीन आइईडी बमों को बरामद किया।

### जमीन घोटाला मामले में भरत प्रसाद की जमानत याचिका पर सुनवाई 22 को

**रांची।** जमीन घोटाला मामले के आरोपित भरत प्रसाद की जमानत याचिका पर शनिवार को कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश कुमार राय की अदालत ने सुनवाई की अगली तिथि 22 नवम्बर निर्धारित की है। इससे पूर्व 17 नवम्बर को भरत प्रसाद ने याचिका दाखिल की थी। मामला बरियातू के सेना के कब्जे वाली भूमि व रांची के चेशायर होम रोड स्थित भूमि की फर्जी कागजात के सहारे जमीन की खरीद-बिक्री करने से जुड़ा है।

### महाफर्जी यानी डीप फेक वरदान या अभिशाप

# पीएम मोदी से लेकर बड़े सेलेब्रेटी बने शिकार

**सुनील बादल**

### क्या है डीपफेक

किसी रियल वीडियो में दूसरे के चेहरे को फिट कर देने को डीपफेक कहते हैं, जिसे लोग सच मानते हैं। डीपफेक से वीडियो और फोटो को बनाया जाता है। इसमें मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा लिया जाता है। इसमें वीडियो और ऑडियो को टेक्नोलॉजी और सॉफ्टवेयर की मदद से बनाया जाता है। इसी डीपफेक से वीडियो बनाया जाता है। साधारण शब्दों में समझें तो इस टेक्नोलॉजी कोडर और डिकोडर टेक्नोलॉजी की मदद ली जाती है। डिकोडर सबसे पहले किसी इंसान के चेहरे को हावभाव और बनावट की गहन जांच करता है। इसके बाद किसी फर्जी फेस पर इसे लगाया जाता है, जिससे हुबहू फर्जी वीडियो और फोटो को बनाया जा सकता है। डीपफेक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के उपयोग से तैयार किया गया या मनोरंजन/मीडिया का वह अवास्तविक रूप है, जिसका उपयोग ऑडियो और विजुअल कंटेंट के माध्यम से लोगों को बहकाने अथवा गुमराह करने के लिये किया जा सकता है।

पिछले कुछ दिनों से इंटरनेट, अखबारों और टीवी न्यूज की दुनिया में डीपफेक शब्द सुर्खियों में है। कई लोगों ने शायद पहली बार यह शब्द सुना होगा। एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना से लेकर कटरीना कैफ और काजोल से लेकर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर जैसे सेलिब्रिटीज डीपफेक टेक्नोलॉजी के शिकार हो रहे हैं। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी डीप फेक को लेकर चिंता जाहिर कर दी है। पीएम मोदी ने डीप फेक को लेकर मीडिया से लोगों में जागरुकता फैलाने की बात भी कही है।

उन्होने कहा 'एआइ यानी कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल करके डीपफेक बनाना चिंताजनक है। पीएम ने कहा, 'डीपफेक भारत के सामने मौजूद सबसे बड़े खतरों में से एक है, इससे अराजकता पैदा हो सकती है।' उनका कहना है कि डीपफेक समाज में बड़ी अशांति पैदा कर सकता है। पिछले दिनों उनका एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें पीएम गरबा खेलते हुए दिखाई दे रहे हैं। कभी सकारात्मक उद्देश्य से शुरू हुआ डीपफेक अब नकारात्मक इस्तेमाल की वजह से अपराध बन चुका है।

**समझें डीपफेक बनाने की प्रक्रिया :** डीपफेक जेनरेटिव एडवरसैरियल नेटवर्क नामक तकनीक का उपयोग करके तैयार किये जाते हैं, जिसमें जनरेटर/उत्पादक और डिस्क्रिमीनेटर/विभेदक नामक दो प्रतिस्पर्द्धी न्यूरल नेटवर्क शामिल होते हैं। जनरेटर अवास्तविक ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

# एटीएस ने गोड्डा व हजारीबाग से गिरफ्तार आतंकियों को चार दिनों के रिमांड पर लिया

**नवीन मेल संवाददाता**

**रांची।** गोड्डा और हजारीबाग जिले से आठ नवंबर को गिरफ्तार दो आतंकियों को एटीएस ने पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है। आतंकी संगठन आईएसआईएस के संदिग्ध आतंकी मो. आरिज हसनैन और मो. नसीम उर्फ मोहसिन को झारखंड एटीएस ने इसी महीने गिरफ्तार किया था।

गिरफ्तार दोनों आतंकियों से पूछताछ करने के लिए एंटी टेरेरिस्ट स्क्वायड ने अदालत में अर्जी दी थी, जिसके बाद अदालत ने गोड्डा के रहने वाले आतंकी आरिज और हजारीबाग के रहने वाले मोहम्मद नसीम से एटीएस को अगले चार दिनों तक पूछताछ की इजाजत दी। एटीएस की टीम शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच दोनों आतंकियों को लेकर एटीएस मुख्यालय पहुंची, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। एटीएस को यह सूचना मिली है कि दोनों आतंकियों के पास कई ऐसे राज हैं, जिनके खुलासे के बाद झारखंड में छिपे हुए स्लीपर सेल के कई एजेंट गिरफ्तार किया जा सकते हैं। एटीएस ने खुलासा किया है कि दोनों संदिग्ध आतंकी पाकिस्तान और अफगानिस्तान के आतंकियों के संपर्क में थे। दोनों का लक्ष्य फिलिस्तीन जाकर इजरायल के खिलाफ संघर्ष में शामिल होना था। एटीएस ने अपने बयान में यह बताया था कि फिलिस्तीन जाकर दोनों ने फिदायीन हमला कर मस्जिद ए अल अक्सा को यहूदियों से आजाद कराने का लक्ष्य रखा था। दोनों ने 2020 8शेष पृष्ठ 11 पर

## गागर में सागर

### व्रतियों ने किया खरना प्रसाद का वितरण

**नावा बजार।** चार दिवसीय छठ महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को व्रतियों ने पूजन के बाद खरना प्रसाद का वितरण किया। इस दौरान देर रात तक एक-दूसरे के घर जाकर प्रसाद ग्रहण करने का सिलसिला जारी रहा। व्रतधारी रविवार शाम को घाटों पर जाकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे।

### छठ व्रतियों के बीच ईख का वितरण

**हरिहरगंज।** क्षेत्रीय विधायक कमलेश कुमार सिंह के तत्वावधान में हजारों व्रतधारियों के बीच ईख का वितरण किया गया। ईख का वितरण हरिहरगंज नगर पंचायत सहित प्रखंड के कई पंचायतों में किया गया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि अजीत कुमार सिंह व एनसीपी प्रखंड अध्यक्ष मनीष कुमार सिंह ने कहा कि एनसीपी परिवार क्षेत्रवासियों के सुख-दुख में हमेशा साथ है। प्रदेश उपाध्यक्ष अखिलेश कुमार मेहता, जिला सचिव अजय कुमार सिंह, मुखिया सरोज प्रसाद कुशवाहा, प्रखंड उपाध्यक्ष उदय सिंह, शिक्षक सुरेश सिंह, रामवृक्ष मस्ताना, गोरख पासवान, ओमप्रकाश राजवंशी, अजय चंद्रवंशी मौजूद थे।

### सूखी नदी से नाला के गंदा पानी को किया गया डायवर्ट

# बोर व फव्वारा से व्रतियों को मिलेगा स्नान का पानी

**व्रतियों को स्नान आदि की समुचित व्यवस्था जनसहयोग से कराई जाती है**

नवीन मेल संवाददाता

**हुसैनाबाद।** हैदरनगर प्रखंड मुख्यालय सह हैदरनगर पूर्वी पंचायत व बाजार क्षेत्र में कोईरियाडीह टोला में सदाबह छठ घाट पर अनूठा प्रयोग करते हुए जनसहयोग से व्रतियों के स्नान के लिए अस्थाई फव्वारे का निर्माण किया गया है। नदी में गिर रहे नाली के पानी को भी डायवर्ट किया गया है। बताया जाता है कि नदी संकुचित हो गई है। सालों भर इसमें नाले का गंदा पानी गिरता रहता है। साथ ही सूखी नदी में कूड़ा-कचरा का ढेर लगा रहता है। पहले से ही यहां छठ व्रतियों को स्नान आदि की समुचित व्यवस्था जनसहयोग से कराई जाती है। सामाजिक कार्यकर्ता रविन्द्र मेहता, संतन चौधरी, महेंद्र चौधरी, राजेश्वर मेहता, मनोज विश्वकर्मा, उमेश मेहता, दिनेश मेहता, अखिलेश मेहता सहित अन्य युवाओं ने बताया कि इस घाट पर स्वयंसेवकों की कड़ी मेहनत के बाद ही व्रतियों को सुविधाएं मुहैया हो पाती है। प्रदूषित नदी के सीमित क्षेत्र को बांधकर सफाई की जाती है। पानी के अभाव में खेत में पटवन के लिए लगे मोटर पंप से फव्वारा आदि की व्यवस्था कर व्रतियों को स्नान सुलभ हो पाता है। उन्होंने बताया कि पारंपरिक रुप में इस वर्ष भी जनसहयोग से पानी के अलावे पेयजल, पंडाल, लाइट, मार्ग में रोशनी, पूजन सामग्री की व्यवस्था की गई है।

# मुख्य छठ पोखरा के समीप लगता है मेला, बिकती है घीवा मिठाई

नवीन मेल संवाददाता

**हुसैनाबाद।** छठ महापर्व पर करीब सौ वर्षों से छठ पोखरा के समीप भव्य मेला लगता है। यह मेला डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के दिन से उगते सूर्य को अर्घ्य देने तक लगता है। मेला में खास तौर से राजस्थान की मिठाई घीवा, जिसे यहां बिरनी का खोता के नाम से जाना जाता है। लोग लेना नहीं भूलते। यह मिठाई सिर्फ छठ महापर्व के लिए ही हुसैनाबाद के हलवाई साल में एक बार बनाते हैं। छठ महापर्व शुरू होने के एक सप्ताह पहले से इस मिठाई के निर्माण में हलवाई समाज के लोग जुट जाते हैं। दुकानदारों ने बताया कि दो- तीन दिन में करीब 15 से 20 क्विंटल मिठाई की बिक्री हो जाती है। मिठाई दुकानदार नरेश प्रसाद,

विनोद प्रसाद व शनि कुमार ने बताया कि बाहर से भी छठ करने यहां आने वाले लोग इस मिठाई को लिए बिना नहीं लौटते हैं। इसकी कीमत 300 रुपए प्रति किलो होती है।

### भक्ति जागरण, गंगा आरती सहित अन्य कार्यक्रमों की दी जानकारी

**विश्रामपुर।** थाना के पीछे स्थित शिव छठ घाट पर सामाजिक सेवा समिति व छठ पूजा समिति के सदस्यों ने संयुक्त बैठक की। जिसकी अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष संजय पांडेय व संचालन अध्यक्ष पेंटर विजय राम ने किया। अपने संबोधन में अध्यक्ष ने बताया कि इस बार बनारस के ख्याति प्राप्त पंडा द्वारा शाम छह बजे गंगा आरती की जायेगी। वहीं रात्रि में भक्ति जागरण का भी आयोजन किया जाएगा। जिसमें बलिया के मशहूर मृदुल गायिका नीतू गोस्वामी,रूबी गोस्वामी व गायक अमित द्वारा सुंदर प्रस्तुति दी जायेगी। कमेटी के सदस्यों ने कहा कि मंच पर सभी आगंतुकों हेतु एक समान व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। स्वच्छता के मद्देनजर सभी दुकानदारों को अपने दुकान के सामने डस्टबिन अनिवार्य रूप से रखने की बात कही गई। मौके पर उपाध्यक्ष राजू केशरी, गोपाल सोनी,सचिव अमित सोनी,कोषाध्यक्ष संजय शाह मौजूद थे।

# एसडीओ ने छठ घाटों पर दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की

नवीन मेल संवाददाता

**हुसैनाबाद।** अनुमंडल क्षेत्र के प्रमुख छठ घाटों पर विधि व्यवस्था को लेकर हुसैनाबाद एसडीओ कमलेश्वर नारायण ने दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की है। इस संबंध में एसडीएम ने बताया की जमुहारी माई छठ घाट पर जेई अरुण कुमार यादव,जेपी चौक छठ घाट पर पंकज कुमार, पंच सरोवर मंदिर छठ घाट पर आशीष कुमार, कुशुआ नदी छठ घाट पर शिवनाथ राम, देवरी सोन नदी घाट पर मणिकांत कुमार, दंगवार सूर्य मंदिर छठ घाट पर अभिषेक कुमार, दरुआ चकरकी पुल छठ घाट बिशुनपुर पर नीरज कुमार गुप्ता, हैदरनगर शिवाला मंदिर छठ घाट पर रजा अंसारी, मोहम्मदगंज के कोयल नदी सूर्य मंदिर के समीप चंदशेखर कुमार, नहर के पास देवी मंदिर पर बसंत कुमार, माली देवी मंदिर के पास मिनहाज आलम, कोयल नदी तट पर मो. रब्बानी अंसारी, सोनबरसा नहर पर नीतीश कुमार, पंचायत सचिवालय सूर्य मंदिर के पास संतोष कुमार रजक, ग्राम भाली देवी मंदिर के पास विकास कुमार, काशीशोत संगम तट पर मुकेश कुमार, कोयल नदी के तट व नहर किनारे दीपक सिंह, कोयल नदी के तट पर प्रेमचंद कुमार को दंडाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त सभी दंडाधिकारी निर्धारित समयानुरूप अपने घाटों पर उपलब्ध रहेंगे। विधि व्यवस्था के लिए इसकी सूचना सम्बंधित थानों को दे दी गयी है।

### विधायक ने किया छठ घाट का ऑनलाइन शिलान्यास

**हरिहरगंज।** नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत डेमा गांव के समीप वार्ड नंबर 3 स्थित बटाने नदी पर शनिवार को क्षेत्रीय विधायक कमलेश कुमार सिंह ने ऑनलाइन छठ घाट का शिलान्यास किया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि अजीत कुमार सिंह ने विधिवत पूजा-अर्चना के बाद नारियल फोड़ कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। विधायक श्री सिंह ने ऑनलाइन संबोधन करते हुए कहा कि विधानसभा क्षेत्र में चौमुखी विकास करना पहली प्राथमिकता है। मौके पर थाना प्रभारी सुदामा कुमार दास, प्रखंड अध्यक्ष मनीष कुमार सिंह, मुखिया सरोज कुशवाहा, एनसीपी प्रदेश उपाध्यक्ष अखिलेश मेहता, जिला सचिव अजय सिंह, प्रखंड उपाध्यक्ष उदय सिंह, रामवृक्ष मस्ताना, गायक गुड्डू रंगीला, रविंद्र मेहता, राहुल कुमार, अखिलेश यादव आदि उपस्थित थे।

### सीओ ने पाटन बाजार में अतिक्रमण का किया निरीक्षण

**पाटन।** क्षेत्रीय नागरिकों की शिकायत पर सीओ ने पाटन बाजार में अतिक्रमण की स्थिति का शनिवार को निरीक्षण किया। सीओ दीपक कुमार मिश्रा सीआई व अंचल अमीन को लेकर बाजार में पहुंचे। उन्होंने अतिक्रमण कर रहे लोगों से भूमि संबंधित कागजात मांगे। सीओ ने बताया कि कई महीने से बाजार की भूमि पर अतिक्रमण के संबंध में ग्रामीण शिकायत कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि 51 डिसमिल भूमि बाजार के लिए पूर्व में दान दिया गया था। लेकिन कुछ लोगों द्वारा जबरदस्ती भूमि पर अतिक्रमण किया जा रहा है।

### हैदरनगर प्राचीन शिवालय प्रांगण में लक्ष्मी नारायण महायज्ञ

# भगवान भास्कर व माता पार्वती की प्रतिमा के साथ नगर भ्रमण

नवीन मेल संवाददाता

**हुसैनाबाद।** पलामू जिले के हैदरनगर प्राचीन शिवालय प्रांगण में आयोजित पांच दिवसीय भगवान भास्कर व माता पार्वती प्राण प्रतिष्ठा सह लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के तीसरे दिन श्रद्धालुओं ने प्रतिमाओं के साथ नगर भ्रमण किया। मंदिर परिसर से मेन रोड, बैंक रोड, कोईरियाडीह, जवाहर पथ, बस स्टैंड होते हुए जुलूस वापस बड़ा शिवालय प्रांगण पहुंचा। गाजे-बाजे के साथ निकली जुलूस के दौरान श्रद्धालुओं ने गगनभेदी जयकारे लगाये। काशी व मथुरा से पधारे आचार्य-विद्वानों ने नवनिर्मित मंदिर में विधि-विधान के साथ प्राण प्रतिष्ठा कराई। नवनिर्मित सूर्य मंदिर के निर्माणकर्ता सह अनुष्ठान कार्यक्रम के संरक्षक ललन कुमार सिंह ने बताया कि भगवान सूर्य व मां पार्वती की मंदिर स्थानीय लोगों के लिए यादगार होगा। महायज्ञ में आगंतुक श्रद्धालुओं के ठहरने व भोजन की उत्तम व्यवस्था की गई है। यज्ञाचार्य वेद प्रतिष्ठित विष्णुदेवा चार्य स्वामीजी महाराज के सानिध्य में 20 नवंबर को

हवन, पंडित, विद्वानों की विदाई व भव्य भंडारे के साथ यज्ञ का समापन होगा। शाम को वीणा शास्त्री का संगीतमय कथा भी कराया जा रहा है। आयोजन में भाजपा नेता विनोद कुमार सिंह व रविन्द्र कुमार सिंह, यज्ञ समिति के संयोजक उदय कुमार सिंह, अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, सचिव डा. अजय जयसवाल, उपाध्यक्ष जितेन्द्र कुमार सिंह व पवन जयसवाल, उपसचिव धनंजय सिंह व मुकेश कुमार मेहता, लाली सिंह, संजय कुमार सिंह, अजय सिंह, रविरंजन सिंह, अशोक दुबे, राजू सोनी, गोलू चौरसिया, सरयू प्रसाद गुप्ता, कौशल किशोर सक्रिय हैं।

**पहले दिन डूबते सूर्य को अर्पित किया अर्घ्य**

# खरना पूजा कर व्रतधारियों ने जगाया छठ घाट

नवीन मेल संवाददाता

**हुसैनाबाद।** अनुमंडल क्षेत्र में लोकआस्था के महापर्व छठ के दूसरे दिन छठ व्रतियों द्वारा शनिवार को खरना का त्योहार पूरी निष्ठा के साथ मनाया गया। हुसैनाबाद व हैदरनगर में सुबह से ही खरना पूजा की रौनक देखने को मिलने लगी। खरना पूजा पर छठ व्रतियों ने शाम से पूर्व विभिन्न छठ घाटों पर स्नान कर अर्घ्य दिया। उसके बाद सभी खरना का प्रसाद खीर, पूड़ी व रोटी बनाने में जुट गए। शाम को पूजा के बाद छठ व्रती खरना का प्रसाद ग्रहण किये। देर रात तक खरना प्रसाद ग्रहण करने के लिए व्रतधारियों के घर लोगों के पहुंचने का दौर जारी रहा। छठ को लेकर क्षेत्र का पूरा माहौल भक्तिमय हो गया है। इसे लेकर विभिन्न छठ घाटों पर काफी रौनक देखने को मिली। घाटों पर छठ व्रतियों के साथ उनके परिवार के सदस्य भी काफी संख्या में पहुंच रहे हैं। वहीं छठ पूजा को लेकर बाजारों में भी काफी रौनक देखने को मिली है। जपला मुख्य बाजार ,हैदरनगर मुख्य बाजार, रेलवे गुमटी, बैंक रोड समेत अन्य इलाकों में फल मंडी सजकर तैयार है। उधर प्राचीन शिवालय में भगवान भास्कर व माता पार्वती प्राण प्रतिष्ठा सह लक्ष्मी नारायण महायज्ञ ने अलग ही भक्तिमय वातावरण बना दिया है। लाउडस्पीकर पर वैदिक मंत्रोच्चार से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो रहा है। चहुंओर भक्ति की बयार बह रही है। छठ पर्व के तीसरे दिन रविवार को छठ व्रती अस्ता चलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य देंगे। सोमवार को उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के बाद पारण होगा।

### छठ व्रतियों के बीच आम की लकड़ी का किया वितरण

**हरिहरगंज।** छठ पूजा को लेकर राजद नेता सह युवा समाजसेवी कमलेश कुमार यादव ने शनिवार को बेलौदर मोड़ स्थित अपने आवास पर आम की लकड़ी का वितरण किया। उन्होंने कहा कि छठ पूजा भारत की संस्कृति का महापर्व है। इस मौके पर शिक्षक बसंत यादव, छोटू कुमार, काजू चौधरी, महेश चौधरी, कृष्णा चौधरी, मुन्ना शर्मा, पिंटू कुमार मौजूद थे।

### मुखिया ने छठ घाटों की साफ-सफाई करायी

**हरिहरगंज।** प्रखंड के खड़गपुर बटाने नदी स्थित तीन छठ घाटों की साफ-सफाई कराई गयी। मुखिया काजल कुमारी ने निजी खर्च से जेसीबी की मदद से घाट का समतलीकरण कराकर साफ-सफाई करायी। मालूम हो कि आसपास के सैकड़ों श्रद्धालु उक्त घाट पर भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करते हैं। मुखिया ने कहा कि वह सेवा भावना के तहत निरंतर दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं। मौके पर मुखिया के अभिभावक सत्येंद्र मेहता, वनस्पति, विनोद राम, उप मुखिया रामसुंदर राम, वार्ड सदस्य सत्येंद्र राम, स्वयंसेवक सौरभ कुमार, अनिल कुमार, विकास कुमार, जितेंद्र प्रजापति मौजूद थे।

### पेड़ से गिरकर बुजुर्ग अचेत,सीएचसी ने किया रेफर

**विश्रामपुर।** शनिवार को रेहला स्थित संत पॉल कांवेंट स्कूल प्रांगण में आम के पेड़ से लकड़ी तोड़ने के क्रम में गिर कर एक बुजुर्ग अचेत हो गये। जिनकी पहचान गढ़वा जिला के दरमी नावाडीह गांव निवासी लखन साव के रूप में हुई है। मानवता का परिचय देते हुए संत पॉल कांवेंट स्कूल के प्रबंधक टीम ने घायल वृद्ध को अपने स्कूल वैन से सीएचसी विश्रामपुर में भर्ती करवाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के उपरांत बेहतर इलाज हेतु जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। जहां उनकी हालत फिलहाल गंभीर बनी हुई है।


**कार्यपालक अभियंता का कार्यालय**
**ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा**

ई–अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना।

ई–निविदा सूचना संख्या :– RDD/SD/CHATRA/17/2023-24/RE-1

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

| क्र० सं० | कार्य का नाम | प्राक्कलित राशि | अग्रधन की राशि | परिमाण विपत्र का मूल्य | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | नगर परिषद अन्तर्गत (चतरा शहर में) 1950 सोलर एल0ई0डी0 स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन | 3,82,08,300.00 | 7,65,000.00 | 10000.00 | 06 माह |

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि –25.11.2023
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक–25.11.2023 से दिनांक–02.12.2023 के अपराह्न 05:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 04.12.2023 अपराह्न 02:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, चतरा।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 8709184201 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

PR.NO.311615 Rural Development(23-24):D — कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, चतरा।



**कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,लातेहार**

अति अल्पकालिन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

संख्या – RWD/SD/LATEHAR/10/22-23/RE/1

1.कार्य की विस्तृत विवरणी:

| क्र० सं० | कार्य का नाम | प्राक्कलित राशि | अग्रधन की राशि | परिमाण विपत्र का मूल्य | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | प्रखण्ड लातेहार सदर में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी–सह–अंचलाधिकारी/पर्यवेक्षीय/तृतीय/ चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी आवास एवं प्रखण्ड परिसर का विकास तथा विविध निर्माण कार्य। | 59531715 | 1191000 | 10000 | 12 माह |

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 28.11.2023
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 28.11.2023 से दिनांक 5.12.2023 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –6.12.2023 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06565245220
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,लातेहार

PR 311600 Rural Development(23-24).D



**OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER**
**RURAL DEVELOPMENT SPECIAL DIVISION, CHATRA**

Expression of Interest

**EOI No.:-RDD/SD/CHATRA/EOI-27/2023-24**

The **Executive Engineer, Rural Development Special Division, Chatra** invites proposals thereinafter referred as bid(s) from eligible bidders for entering Into a Rate Contracts for the Supply and installation of Medical Equipment/Appliances Accessories etc. of child care ward at gadilong g.p gadilong, block-tandwa,distt.-chatra as per details hereunder.

| Sl. No. | Particulars | Details |
|---|---|---|
| 1 | Name of Work | Rate Contracts for the Supply and installation of Medical Equipment/Appliances Accessories etc. of child care ward at gadilong g.p gadilong, block-tandwa,distt.-chatra. |
| 2. | Estimated Amount | Rs. 2,37,50,117.00 |
| 3. | Completion Period of work | 06 Months |
| 4. | Tender Fee will be received through online mode only. | Rs. 10,000.00 |
| 5. | Earnest Money Deposit (EMD)- The successful bidder will have to execute & submit EMD through online mode, before finalization of the tender, approx 2% of the esti mated value of work before issue of the work order and the work order will be issued after submission of the EMD | Rs. 4,75,100.00 |
| 6. | Date of publication of Tender on Website | 25.11.2023 Time: 11:00AM |
| 7. | Start Date/Time for Online Submission of bid | 02.12.2023 Time: 11:00AM |
| 8. | Last date of submission of Bid online/Time for receipt of bids | 02.12.2023 Time: 17:00PM |
| 9. | Technical Bid Opening Date and Time | 04.12.2023 Time: 02:00PM |
| 10. | Place of Opening Bid | O/o the E.E, R.D.Spl.Division, Chatra. |
| 11. | Name & Address of inviting EOI Officer | Suresh Ram, Executive Engineer, R.D.Spl.Division, Chatra. |
| 12. | Contact No. of Inviting EOI Officer | 87091-84201 |

Note:
1. Tender Fee and EMD will be received through online mode only. Bidders can use internet banking facility for faster processing of Tender fee and EMD.Alternatively, Bidders can use NEFT/RTGS challan generated for the tender from https://jharkhandtenders.gov.in portal.
2. Refund will only be issued to originated bank account used for the payment of Tender Fee and EMD. So, Bidders are advised Not to close Bank Account used for online payment/(NEFT/RTGS) of tender free and EMD.
3. No Hardcopy/Physical copy is required to be submitted for tender opening/Evaluation. However, Department may ask original documents for verification before award of contract
4. The specified dates and time may change due to declaration of holidays or any other unforeseen circumstances. The same shall be informed through web portal and when required.
5. The detailed tender notice terms and conditions can be obtained from the website **https://jharkhandtenders.gov.in** & copies of technical bid and financial bid can be downloaded there from.
6. Companies registered under Jharkhand MSME/MSME under Gov. of India.

PR 311621 Rural Development(23-24)D — Executive Engineer, R.D.Spl.Division, Chatra.



**OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER**
**RURAL DEVELOPMENT SPECIAL DIVISION, CHATRA**

Expression of Interest

**EOI No.:-RDD/SD/CHATRA/EOI-24/2023-24**

The **Executive Engineer, Rural Development Special Division, Chatra** invites proposals thereinafter referred as bid(s) from eligible bidders for entering Into a Rate Contracts for the Supply and installation of Medical Equipment/Appliances etc. of Child Ward at Sajna of Panchayat Paradih in Chatra Block, Distt.-Chatra as per details hereunder.

| Sl. No. | Particulars | Details |
|---|---|---|
| 1 | Name of Work | Rate Contracts for the Supply and installation of Medical Equipment/Appliances etc. of Child Ward at Sajna of Panchayat Paradih in Chatra Block, Distt.-Chatra. |
| 2. | Estimated Amount | Rs. 2,37,50,117.00 |
| 3. | Completion Period of work | 06 Months |
| 4. | Tender Fee will be received through online mode only. | Rs. 10,000.00 |
| 5. | Earnest Money Deposit (EMD)- The successful bidder will have to execute & submit EMD through online mode, before finalization of the tender, approx 2% of the estimated value of work before issue of the work order and the work order will be issued after submission of the EMD | Rs. 4,75,100.00 |
| 6. | Date of publication of Tender on Website | 25.11.2023 Time: 11:00AM |
| 7. | Start Date/Time for Online Submission of bid | 02.12.2023 Time: 11:00AM |
| 8. | Last date of submission of Bid online/Time for receipt of bids | 02.12.2023 Time: 17:00PM |
| 9. | Technical Bid Opening Date and Time | 04.12.2023 Time: 02:00PM |
| 10. | Place of Opening Bid | O/o the E.E, R.D.Spl.Division, Chatra. |
| 11. | Name & Address of inviting EOI Officer | Suresh Ram, Executive Engineer, R.D.Spl.Division, Chatra. |
| 12. | Contact No. of Inviting EOI Officer | 87091-84201 |

Note:
1. Tender Fee and EMD will be received through online mode only. Bidders can use internet banking facility for faster processing of Tender fee and EMD. Alternatively, Bidders can use NEFT/RTGS challan generated for the tender from https://jharkhandtenders.gov.in portal.
2. Refund will only be issued to originated bank account used for the payment of Tender Fee and EMD. So, Bidders are advised Not to close Bank Account used for online payment/(NEFT/RTGS) of tender free and EMD.
3. No Hardcopy/Physical copy is required to be submitted for tender opening/ Evaluation. However, Department may ask original documents for verification before award of contract
4. The specified dates and time may change due to declaration of holidays or any other unforeseen circumstances. The same shall be informed through web portal and when required.
5. The detailed tender notice terms and conditions can be obtained from the website **https://jharkhandtenders.gov.in** & copies of technical bid and financial bid can be downloaded there from.
6. Companies registered under Jharkhand MSME/MSME under Gov. of India.

Executive Engineer,
R.D.Spl.Division, Chatra.

PR 311618 (Rural Development)23-24*D

## गागर में सागर

### डीएफओ ने छठव्रतियों में आम की सूखी लकड़ी का किया वितरण

**मेदिनीनगर।** जिले के डीएफओ सौमित्र शुक्ला ने शनिवार को शहर के रांची रोड रेडमा स्थित जायसवाल टिंबर के नए प्रतिष्ठान परिसर में पर्यावरणविद् कौशल किशोर जायसवाल, मुखिया पूनम जायसवाल, प्रो. अरुण कुमार जायसवाल व जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल के साथ संयुक्त रूप से छठ व्रतियों के बीच आम की सूखी लकड़ी वितरित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डीएफओ श्री शुक्ला ने छठ व्रतियों के बीच आम की लकड़ी प्रदान करते हुए कहा कि पवित्रता व शुद्धता के इस महान पर्व की बेला में व्रतियों की मदद करना न सिर्फ उत्कृष्ट सेवाभाव को प्रदर्शित करता है,बल्कि मानव जीवन में इससे बड़ा पुण्य का काम और कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने पिछले 30 वर्षों से जायसवाल टिंबर की ओर से किये जा रहे इस पुनीत कार्य की काफी सराहना की। पर्यावरण धर्मगुरु कौशल किशोर जायसवाल ने सभी से पर्याप्त मात्रा में आम के पौधे रोपित करने का सुझाव दिया। आयोजन में बसंत सिंह, अनुज कुमार, गोपाल प्रसाद, मुनेश्वर मांझी, शमीम अंसारी, अमरेंद्र कुमार की भूमिका सराहनीय रही। मौके पर मिठ्ठू सिंह, शाली वाहन, आयुष, विकास, गौतम, पीयूष, अभिषेक उपस्थित थे।

### व्रतियों में 10 क्विंटल दूध का वितरण

**मेदिनीनगर।** भारतीय जनता युवा मोर्चा पलामू जिला अध्यक्ष ज्योति पांडे ने चैनपुर की स्वयंसेवी संस्था महान क्लब द्वारा छठ व्रतियों के बीच आयोजित 10 क्विंटल दूध वितरण कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर श्री पांडे ने कहा कि सभी पर्व त्योहार में महान क्लब के द्वारा बढ़-चढ़कर भाग लिया जाता है। नाम रखने से ही सिर्फ. कोई महान नहीं हो जाता बल्कि वह अपने कर्मों से महान होता है। महान क्लब के लोगों ने करके दिखाया है। क्लब की पहल निश्चित ही सराहनीय है। मौके पर महान क्लब के अध्यक्ष अमित कुमार सोनी उपस्थित थे। इसी क्रम में संपूर्ण विकास समिति इमली द्वारा छठ व्रतियों के लिए 100 लीटर दूध वितरण किया गया। जनता दल यूनाइटेड के जिला अध्यक्ष मनोज कुमार दुबे एवं समिति के सदस्य राजू नारायण साहू, मनोज शर्मा, अरुण गुप्ता, अनुज शर्मा, पंकज दुबे, अजय सिंह आदि ने सहभाग किया।

### छठी मईया की गीतों से गुलजार वातावरण भक्ति से हो रहा सराबोर

# आस्था के समंदर में डूबा पलामू,चहुंओर उल्लास

## खरना पूजा संपन्न, सूर्य को पहला अर्घ्य आज

जिले में लोक पर्व छठ का उल्लास चरम पर है। शनिवार को पवित्र स्नान के बाद छठ व्रतधारियों ने अपने अपने घरों में पूरी पवित्रता व निष्ठा के साथ खरना पूजा संपन्न किये। व्रतियों द्वारा धार्मिक विधान के अनुसार शांत व एकाग्रचित माहौल में अरवा चावल,गुड़ व दूध का खीर पूरी पवित्रता के साथ बनाया गया और पूजा अर्चना के उपरांत ग्रहण किया गया। खरना पूजा के बाद शुरू हुआ प्रसाद वितरण का कार्य देर शाम तक चलता रहा। व्रतियों द्वारा घर परिवार के साथ दोस्तों, परिचितो व पड़ोसियों के बीच खीर प्रसाद का वितरण किया गया। व्रत का पहला अर्घ्य रविवार को अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को व्रतियों द्वारा विभिन्न घाटों पर दिया जायेगा। सोमवार को सुबह उदित होते भगवान भुवन भाष्कर को व्रत के दूसरे अर्घ्य के साथ लोक पर्व छठ संपन्न हो जायेगा।

**नवीन मेल संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** लोक आस्था के महान पर्व छठ को लेकर सम्पूर्ण पलामू आस्था व भक्ति के समंदर में डूब गया है। शहर से लेकर गांव तक हर तरफ निष्ठा व पवित्रता के बीच उल्लास का माहौल है। छठी मईया की गीतों से सम्पूर्ण वातावरण भक्ति से सराबोर हो रहा है।आस्था व पर्व के प्रति निष्ठा का आलम है कि जाती, धर्म व मजहब से अलग हर आदमी छठ व्रतियों की सुविधा, सुरक्षा व सम्मान के लिए काम करने में जुटा है। बिना किसी भेदभाव के लोग सड़क पर झाड़ू लगाकर राह की धूल साफ कर रहे हैं, ताकि किसी व्रती के पाव में धूल नहीं लगे। हर इलाके में छठ व्रतियों के लिए फल -फूल के साथ पूजा की सामग्रीयों के वितरण की होड़ लगी है। जिसमें खास ही नहीं आम आदमी भी जुटे हैं। शहर के कोयल व अमानत के विभिन्न घाटों समेत अन्य नदी व तालाबों पर वर्तियों की सुविधा के कई प्रबंध किये गये हैं। कई संगठनों द्वारा अलग अलग घाटों पर भव्य गंगा आरती और भक्ति जागरण के आयोजन की भी तैयारी की गई है। इसमें जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ साथ दर्जनों संघ व संगठनों से जुड़े लोग भरपूर सहयोग कर रहे हैं। पूजा घाटों पर भगवान भाष्कर को अर्घ्य के दौरान उमड़ने वाली भीड़ के मद्देनजर पुलिस द्वारा सुरक्षा के कड़े प्रबंध किये गये हैं। कोयल व अमानत की घाटों पर निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरो के साथ साथ ड्रोन कैमरो की भी तैनाती की गई है। शहर से घाटों की ओर जाने वाली सड़क व चौक चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। बहरहाल साफ सफाई के साथ सज धज कर तैयार विभिन्न घाटों पर शनिवार की शाम भारी संख्या में छठ व्रती पहुंचे व पवित्र स्नान के बाद भगवान सूर्य को जल अर्पित कर पूजा शांति व सदभाव पूर्ण माहौल में पूरी पवित्रता के साथ सम्पन्न होने की कामनाओं के साथ घर वापस लौटे व खरना पूजा संपन्न किया।

## पलामू एसपी कर रहीं छठ, लातेहार एसपी उठायेंगे दउरा

लोक आस्था के महापर्व छठ की शुरूआत शुक्रवार को नहाय-खाय से शुरू हो गई है। इस पर्व का मुख्य रूप से बिहार, झारखंड व पूर्वी यूपी में विशेष महत्व है। समय के साथ अब इसकी मान्यता व प्रसिद्धी धीरे-धीरे देश ही नहीं विश्व के कोने-कोने में फैल रही है। अमीर-गरीब से लेकर कर्मचारी से अधिकारी तक में समान रूप से पर्व के प्रति गहरी आस्था है। केरल की मूल निवासी वर्तमान में पलामू की एसपी के पद पर पदस्थ रीष्मा रमेशन की पर्व के प्रति आस्था से इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। इसे महापर्व की अलौकिकता ही कहेंगे कि इसके नियम-निष्ठा को करीब से देखने वालों की आस्था इसमें स्वतः जागृत हो उठती है। पलामू एसपी अपने पति लातेहार एसपी अंजनी अंजन के सरकारी आवास पर पूरे विधि-विधान से चार दिनों तक छठ का अनुष्ठान कर रही हैं। दरअसल 4 साल पहले रिष्मा रमेशन की शादी झारखंड कैडर के आईपीएस व बिहार में पटना के रहने वाले अंजनी अंजन से हुई। इसके बाद रिष्मा को भी झारखंड कैडर मिला। साल 2016 में अंजनी की मां के देहांत के बाद से घर पर छठ की परंपरा बंद थी। जिसे केरल में पली-बढ़ी रिष्मा रमेशन ने पिछले साल एक बार फिर शुरू किया है। इसे बरकरार रखते हुए इस बार भी वह छठ पर्व कर रही हैं। एसपी ने बताया कि 36 घंटे के निर्जला उपवास का अनुभव नहीं था. लिहाजा, मन में संशय था कि कर पाउंगी या नहीं। लेकिन छठ मइया की कृपा से ये संभव हो पाया। पिछले साल छठ के पहले व्रत का अनुभव काफी अच्छा रहा। यही कारण है कि इस बार भी पर्व कर रही हैं। आगे भी इस परंपरा को जारी रखा जाएगा। बता दें कि आईपीएस अंजनी खुद दउरा सिर पर उठाकर छठ घाट तक ले जाते हैं एवं पूरा परिवार भगवान भास्कर को अर्घ्य देता है। आईपीएस अंजनी अंजन ने बताया कि घर में बचपन से छठ होता देख रहा था। लेकिन, मां के देहांत के बाद से पर्व नहीं हो रहा था। जिस परंपरा को रिष्मा ने एक बार फिर से शुरू किया है।

### मेदिनीराय व नीलांबर-पीतांबर मूर्ति स्थापना का मामला पकड़ रहा तूल

## खास महाल की भूमि पर मूर्ति स्थापना अव्यवहारिक

**नवीन मेल संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** शहर के कचहरी परिसर में स्थापित राजा मेदिनीराय व शहीद नीलांबर-पीतांबर मूर्ति स्थापना का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। खास महाल की भूमि पर मूर्ति स्थापना को अव्यवहारिक बताते हुए स्थापित मूर्ति के पीछे चाय की दुकान का संचालन करने वाले ने जिला प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। चाय विक्रता अमरनाथ प्रसाद ने बताया कि उक्त स्थान पर उनकी चार पीढ़ी पिछले 70 वर्षों से दुकान का संचालन कर रहे हैं। यही उनके परिवार के भरन-पोषण का एकमात्र जरिया है। मूर्ति स्थापना के दिन भी उन्होंने महापुरूषों की मूर्ति कहीं अन्य सम्मानित स्थल पर स्थापित करने की बात कही थी। किंतु उसे अनसुना कर दिया गया। अमरनाथ के पिता मन्ना राम ने बताया कि वर्ष 1957 से वे लगातार उक्त भूमि की मालगुजारी रसीद कटवा रहे हैं। उक्त भूमि खास महाल खाते की है। उन्होंने जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए इस संबंध में तत्काल समुचित कदम उठाये जाने की मांग की है।

### जाम की समस्या से निजात को लगाया गया बेरकेटिंग

**मेदिनीनगर।** छठ पूजा त्यौहार को लेकर शहर के बाजार क्षेत्र में जाम की समस्या को देखते हुए ट्रैफिक प्रभारी रामजीत सिंह के निर्देशन में बाजार क्षेत्र के सभी मुख्य मार्गों पर लगाया गया है। इससे बाजार में सामान खरीदने आने वाले लोगों को काफी सहुलियत हो रही है। इस संबंध में ट्रैफिक प्रभारी ने बताया कि छठ पर्व शुरू होते ही बाजार में जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। इससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि छठ पूजा की शुरूआत होने से पहले ही तैयारी शुरू कर दी गई थी। ताकि ऐन मौके पर नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बेरकेटिंग लगने से बाजार के दुकानदार भी काफी खुशी नजर आ रहे हैं।

### खरीदारी के लिए उमड़े लोग

## छठ पूजा के लिए सजा बाजार, मिल रहे हैं सारे सामान

**नवीन मेल संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** चार दिवसीय सूर्योपासना का महापर्व छठ की शुरूआत शुक्रवार को नहाय खाय के साथ शुरू हो गई है। लोग आवश्यक तैयारी में जुटे हैं। मेदिनीनगर का बाजार पूजन सामग्रियों से पट गया है। पर्व के मद्देनजर सड़कों के किनारे दर्जनों की संख्या में फल-फलहरी की दुकान खुल गई है। सेव कारोबारी भी आशान्वित हैं। केला की मंडी भी सजी है। चारों ओर वातावरण छठमय नजर आ रहा है। जिले में लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर शहर से लेकर गांवों तक सक्रियता बढ़ गई है। प्रशासन छठ घाटों को पूजा

करने लायक बनाने के लिए प्रयासरत है तो आम जन भी जोर-शोर से तैयारी में जुटे हैं। पर्व को लेकर बाजार पूजन सामग्रियों से पट गया है। मांग को देखते हुए व्यापारी सूप, डलिया, नारियल व अन्य सामान ऑर्डर देकर मंगा रहे हैं। ताकि छठ व्रतियों को परेशानी ना हो व दाम भी नियंत्रण में रहे। मेदिनीनगर के इन बाजारों में आपको छठ पूजा के आधुनिक व पारंपरिक सामग्री की विशाल विकल्पमाला मिलती है। जो पूजा को और भी रंगीन बनाती है। छठ पूजा में सूप-दउरा का विशेष महत्व माना जाता है। छठ पूजा करने के लिए घाट पर दउरा में ही प्रसाद रखकर ले जाया जाता है एवं सूप से भगवान सूर्य देव को अर्घ्य दिया जाता है। इसके अलावा छठ पूजा के लिए प्रसाद बनाने के लिए मिट्टी का चुल्हा शुभ माना जाता है। मिट्टी के चूल्हे पर ही ठेकुआ, गुड़ की खीर बनाई जाती है।

### बार एसोसिएशन के सचिव ने किया पूजन सामग्री का वितरण

**मेदिनीनगर।** पलामू जिला बार एसोसिएशन के सचिव सुबोध कुमार सिन्हा ने आबादगंज स्थित अपने आवास पर छठ व्रतियों के बीच पूजन सामग्री का वितरण किया। उन्होंने कहा कि छठ पर्व परस्पर सहयोग से मनाया जाने वाला विशिष्ट पर्व है। आर्थिक अभाव में कोई भी पर्व मनाने से वंचित न रहे। इसका ध्यान रखना सभी सामर्थ्यवान लोगों का दायित्व है। पर्व में सहयोग मांगने की भी पुरातन परंपरा रही है। आसपास के व्रतियों में पूजन सामग्री प्रदान कर उन्होंने सभी को पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही जरूरतमंदों में कंबल वितरण किया जाएगा।

### पदाधिकारियों को दिये गये है अलग-अलग दायित्व

## श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ सह भागवत कथा की तैयारी अंतिम चरण में

**नवीन मेल संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी के तत्वाधान में 21 नवंबर से शुरू होने वाले श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ सह परमपूज्य देवकीनन्दन ठाकुर जी महाराज के भागवत कथा की तैयारी अंतिम चरण में है। महायज्ञ समिति के मुख्य संरक्षक अर्जुन पाण्डेय उर्फ गुरु पांडेय यज्ञस्थल पर कैंप कर स्वयं तैयारियों पर नजर रखे हुए हैं। महायज्ञ समिति की युवा टीम आशुतोष पांडेय उर्फ लक्की, आशीष भारद्वाज, प्रदीप दुबे, चंदन तिवारी, विकास दुबे, आनंद प्रकाश दुबे, चंदन आरके, विशाल पांडेय, दिलीप तिवारी, बिट्टू दुबे, बिक्कू शुक्ला, तुषार दुबे,गोलू दुबे, गोपाल पांडेय, आशीष दुबे, छोटू त्रिपाठी, गोरख पाठक सहित कई सदस्य लगातार मेहनत कर शहर को सजाने-संवारने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं। महायज्ञ समिति के अध्यक्ष सह राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, महासचिव शैलेश दुबे, उपाध्यक्ष शैलेश तिवारी, अनील दुबे, सोशल मीडिया प्रभारी सुशील तिवारी सहित महायज्ञ समिति के कई पदाधिकारी इस आयोजन को भव्यता देने के लिए लगातार सक्रिय हैं। संरक्षक कृष्णकांत चौबे व उपाध्यक्ष संजय मिश्रा यज्ञस्थल की व्यवस्था में लगे हैं। जबकि कोषाध्यक्ष राकेश पांडेय यज्ञस्थल पर पहुंच रहे संत-महात्माओं की सेवा में लगे हैं। यज्ञस्थल परिसर को सजाने व संवारने की जिम्मेदारी को महायज्ञ समिति के सह कोषाध्यक्ष सुनील पांडेय, संजय पांडेय व सतीश पांडेय बखूबी निभा रहे हैं। बबलू पांडेय, वीरमणी तिवारी, शंभु सिंह भी लगातार सक्रिय हैं। मीडिया प्रभारी अवधेश शुक्ला व अजीत पाठक भी तन्मयता पूर्वक जुटे हैं। समिति के संरक्षक मंडल के सदस्य मनु प्रसाद तिवारी, प्रवीण सिंह, दुर्गा जौहरी, अविनाश देव, सोनु सिंह नामधारी, ललन सिन्हा, नवीन तिवारी सहित कार्यकारणी सदस्य राजकुमार गुप्ता, नवीन प्रसाद गुप्ता, मनोज कुमार सिंह, धीरेन्द्र पांडेय, गोल्डी शुक्ला, विवेकानंद त्रिपाठी,भोला पांडेय आयोजन में बढ़-चढ़ कर अपना योगदान दे रहे हैं।

**उल्लास** धार्मिक, समाजिक समेत हर क्षेत्र के लोग महायज्ञ में होंगे शामिल

## भव्य होगा देवकीनंदन ठाकुर का स्वागत

### श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ सह श्रीमद्भागवत कथा को श्रवण करने के लिए पलामूवासी व्याकुल हैं : धनंजय

**नवीन मेल संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** कलशयात्रा के संग अंतरराष्ट्रीय कथावाचक देवकी नंदन ठाकुर जी महाराज की शोभायात्रा की तैयारी अंतिम चरण में है। जिसकी भव्यता, दिव्यता एवं नव्यता की पूर्ति में महायज्ञ समिति की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। इसी निमित्त राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी के प्रदेश सचिव सह महायज्ञ समिति के प्रवक्ता आशुतोष पाण्डेय लकी एवं पलामू के सेवादार सह महायज्ञ समिति के कार्यकारिणी सदस्य दीपक तिवारी ने प्रतिष्ठित

व्यवसायी धनंजय सोनी सहित सोना महल परिवार को महायज्ञ समिति की ओर से आमंत्रित किया। मौके पर कलशयात्रा में सभी सनातनी को सम्मिलित होने का आग्रह किया। इस दौरान बताया गया कि श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज का स्वागत पलामू में ऐतिहासिक करने के लिए महायज्ञ समिति कृत संकल्पित है। जिसमें सभी सनातनी की सहभागिता महत्वपूर्ण है। इस दौरान धनंजय सोनी ने कलशयात्रा में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने का भरोसा दिया। वहीं कहा कि श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ सह श्रीमद्भागवत कथा को श्रवण करने के लिए पलामूवासी व्याकुल हैं। साथ ही सनातन धर्म ध्वजा को बुलंद करने के लिए महायज्ञ समिति के प्रति आभार व्यक्त किया। दीपक तिवारी ने बताया कि राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी की ओर से आयोजित महायज्ञ को सफल बनाने के लिए समस्त सनातन धर्मावलंबी की भूमिका अहम है। खासकर कथा में युवाओं को बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान भी किया। मौके पर अभय तिवारी, राकेश तिवारी मिकू, रवि कुमार, राकेश पाण्डेय, मनीष ठाकुर, धनंजय शुक्ला समेत सोना महल परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

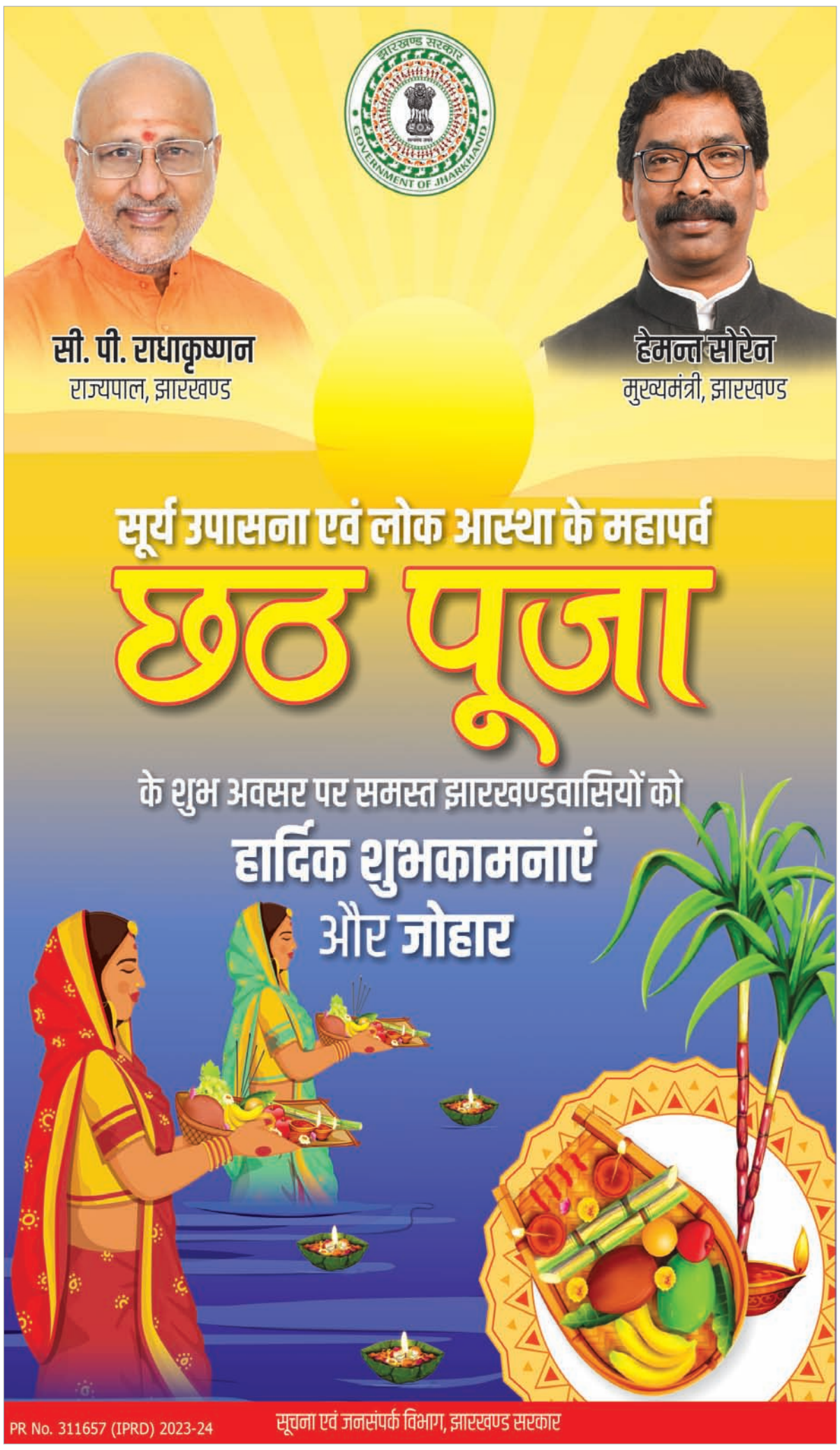

## गागर में सागर

### सीआरपीएफ ने ग्रामीणों के बीच दैनिक उपयोग की सामग्रियों का किया वितरण

**भंडरिया।** भंडरिया थाना क्षेत्र के अति सुंदुरवर्ती बूढ़ा पहाड़ के तलहटी में बसे कुल्ही गांव में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल 172 बटालियन के द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन कर कुल्ही, बहेराटोली, बूढ़ा पहाड़, छत्तीसगढ़ के पुनदाग गांव के ग्रामीणों के बीच दैनिक उपयोग के सामग्री का किया गया वितरण। वितरण की गई सामग्रियों में 120 कंबल 36 पानी टंकी व 56 प्लास्टिक तिरपाल आदि शामिल रहे। उक्त जन कल्याणकारी कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल 172 बटालियन के कमांडेंट नृपेन्द्र कुमार सिंह उप कमांडेंट यू आर रामेश्वरम सहायक कमांडेंट कैश प्रकाश सहायक कमांडेंट नीरज कुमार, मुंबईकर अक्षय पांडुरंग, सहायक कमांडेंट जीडी श्रीनिवास दुबे, के अतिरिक्त सीआरपीएफ कार्मि व स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कमांडेंट नृपेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल 172 बटालियन या अन्य बटालियन के लोग का हमेशा प्रयास रहा है कि जिस क्षेत्र में रहे उस क्षेत्र में रहने वाले जनता के कल्याण व सुविधा के लिए हरसंभव उत्थान का प्रयास किया करता है ताकि लोग शिक्षित व समृद्ध होकर मुख्यधारा में रहे। सीआरपीएफ के द्वारा इस तरह के कार्यक्रम का ग्रामीणों ने प्रशंसा करते हुए पुलिस के जवानों पर आभार जताया।

### भाजपा प्रखंड अध्यक्ष का बीडीओ पर जेएमएम का एजेंट होने का आरोप

**भंडरिया।** भंडरिया प्रखंड मुख्यालय स्थित भाजपा कार्यालय में मंडल अध्यक्ष राजेश्वर ठाकुर ने पत्रकार वार्ता कर प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्र के मंत्री अर्जुन मुंडा के अथक प्रयास से आदिवासी बहुल क्षेत्र भंडरिया में एकलव्य आवासीय विद्यालय का निर्माण कार्य कराया गया है, जिसका ऑनलाइन उद्घाटन 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं झारखंड स्थापना दिवस के उपलक्ष में किया गया था। ऑनलाइन उद्घाटन कार्यक्रम में क्षेत्र के सांसद विष्णु दयाल राम विधायक आलोक चौरसिया व उनके प्रखंड प्रतिनिधियों को भी इसकी सूचना नहीं देना दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रखंड विकास पदाधिकारी की कार्यशैली से साफ झलकता है कि वह झारखंड मुक्ति मोर्चा के एजेंट के रूप में बहाल हुए हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रखंड विकास पदाधिकारी की कार्यशैली की शिकायत पत्राचार के माध्यम से क्षेत्र के विधायक, सांसद, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रतिपक्ष के नेता अमर बावरी व जिला उपायुक्त को किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता व प्रखंडवासी को सूचना नहीं देकर क्षेत्र में केंद्र सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को छुपाने का कार्य किया जा रहा है। पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि रूप निरंजन सिन्हा, विधायक प्रतिनिधि बिरजू सिंह, मंडल उपाध्यक्ष विनय जायसवाल उपस्थित थे।

### देवी जागरण का आयोजन आज होगा

**भवनाथपुर।** कोनमंडरा गांव में चापक चुआं छठ घाट पर रविवार को देवी जागरण का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी आयोजन समिति के अध्यक्ष अजय गुप्ता ने दी। बैठक में प्रेमचंद प्रजापति, नीतीश प्रजापति, राजू उरांव, जयसवाल उरांव, आमोद प्रजापति, चंदन उराव, आशीष उरांव, भुवनेश्वर उरांव, मंजय प्रजापति, विजय उरांव, माणिकचंद उरांव, राजेश उरांव, चंदन प्रजापति, रमेश प्रजापति, आशीष प्रजापति, अमित प्रजापति, सुजीत, बबलू प्रजापति, लवकुश, ईश्वर उरांव, अखिलेश उरांव, शिवरांतन, चंदन, मंटू आदि मौजूद थे।

## बांकी नदी के तट पर अवस्थित अति प्राचीन सूर्य मंदिर छठ व्रतधारियों के लिए आस्था व विश्वास का केंद्र

# यहां जो भी महिलाएं व्रत करती हैं, उनकी मनोकामनाएं होती हैं पूर्ण

**नवीन मेल संवाददाता। श्री बंशीधर नगर**

अनुमंडल मुख्यालय में बांकी नदी के तट पर अवस्थित अति प्राचीन सूर्य मंदिर छठ व्रतधारियों के लिए आस्था व विश्वास का केंद्र है। इस सूर्यमन्दिर की स्थापना नगर गढ़ के भैया राज किशोर देव की धर्मपत्नी सीता देवी ने वर्ष 1943 में करवाया था। उसी समय से यहां छठ महापर्व मनाया जाता है।

लोगों का मानना है कि जो भी व्रतधारी यहां छठ व्रत करती हैं, उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। यही कारण है कि यहां प्रत्येक वर्ष झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों सहित सीमावर्ती उतर प्रदेश, मध्य प्रदेश सहित बिहार राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से छठ व्रत करने के लिए बड़ी संख्या में व्रतधारी आते हैं। उन्होंने बताया कि छठ महापर्व के अवसर प्रभात क्लब द्वारा साफ सफाई, छठ व्रतधारियों के स्नान के लिए कृत्रिम झरना, रोशनी, ध्वनि आदि की व्यवस्था विगत 54 वर्षों से की जाती रही है। अपने स्थापना काल से ही प्रभात क्लब समाजिक, धार्मिक व राष्ट्रीय कार्यो में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेता रहा है। व्रतधारियों को हरसंभव सुविधा उपलब्ध कराने के लिए क्लब के सदस्य पूरे रात सक्रिय रहते हैं। इधर नवयुवक क्लब द्वारा 1967 से लगातार प्रत्येक वर्ष छठव्रतधारियों के लिए छठ घाट पर साफ सफाई, बैठने के लिए टेंट, व्रत धारियों के लिए कृतिम झरना, ध्वनि आदि की व्यापाक व्यवस्था की गई है। इसकी जानकारी क्लब के अध्यक्ष मनोज कुमार, अजय प्रसाद एवं कमलेश कुमार मेहता ने दी। उन्होंने कहा कि पंचमुखी मंदिर के निकट नियंत्रण कक्ष भी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि छठ व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो इसके लिए क्लब के सदस्य हमेशा तत्पर रहते हैं। जय भामाशाह क्लब क अध्यक्ष रजनीकांत मधुर भोलू ने बताया कि बस स्टैंड से लेकर सब्जी बाजार होते छठ घाट तक जय भारत क्लब द्वारा बंशीधर मंदिर जाने वाले द्वार से नगर पंचायत कार्यालय तक साफ सफाई, रोशनी, ध्वनि के साथ-साथ व्रतधारियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। फ्रेन्ड्स रॉक ग्रुप सहित अन्य की ओर से भी छठ व्रतधारियों की सुविधा के लिये कार्य किये जा रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा छठ घाटों पर दंडाधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया गया है।

# खरना के साथ छठ व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू

## आज अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगी व्रती, कल होगा सूर्योपासना के महापर्व समापन

**नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा**

लोक आस्था और सूर्योपासना के महापर्व छठ के दूसरे दनि शनिवार को खरना का प्रसाद ग्रहण करने के साथ ही व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो गया। रविवार को व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगी। सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ महापर्व संपन्न हो जाएगा। ऐसा माना जाता है कि मां षष्ठी एकांत व शांत रहने पर ही भोग ग्रहण करती हैं। खरना के साथ ही पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। सूर्यभक्ति से सराबोर व्रतियों ने सूर्यास्त के बाद प्रसाद बनाकर खरना किया। खरना के बाद आसपास के लोग भी व्रतियों के घर पहुंचे और मांगकर प्रसाद ग्रहण किया।

**छठ घाटों को सजाया गया :** वहीं संस्थाओं द्वारा छठ घाटों को सजाया गया है। दनरो नदी छठ घाट, स्टूडेंट क्लब, फ्रेंड्स क्लब, टी ग्रुप, जागृति क्लब, भास्कर क्लव, सूर्या क्लब, छठ पूजा सेवा समिति, कल्याणपुर छठ घाट, सरस्वती नदी के तट पर स्थित घाट सहित विभिन्न पूजा समितियों ने घाट को सजाया है। शहर के बाजारों में दिनभर खरीदारी को लेकर चहल-पहल दिखी।

### मन्नत पूरी होने के बाद आस्ट्रेलिया से छठ महापर्व मनाने गांव लौटा दंपती

**केतार।** प्रखंड के मुकुंदपुर गांव निवासी अभिषेक सिंह और उनकी पत्नी प्रिया सिंह आस्ट्रेलिया से छठ महापर्व करने के लिए इस वर्ष गांव आये हैं। अभिषेक ने बताया कि वो आस्ट्रेलिया में एचसीएल कंपनी में साफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। शादी के बाद पत्नी के साथ आस्ट्रेलिया चले गये थे। चार वर्ष बाद मन्नत पूरी होने के पश्चात छठ महापर्व करने अपने गांव मुकुंदपुर लौटे हैं। उन्होंने बताया कि कोरोना काल में दोनों पति-पत्नी कोरोना पाज़िटिव हो गये थे। उसी स्थिति में पत्नी प्रिया सिंह ने पुत्री को जन्म दिया था। उन्होंने भगवान सूर्य से मन्नत मांगी थी की दोनों पति-पत्नी स्वस्थ होकर घर लौटेंगे तो छठ महापर्व नारायण वन में करेंगे। उन्होंने कहा कि भगवान सूर्य की महिमा अपरंपार है।

### केतार : दुधिया रोशनी से नहा रहा है नारायण वन

**केतार।** छठ महापर्व के दूसरे दिन शनिवार की शाम छठ व्रतियों ने खरना का प्रसाद ग्रहण किया। व्रतियों ने मुकुंदपुर के सुप्रसिद्ध नारायण वन, अमराहीदह छठ घाट, बूढ़ी खाड़ छठ घाट और बत्तों कला छठ घाट केतार पंडा नदी घाट पर स्नान कर घर लौटकर पीतल के बर्तन और आम की लकड़ी पर पवित्रता का ख्याल रखते हुए गुड़ का खीर, पुड़ी प्रसाद बनाकर ग्रहण किया। नारायण वन छठ घाट पर मंदिर विकास समिति द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। नारायण वन दुधिया रोशनी से जगमगा रहा है। वहीं विधि -व्यवस्था संधारण हेतु प्रभारी बीडीओ नंदजी राम ने दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त किया है। इनमें जनसेवक राजीव कुमार, कनीय अभियंता आनंद कुमार, रोजगार सेवक मनोज कुमार, रामकुमार प्रजापति, पंकज सिंह, दीपक जयसवाल को दोपहर दो बजे से रात्रि 9 बजे तक और कनीय अभियंता अमर भारती, राजीव कुमार, पंचायत सचिव अशोक कुमार, रोजगार सेवक धीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा, छोटन कुमार व लेखा सहायक लेखापाल जितेंद्र कुमार को प्रतिनियुक्त किया गया है।

### प्रभारी बीडीओ ने नारायण वन का किया निरीक्षण

**केतार।** प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी नंदजी राम व मुखिया मुंगा साह ने शनिवार की शाम सुप्रसिद्ध नारायण वन छठ घाट (मुकुन्दपुर) का निरीक्षण कर विधि -व्यवस्था का जायजा लिया। बीडीओ ने छठ घाट पर छठ व्रतियों ठहरने की व्यवस्था, वाहन पार्किंग, लाइटिंग, पेयजल, मेला व्यवस्था का जायजा लिया। कहा कि नारायण वन छठ घाट के लिए दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय नवीन मेल अखबार में शनिवार को 'छठ पर्व को लेकर सक्रिय नहीं है बीडीओ' खबर प्रकाशित हुई थी। इसके आलोक में बीडीओ आनन- फानन में छठ घाट का निरीक्षण किया और मजिस्ट्रेट भी प्रतिनियुक्त किया। मौके पर अजय वर्मा, बीपीओ मनोज कुमार, धर्मेन्द्र सिंह, चंदन प्रसाद, अरबिंद वर्मा, अशोक पासवान, सूरज वर्मा आदि मौजूद थे।

### खरौंधी : छठ के दूसरे दिन व्रतियों ने किया खरना

**खरौंधी।** प्रखंड क्षेत्र के खरौंधी, मझिगावां, राजी, सुंडी, करिवाडीह चंदनी, सिसरी, अरंगी, कूपा पंचायत में लोक आस्था का छठ महापर्व हर्षोल्लास से मनाया जा रहा है। दूसरे दिन छठ व्रतियों ने स्थानीय डोमनी नदी, पंडा नदी एवं तलाबों में स्नान कर शाम को खरना किया। वहीं समाजसेवीयों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा छठ घाटों पर साफ सफाई एवं सजावट की पूरी व्यवस्था की गई है। थाना प्रभारी पंकज सिंदूरिया के नेतृत्व में प्रखंड क्षेत्र में पूरी मुस्तैदी से घाटों का निरीक्षण किया जा रहा है ताकि असामाजिक तत्वों से निपटा जा सके। सिसरी स्तिथ सूर्य मंदिर में छठ व्रतियों की काफी भीड़ देखी गयी। यहां हर वर्ष मेला का आयोजन किया जाता है। छठ गीतों से माहौल भक्तिमय बना हुआ है। शनिवार को खरौंधी में साप्ताहिक बाजार होने से पूरा बाजार क्षेत्र भारी भीड़ से भरा हुआ था। लोग छठ पूजन सामग्री सुप, दउरा, फल, ईख, कपड़ा इत्यादि की दुकानों में खरीदारी करते देखे गए।

### मेराल : शहर से गांव तक भक्तिमय हुआ वातावरण

**मेराल।** लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर शहर से लेकर गांव तक वातावरण पूर्ण रूप से भक्तिमय हो चुका है। शनिवार को लोगों द्वारा जगह-जगह पर स्टाल लगाकर फल तथा पूजन सामग्री का वितरण किया गया तथा भिक्षाटन के लिए निकले व्रतधारियों को लोगों ने श्रद्धा के साथ छठ सामग्री दी। थाना परिसर में थाना प्रभारी नीतीश कुमार के नेतृत्व में सभी पदाधिकारियों तथा पुलिस के जवानों ने व्रतधारियों के बीच फल, फूल तथा पूजन सामग्री का वितरण किया। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी समाजसेवी अजय प्रसाद गुप्ता के आवास पर स्टॉल लगाकर पूजा सामग्रियों का वितरण किया गया। मौके पर उपस्थित प्रखंड प्रमुख दीपमाला कुमारी, झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष दशरथ प्रसाद, संजय भगत, जहुर रंगसाज, भारत भूषण तिवारी, डॉक्टर लालमोहन, अशोक राम, आदित्य गुप्ता, भास्कर गुप्ता, सरिता देवी, मुखिया रामसागर मेहता आदि फल फूल का वितरण किया। इसके अतिरिक्त भाजपा के जिला उपाध्यक्ष संजय भगत ने बस स्टैंड बाजार टोला में भी पूजन सामग्री का वितरण किया। लातदाग बाना गोंदा हासनदाग करकोमा, संगबरियां तेनार, रेजो दलेली अटौला पेशका चामा इत्यादि गांवों में भी सामाजिक संगठन तथा क्लब के लोगों ने छठ घाट पर सजावट की है।

### धुरकी : थाना प्रभारी ने बांटी पूजन सामग्री

**धुरकी।** छठ पूजा को लेकर शनिवार को धुरकी थाना परिसर में स्टॉल लगाकर थाना प्रभारी संतोष कुमार रवि ने व्रतधारियों के बीच फल एवं पूजन सामग्री का वितरण किया। थाना प्रभारी ने धुरकी वासियों को छठ की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। मौके पर पीएसाई बिपिन कुमार आदि मौजूद थे।

### चिनिया : पदाधिकारियों ने किया घाटों का निरीक्षण

**चिनिया।** प्रखंड विकास पदाधिकारी कालिदास मुंडा व अंचलाधिकारी निषात अंजुम ने शनिवार को विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने साफ-सफाई का जायजा लेते हुए विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मौके पर अंचल कर्मी विनोद गुप्ता, पूजा समिति के बंशीधर यादव, राम बदन रवि आदि मौजूद थे।

### भवनाथपुर : थाना परिसर में पूजा सामग्री का वितरण

**भवनाथपुर।** थाना परिसर में प्रभारी रामेस्वर उपाधयाय के नेतृत्व में सभी पदाधिकारी तथा पुलिस के जवानों ने छठ करने के लिए भिक्षाटन करने आए व्रतधारियों के बीच फल फूल तथा पूजन सामग्री का वितरण किया। वहीं प्रखंड के एकलौता मुश्लिम जनप्रतिनिधि अरसली उतरी पंचायत के मुखिया इसरत जहां, उनके पति पिंटू अंसारी व समाजसेवी तस्वीन्न अंसारी ने अपने आवास पर स्टॉल लगाकर छठ पूजा सामग्रियों का वितरण किया। चपरि मुखिया शैलेस चौबे, भवनाथपुर मुखिया बेबी देवी, अरसली दक्षिणी के मुखिया पति जयप्रकाश यादव, बनसानी के राजेस्वर पासवान, मकरी के धनंजय साह ने भी पूजन सामग्रियों का वितरण किया। वहीं प्रमुख शोभा देवी व जिला परिषद शर्मा रंजनी ने कई छठ घाटों पर भ्रमण किया।

# मंत्री ने किया छठ घाटों का निरीक्षण, कहा-मरीन ड्राइव का निर्माण जल्द

**नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा**

स्थानीय विधायक सह पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने शनिवार को विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टूडेंट क्लब, फ्रेंड्स क्लब, यूनिवर्सल क्लब, जय देवी संग, टी ग्रुप, सूर्य क्लब, छठ पूजा सेवा समिति, जागृति क्लब, सूर्य क्लब सहित कल्याणपुर छठ घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छठ पूजा समिति के पदाधिकारी से तैयारी का जायजा लिया। साथ ही छठ वर्ती को बैठने उनके नहाने की व्यवस्था से संबंधित की गई तैयारी की समीक्षा भी की। इस दौरान उन्होंने नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को छठ घाट जाने वाले सभी रास्ते को सही ढंग से साफ सफाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि पूर्व में गढ़वा उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, एसडीओ द्वारा सभी छठ घाटों की तैयारी का जायजा लिया गया है। सभी छठ पूजा समिति के द्वारा भी काफी मेहनत कर छठ घाट को आकर्षक तरीके से सजाया गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में व्रती को किसी तरह की परेशानी नहीं हो उसके लिए नदी को साफ सुथरा रखने की दिशा में जल्द ही कार्य किया जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारी को छठ घाटों पर बेहतर सुविधा बेहतर सुरक्षा व्यवस्था मुहैया करने का निर्देश दिया।

ठाकुर ने निरीक्षण के दौरान सभी छठ घाट समिति के अध्यक्षों को यह आश्वस्थ कराया है कि बहुत जल्द गढ़वा में 1 अरब 40 करोड़ की लागत से मरीन ड्राइव का निर्माण कराया जाएगा। इसके बाद छठ व्रती को कभी किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। नदी का जलस्तर साफ सुथरा रहेगा। उन्होंने कहा कि मरीन ड्राइव का शिलान्यास जनवरी माह तक कर दिया जाएगा।

### मंत्री मिथिलेश के सौजन्य से पूजा सामग्री का वितरण

**चिनिया।** प्रखंड मुख्यालय स्थित हनुमान मंदिर के सामने शनिवार को मंत्री मिथिलेश के सौजन्य से झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष अरविंद कुमार यादव ने स्टॉल लगाकर हजारों छठ व्रतियों के बीच फल व पूजा सामग्री का वितरण किया। इस दौरान नारियल, शकरकंद, सेव, सुतली, हल्दी, आदि, बादाम, अगरबत्ती, माचिस, सिंघाड़ा सहित सभी प्रकार की पूजा सामग्री और फलों का वितरण किया गया। यादव ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी स्थानीय विधायक सह स्वच्छता एवं पेयजल विभाग के मंत्री मिथिलेश ठाकुर के निर्देश पर आगे भी इसी तरीके से स्टॉल लगाकर प्रत्येक वर्ष छठ व्रतियों के बीच पूजा सामग्री व फल का वितरण किया जाता रहेगा। मौके पर राजद नेता फरीद खां, जिला परिषद सदस्य बनारसी सिंह, झामुमो प्रखंड सचिव बेलाल अंसारी, युवा प्रखंड अध्यक्ष रामवृक्ष सिंह, नौशाद मंसूरी, राजेंद्र प्रसाद, देवदत्त यादव, राकेश तूरी, महिला मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष अमोला देवी, हीरामन सिंह, हरिओम यादव, रमेश यादव मौजूद थे।

# मिल संचालक का बेटा जेसीओ बन पहुंचा डंडई गांव में खुशी की लहर

**नवीन मेल संवाददाता। डंडई**

ब्याहुत समाज में जन्मा डंडई का रूपेश कुमार भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय में जेसीओ के पद की नौकरी पाकर शनिवार को वर्दी में पहली बार गांव पहुंचा, जहां समाज के लोगों के अलावा कई जनप्रतिनिधियों ने माला पहनाकर गर्मजोशी के साथ उसका स्वागत किया। इसके बाद ढोल बाजों के साथ सभी गांव के डीहवार स्थल व हरिहर मंदिर पहुंचे। वहां पर माथा टेक रूपेश देवी देवताओं का आशीर्वाद लेकर अपने घर पहुंचा, जहां पिता राम लखन प्रसाद, माता प्रभावती देवी व बड़े भाई राजू कुमार का चरण स्पर्श करते हुए उनके गले में लिपट गया। मंजिल पाने का श्रेय के बारे में पूछे जाने पर रूपेश ने बताया कि इसका मुख्य श्रेय माता-पिता के साथ-साथ बड़े भाई को भी जाता है। उन्होंने कहा कि मेरी पढ़ाई लिखाई के दौरान मुझे जब-जब पैसे की जरूरत पड़ी है तब तब ये सभी उसे पूरा करने का काम करते आए हैं। उन्होंने कहा कि उक्त लोगों के कठिन परिश्रम की बदौलत ही मैं आज इस मुकाम तक पहुंचने में सफल हुआ हूं। पिता राम लखन मुख्य रूप से मिल के व्यवसाय से जुड़े हैं। पिछले कई वर्षों से वे मिल का संचालन कर रहे हैं। साथ ही वे एक गृहस्थ भी हैं। पूछने पर वे बताते हैं कि मेरे दो बेटे हैं। बड़ा का नाम राजू और छोटा का नाम रूपेश है। यहां तक की दोनों लड़कों की पढ़ाई के लिए मुझे जमीन भी बेचनी पड़ी है तो मैं उससे पीछे नहीं रहा हूं। रूपेश की नौकरी से मैं काफी खुश हूं। उधर एक तरफ छठी मैया की गीत से गांव पूरी तरह गुंजायमान था तो दूसरी तरफ रूपेश की खुशी में लोग डीजे साउंड के गानों पर नाच गाना कर रहे थे। ग्रामीण रूपेश की खुशी से फुले नहीं समा रहे थे।

**फुटबॉल टूर्नामेंट** कुदरूम ने भलुवानी को 4-1 से पराजित कर जीती प्रतियोगिता

# 'खेल में भी है बेहतर करियर की असीम संभावनाएं'

**नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा**

रंका प्रखंड के जोलंगा युवा संघ के तत्वावधान में शुक्रवार को मिशन हाई स्कूल के मैदान में फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच कुदरूम बनाम भलुवानी की टीम के बीच खेला गया, जिसमें फाइनल मुकाबले में कुदरूम की टीम ने भलुवानी को 4-1 से पराजित कर कप पर कब्जा जमा लिया। मैच का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर व फुटबॉल को किक मारकर किया। मंत्री का भव्य स्वागत किया गया। मौके पर मंत्री ने विजेता टीम को कप एवं 12 हजार रुपये नकद पुरस्कार तथा उपविजेता टीम को कप एवं आठ हजार रुपये नकद पुरस्कार प्रदान किया।

मौके पर मंत्री ने कहा कि खेल युवाओं को अनुशासन सिखलाता है। अनुशासन से ही जीवन में महान बनने के अवसर प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ पढ़ाई लिखाई ही नहीं, बल्कि खेल के क्षेत्र में भी बेहतर करियर की असीम संभावनाएं हैं। गढ़वा जिले में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। बस इसे सही दिशा और मौका देने की जरूरत है। मंत्री ने कहा कि वे जिले में खेल प्रतिभाओं को कुंठित नहीं होने देंगे। वे उन्हें आगे बढ़ने के लिए हरसंभव खिलाड़ियों के साथ हैं। मौके पर मुख्य रूप से बीस सूत्री जिला उपाध्यक्ष नितेश सिंह, जिला परिषद सदस्य मेराल उतरी संजय सिंह, रंका अनुमंडल विधायक प्रतिनिधि अनिल चंद्रवंशी, खेल कूद विभाग के विधायक प्रतिनिधि ओम प्रकाश गुप्ता, आशीष गुप्ता, कार्तिक पांडेय, दीपक सोनी, लीलावती देवी, मुमताज रंगसाज, राधेश्याम सिंह, कामेश्वर यादव, प्रियम सिंह, निलेश, विष्णु, नेपाल राम, रत्न सिंह, मोती कोरवा, रामपति परहिया, सुरेश कोरवा, रामलाल राम, मनोज कोरवा, संतोष राम, महेश कोरवा आदि सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

### पूर्व विधायक अनंत प्रताप दिवंगत शिक्षक के परिजनों से मिले

**धुरकी।** झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता सह पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव उर्फ छोटे राजा शनिवार को सुबह धुरकी स्थित सेवानिवृत्त शिक्षक बृजमोहन कोरवा की मौत ब्रेन हैंब्रेज से होने के बाद उनके घर पहुंचे और परिजनों से मिलकर गहरा दुख प्रकट किया। पूर्व विधायक ने दिवंगत के बेटे मंडल कोरवा, हरिवंश कोरवा से बातचीत की। हरिवंश कोरवा ने बताया कि उनके पिता 31 जुलाई को सेवानिवृत्त होने के बाद राशि और पेंशन नहीं मिलने से काफी चिंतित रहते थे। अपने कार्य के सिलसिले मे वह चार महीने से गढ़वा का चक्कर लगाते थे। इस दौरान जेएमएम के मुक्तेश्वर पांडेय, प्रखंड अध्यक्ष धीरेंद्र यादव, शैलेश यादव, उमेश राम, शंकर यादव, संदेश गुप्ता, सगीर अंसारी उपस्थित थे।

## गागर में सागर

### रामचंद्र सिंह को उत्कृष्ट विधायक चुने जाने पर कई लोगों ने दी बधाई

**बरवाडीह/मनिका।** मनिका विधानसभा के विधायक रामचंद्र सिंह को झारखंड स्थापना दिवस के 23वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट विधायक के रूप में 22 नवंबर को सम्मानित किया जाएगा। सिंह का उत्कृष्ट विधायक के रूप में चयन होने पर प्रदेश कांग्रेस कार्य समिति सदस्य रविंद्र राम, सामाजिक कार्यकर्ता अनिल कुमार सिंह, राजद प्रदेश महासचिव अजय चंद्रवंशी, हेसमुल अंसारी, दिलावर अंसारी, यूथ कांग्रेस कोऑर्डिनेटर विजय बहादुर सिंह, 20 सूत्री अध्यक्ष नसीम अंसारी, प्रखंड अध्यक्ष प्रिंस राज गुप्ता, राजद अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष अली हसन अंसारी, पूर्व अध्यक्ष रंजीत कुमार राजू, प्रेम सिंह पिंटू,अवधेश मेहरा, रविंद्र पासवान, संवेदक शिवानंद तिवारी दीपू, अजय कुमार सिंह बिट्टू, संजय चंद्रवंशी, अनिल चंद्रवंशी, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष सुरेश मिश्रा, 20सूत्री सदस्य शशि भूषण तिवारी, सनी चंद्रवंशी, राकेश ठाकुर, मो.सईद अंसारी, सलीम अंसारी, उमेश प्रसाद, प्रकाश कुमार गुप्ता, रंजीत गुप्ता, राजदीप रिकी, हिमांशु गुप्ता, राहुल गुप्ता, दुखन सिंह, कुलेश्वर सिंह, कमलेश प्रजापति, निजाम अंसारी, समशुल अंसारी, संजय यादव, लक्ष्मण सिंह, जिबोध सिंह, कुलदीप सिंह, हुलास कुमार सिंह, शिव पूजन कुमार, मनोज सिंह, पारस यादव, बबलू राम, पंकज यादव, अरुण सिंह आदि ने बधाई दी है। वहीं मनिका में प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि कामेश्वर प्रसाद यादव, इफ्तिखार अहमद, विधायक प्रतिनिधि हरिशंकर यादव, मनिका विधानसभा अध्यक्ष मिथिलेश पासवान, रामनरेश ठाकुर, महुआडांड़ राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि अजित पाल कुजूर, मनिका युवा कांग्रेस अध्यक्ष ओमप्रकाश यादव, वृंदबिहारी यादव, मनिका युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष विशाल पासवान आदि विधायक को बधाई दी है।

### प्रमंडलस्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में लातेहार बालिका टीम रही विजेता

**बरवाडीह।** झारखंड स्थापना दिवस की अवसर पर गढ़वा खेल मैदान में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गढ़वा जिला इकाई द्वारा प्रमंडल स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें जिला कोच सह कबड्डी सचिव अशफाक अहमद मुन्ना के नेतृत्व में लातेहार जिला से चयनित बालक एवं बालिकाओं की कबड्डी टीम ने हिस्सा लिया, जिसमें बालिका कबड्डी टीम ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फाइनल प्रतियोगिता में प्रवेश करते हुए गढ़वा जिला से अपने संघर्षपूर्ण मैच में 0.3 पॉइंट से हराकर लातेहार कबड्डी टीम चैंपियन बनी. जबकि बालक वर्ग की टीम गढ़वा कबड्डी टीम से सेमीफाइनल मुकाबले में हार कर बाहर हो गया.कोच अशफाक अहमद मुन्ना ने बताया कि फाइनल मुकाबले में नेहा कुमारी, राजपति कुमारी, पुनम कुमारी, पुजा कुमारी, अरुणा कुमारी ने अच्छा खेल का प्रदर्शन किया। वहीं जीत दिलाने में अनामिका, शीला, सकुंती, मीनाकुमारी अहम भूमिका निभाई. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में जहां विद्यार्थी परिषद के कई सदस्य शामिल हुए वहीं प्रदेश मंत्री निशांत जी द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीम को पुरस्कार प्रदान किया गया। मौके पर काफी संख्या में खिलाड़ी दर्शक एवं आयोजक सदस्य शामिल थे।

### ग्लैक्सी मेंस पार्लर का हुआ उद्घाटन

**चंदवा।** शहर के मेन रोड में शनिवार को बैंक ऑफ इंडिया के समीप गैलेक्सी मेंस पार्लर का का उद्घाटन दंत चिकित्सक डॉ शम्स राजा वरिष्ठ अधिवक्ता लाल अरविंद नाथ शाहदेव के द्वारा किया गया। मौके पर पार्लर के संचालक रवि कुमार व संदीप कुमार,अजय जयसवाल, अयुब खान, जीशान आलम, दिवाकर कुमार, मो सूफियान, अभिनाश कुमार, मोनू, मो हलीम, दानिश आदि मौजूद थे।

### बनवासी कल्याण केंद्र ने मनाया बिरसा मुंडा जनजाति गौरव दिवस

**सिमरिया (चतरा)।** बनवासी कल्याण केंद्र द्वारा सिमरिया प्रखंड अंतर्गत ग्राम जबड़ा के टोला सिरियाटांड़ में शनिवार को बिरसा मुंडा जनजाति गौरौव दिवस मनाया। कार्यक्रम में बनवासी कल्याण केंद्र द्वारा खोखो खेल का आयोजन किया गया। इसके अलाव बिचितोंगरी के 10 विधवा असहाय महिला, चिरैया टोला के पांच असहाय महिला, नवादा के 10 महिला-पुरुष, सिरियाटांड के 10 महिला-पुरुष व कुसुम टोला के 10 महिला-पुरुष के बिच कंबल वितरित किया गया। खोखो खेल में बिचीटोंगरी के खिलाड़ी 2अंक से बढ़त के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि सिरियाटांड दूतीय स्थान प्राप्त किया। संस्था के द्वारा दोनों टीमों के खिलाड़ियों को पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में केंद्र के जिला संगठन मंत्री सुरेश साव, सिकंदर प्रजापति, सुरेश पाठक, जिला महामंत्री नंददेव महतो, प्रांत संगठन मंत्री रूषु मुंडा का अहम योगदान रहा। मौके पर खोखो रेफरी संतोष उरांव, बिरेंदर उरांव, बर्जबिहारी, बीजेपी कार्यकर्ता सुजीत भारती, जेएमएम नेता मनोज चंद्रा सहित सभी एकल विद्यालय के आचार्य शामिल थे।

# छठ व्रतियों ने किया खरना, संध्याकालीन अर्घ्य आज

**नवीन मेल संवाददाता। चतरा/टंडवा**
चार दिवसीय महापर्व छठ के दूसरे दिन शनिवार को खरना संपन्न हो गया। व्रती स्नान करके संध्या काल में गुड़ और नये चावल से खीर बनाकर तथा घी लगी रोटी का भोग छठी माता को लगाया। खीर व रोटी को प्रसाद के तौर पर लोगों को बीच बांटा गया तथा घर के लोग ग्रहण किया। रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। छठ गीतों से पूजा वातावरण गूंज रहा है। हर घर से इस गीत के बोल सुनाई दे रहे हैं। खरना के बाद संध्याकालीन व प्रातः कालीन अर्घ्य की तैयारी शुरू है। पहले डूबते सूर्य एवं षष्ठी माता को अर्घ्य देने के बाद सूर्यास्त के बाद लोग अपने-अपने घर वापस आ जाते हैं। सप्तमी के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में पुनः संध्या काल की तरह डालों में पकवान, नारियल, केला, मिठाई भरकर घाटों पर लोग जमा होते हैं और व्रर्ती सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। अंकुरित चना हाथ में लेकर षष्ठी व्रत की कथा कही और सुनी जाती है। कथा के बाद प्रसाद वितरण किया जाता है और फिर सभी अपने घर लौट आते हैं। छठ पूजा का सबसे खास प्रसाद है ठेकुआ जो गेहूं के आटे में घी और गुड़ मिलाकर बनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन जो भी षष्ठी माता और सूर्य देव से मांगा जाता है वह मुराद पूरी होती है। अथर्ववेद में भी इस पर्व का वर्णन है। माताएं अपने बच्चों व पूरे परिवार की सुख-समृद्धि, शांति व लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं। इस अवसर पर मुराद पूरी होने पर बहुत से लोग सूर्य देव को दंडवत प्रणाम करते हैं। सूर्य को दंडवत प्रणाम करने का व्रत बहुत ही कठिन होता है। लोग अपने घर में कुल देवी या देवता को प्रणाम कर नदी तट तक दंड करते हुए जाते हैं। यही प्रक्रिया नदी तट तक पहुंचने तक बार-बार दुहरायी जाती है। टंडवा प्रखंड क्षेत्र में सूर्योपासना का महापर्व छठ में व्रतधारियों ने शनिवार को खरना किया। प्रखंड क्षेत्र के टंडवा, मिश्रोल, किसुनपुर, धनगड़ा, तेलियाडीह, खधैया, सेरनदाग, कबरा, कुमडांग, सराढू, गाड़ीलौग, बड़गांव व राहम समेत अन्य जगहों में जलाशयों को विशेष तौर पर सफाई कर विद्युत साज-सज्जा की गई है।

### छठ महापर्व को लेकर भारी व्यावसायिक वाहनों का 20 की सुबह तक परिचालन रहेगा बंद

**सिमरिया(चतरा)।** सिमरिया अनुमंडल पदाधिकारी सुधीर कुमार दास ने सिमरिया अनुमंडल क्षेत्र में छठ महापर्व को देखते हुए भारी एवं व्यावसायिक वाहनों के परिचालन 19 नवंबर के संध्या 7रू00 बजे से 20 नवंबर सुबह 7रू00 बजे तक बंद रखने का निर्देश दिया है। ऐसा स्थानीय बाजार एवं छठ घाट पर काफी भीड़ होने को लेकर की गई है। भारी वाहनों के परिचालन से श्रद्धालुओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसकी सूचना अनुमंडल क्षेत्र के सभी थाना प्रभारी, जिला परिवहन पदाधिकारी चतरा, जिएम मगध, अम्रपाली, अशोका, पिपरवार एवं सभी संबंधित ट्रांसपोर्टरों को दी गई है।

### छठ पूजा समिति ने व्रतियों के घर जाकर किया दूध का वितरण

**कुंदा(चतरा)।** सूर्य उपासना व लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर कुंदा प्रखंड के टिकैतबांध छठ पूजा समिति ने व्रतियों के घर जाकर दूध का वितरण किया। छठ पूजा समिति के लोगों ने बताया की लगभग 50 लीटर दूध का वितरण व्रतियों के बीच किया गया है। वही अर्घ्य के दिन फल केा वितरण करने की बात कही। ज्ञात हो की पूरी शुद्धता के साथ आज खरना के साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास प्रारंभ हो गाया। इस पर्व में ना ही उच्च-नीच और ना गरीबी-अमीरी का फर्क होता है राजा हो या रंक सभी एक विधि से भगवान भास्कर को अर्घ्य देते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार किसी मनोकामना की पूर्ति या असाध्य रोग से मुक्ति के लिए कोसी भरने का संकल्प इस पर्व में लिया जाता है।

### बीडीओ ने विभिन्न छठ घाटों का किया निरीक्षण

**गिद्धौर(चतरा)।** शनिवार को गिद्धौर गिद्धौर प्रखंड के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण प्रखंड विकास पदाधिकारी हरिनाथ महतो ने किया। इस क्रम में बीडीओ ने गिद्धौर छठ घाट, घटेरी छठ घाट, सिंदुआरी आदि छठ घाट पहुंच कर सुरक्षा व्यवस्था के साथ पूजा समिति द्वारा की गई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने आस्था के साथ छठ महापर्व शांतिपूर्ण मनाने की अपील लोगों से की। जबकि गहरी जलाशय वाले छठ घाट पर स्थानीय गोताखोर को तैनात रखने के साथ बरेकेडिंग करने का निर्देश दिया।

### नवयुवक संघ पिपराडीह ने व्रतियों के बीच पूजन सामग्री का किया वितरण

**सिमरिया (चतरा)।** सिमरिया प्रखंड अंतर्गत नवयुवक संघ पिपराडीह के द्वारा छठ वर्तियों के बीच शनिवार को पूजन सामग्री का वितरण किया गया। पूजन सामग्री में सेव दो पेटी, केला दो कांधी, दूध 10 लीटर, संतरा 4 किलो, सुथानी 250 ग्राम, नारियल 10 पीस, गाजर 1 किलो, पानी फल 3 किलो, मूली 2 किलो, मोताबी 2पीस, डम्भा 2पीस, कपूर एक पैकेट, अनानास चार पीस, अगरबत्ती एक पैकेट, गन्ना सात पीस, शरीफा 5 पीस, शकरकंद 2 किलो, अदरक 1 किलो, पंचमेवा 500 ग्राम, धूप दो पैकेट, आरत, माचिस, पान पत्ता, कसेसली, मौली धागा, सिंदूर ढाई, रोड़ी, चना, लोन्ग, इलायची एवं नगद राशि125 रुपए का वितरण प्रत्येक छठ वर्तीय को दिया गया। संघ के अध्यक्ष उपेंद्र प्रसाद सचिव उपेंद्र विश्वकर्मा, कोषाध्यक्ष सुनील प्रसाद, सदस्य ध्रुव प्रसाद में बताया कि नवयुवक संघ के द्वारा पिछले 5 वर्षों से लगातार पूजन सामग्रियों का वितरण किया जा रहा है।

### घाट की कराई सफाई

**गिद्धौर(चतरा)।** गिद्धौर प्रखंड क्षेत्र के गांगपुर व बरटा छठ घाट की सफाई शनिवार को की गई। गांगपुर छठ घाट की सफाई समाजसेवी प्राणेश कुमार गुप्ता व बरटा में उपेन्द्र दांगी के नेतृत्व में जेसीबी मशीन आदि के सहयोग से किया गया। सफाई में अनिल कुमार गुप्ता, राजेन्द्र यादव, राजेन्द्र साव, शंकर दास, प्रेम भुइंयां, शंकर दांगी, आदित्य कुमार, सौरभ तिवारी सहित अन्य शामिल थे।

# छठ महापर्व पर भक्ति गीतों से गूंजा वातावरण

**नवीन मेल संवाददाता। चंदवा**
लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर प्रखंड के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। शहर समेत ग्रामीण क्षेत्रों में छठी मईया के गीतों से पूरा वातावरण गूंज रहा है। बाजार में दुकानों और फुटपाथ पर सूप, दौरा, नारियल, फल और पूजा सामग्री से दुकानों में शनिवार को जमकर बिक्री हुई। वहीं मिट्टी से बने बर्तनों की दुकानें भी भीड़ देखने को मिली। पूजन सामिग्री की खरीदारी में लोग जुट गए हैं। शनिवार को बाजारों में फल, नारियल और पूजा सामानों को खरीदने के लिए लोगों की भीड़ देखी गई। छठ पूजा को लेकर प्रसाशन भी पूरी तरह से अलर्ट दिख रहा है। विभिन्न छठ पूजा समितियों द्वारा छठ घाटों की साफ सफाई कराई गई है। पहुंच पथ पर लाइट की पूरी व्यवस्था की गई है। घाटों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। छठ व्रतियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसका पूरा ख्याल रखा जा रहा है। छठ व्रती रविवार शाम को पहला अर्ध्य देंगे।

### लागत मूल्य पर 2700 लीटर दूध का वितरण

**लातेहार।** शहर के अमवाटीकर मोड़ में श्रीराम टेंट हाउस एवं सहयोगी संस्था आलोक मोहन स्मृति सेवा आश्रम की ओर से छठ व्रतियों के बीच लागत मूल्य पर 2700 लीटर दूध का वितरण किया गया। मौके पर मौके पर निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष सीतामनी तिर्की, संस्था के संस्थापक रामनाथ अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, बंसत भगत, संतोष मिश्रा, महेंद्र प्रसाद शौंडिक, मुरली प्रसाद अग्रवाल, निर्मल महलका, विनोद कुमार अग्रवाल, संजय तिवारी, प्रथमेश राज, वनिशा, दयमंती देवी व रश्मि कुमारी आदि मौजूद थे।

### पहले अर्घ्य के लिए छठ घाट सज-धज कर तैयार

**बरवाडीह।** प्रखंड मुख्यालय एवं आसपास के क्षेत्र में चार दिवसीय आस्था महापर्व छठ के दूसरे दिन खरना संपन्न हुआ। इसके साथ ही भगवान भास्कर को पहले अर्घ्य देने की तैयारी शुरू हो गई है। प्रखंड के सभी छठ घाट सज-धज कर पूरी तरह से तैयार हो गये हैं। शनिवार शाम को खीर का भोग (खीर भोजन ) लगाया गया।

### भाजपा नेताओं ने छठ घाटों का किया निरीक्षण

**बरवाडीह।** भाजपा मंडल अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह अपने समर्थकों के साथ शनिवार को प्रखंड के सभी छठ घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष ने छठ घाट पूजा समिति के सदस्यों को आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया। भाजपा मंडल अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह ने जिप सदस्य संतोषी कुमारी, सांसद प्रतिनिधि कन्हाई प्रसाद आदि के साथ आदर्श नगर, धडधड़ी नदी, चपरी के देवरी नदी आदि छठ घाटों का निरीक्षण किया। मौके पर भाजपा उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, हेमंत कश्यप, भाजपा एसटी मोर्चा के अध्यक्ष मनोज सिंह, राजीव कुमार राजू, तस्लीम खान, मंटू यादव, अवधेश प्रसाद आदि मौजूद थे।

### छठ पूजा समिति ने किया सामिग्रियों का वितरण

**मनिका।** प्रखंड कार्यालय के मुख्य गेट समीप एनएच 39 किनारे शनिवार को आदिदेव छठ पुजा समिति ने छठव्रतियों के बीच दूध, नारियल आदि पूजा सामिग्रियों का वितरण किया। मौके पर जिला सांसद प्रतिनिधि सह पूर्व विधायक प्रतिनिधि लव कुमार दुबे, समिति के अजय कुमार गुप्ता, शैलोक कुमार यादव, नीरज यादव, पंकज कुमार यादव, रजत कुमार, विकाश कुमार निक्की, संतोष कुमार गुप्ता, कृष्णा प्रसाद, पंचरत्न सोनी, सागर सोनी, अंकित राज गोलु, रमेश गुप्ता, अशोक प्रजापति, बिरेंद्र कुजूर, आशिष गुप्ता, विकास गुप्ता, उमाशंकर गुप्ता आदि उपस्थित थे।

### खरना संपन्न, सभी छठ घाट सज-धज कर तैयार

**मनिका।** प्रखंड मुख्यालय एवं आसपास के क्षेत्र में चार दिवसीय आस्था महापर्व छठ के दूसरे दिन खरना महापर्व संपन्न हुआ। वहीं छठ महापर्व के पहले अर्थ की तैयारी जोर से शुरू हो गई है। सूर्य का पहले अर्घ्य की तैयारी को लेकर प्रखंड के सभी छठ घाट सज धज कर पूरी तरह से तैयार हो गये हैं। खीर महाप्रसाद ग्रहण करने के लिए लोग एक दूसरे के घरों में जाकर छठवर्तियों से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए महाप्रसाद ग्रहण किया।

# ट्रक चालक की ओडिशा में वाहन दुर्घटना में हुई मौत

**नवीन मेल संवाददाता। मयूरहंड(चतरा)**
मयूरहंड प्रखंड क्षेत्र के सदाफर निवासी चालक रंजन कुमार पाण्डेय (35) की मौत देवगढ़-ओडिशा में वाहन दुर्घटना में हो गई। जानकारी के मुताबिक रंजन कुमार सिंह पेशे से ट्रक चालक था और ट्रेलर वाहन को अंगुल से लोड करके जमादा जा रहा था। इसी बीच कालापाड़ा के समीप विपरीत दिशा से तेज गति से आ रहे ट्रक ओडी35जी 8294 ने सामने से जोरदार टक्कर मारा। जिसमें रंजन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों के मदद से अविलंब उन्हें देवगढ़ अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक अपने तीन भाइयों में सबसे छोटे तथा परिवार में एक मात्र कमाऊ व्यक्ति थे। इनके दो छोटे बच्चे अनीश और ऋषभ हैं। वहीं ग्रामीणों के अनुसार मृतक के ससुराल बनऊ (चौपारण) में छठ पूजा की तैयारी की गई थी, परंतु मृत्यु की सूचना मिलते हीं त्योहार की खुशी मातम में बदल गई। घर तथा ससुराल दोनों घरों में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। गांव में मातम पसरा है। शनिवार को सदाफर मुक्तिधाम में मृतक का अंतिम संस्कार किया गया।

# मां-बाप की मौत से 3 बच्चे हुए अनाथ, मदद की गुहार

**नवीन मेल संवाददाता। बारियातु**
प्रखंड के बालूभांग पंचायत अंतर्गत हेरानहोपा गांव में माता-पिता की मौत के बाद तीन बच्चे अन्नाथ हो गए हैं। उप मुखिया विनोद कुमार यादव ने बताया कि हेरनहोपा निवासी दलित परिवार नंदकिशोर राम की 28 दिसंबर 2016 में मौत हो गई थी। तब से पत्नी सकुनवा देवी 14 वर्षीय पुत्र नीरज कुमार, पूजा कुमारी (12) व नितेश कुमार (10) की मेहनत मजदूरी कर पालन पोषण कर रही थी। लगभग एक वर्ष से बीमार चल रही और आर्थिक तंगी के कारण बाहर इलाज नहीं करा सकी सकुनवा देवी की 16 नवंबर को मौत हो गई। माता-पिता के गुजर जाने के बाद तीनों किशोरों के लिए अपनी दिवंगत मां का श्राद्ध कर्म करना भी मुश्किल हो गया है। शिक्षा के लिए किसी आश्रयदाता के सहयोग की आवश्यकता है। बच्चों ने शासन-प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

**घटना** रेलवे निर्माण साइट पर पहुंचे आईजी, अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

# रेलवे निर्माण कार्यस्थल पर अंधाधुंध फायरिंग

**नवीन मेल संवाददाता। बालूमाथ**
थाना क्षेत्र के रेलवे ओवरब्रिज के पास स्थित रेलवे निर्माण कार्य में लगे एनसीपीएल कंपनी के कैंप के निकट अज्ञात अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग की है। घटना शुक्रवार लगभग 9:00 बजे रात की बताई जा रही है। घटना की सूचना पाकर बालूमाथ पुलिस सहित हेरहंज एवं चंदवा थाना प्रभारी के अलावे आसपास के पुलिस पीकेट प्रभारी दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे एवं अपराधियों की धर पकड़ के लिए छापामारी अभियान चलाया गया। वाहनों की देर रात तक जांच की गई। बता दें कि कुछ दिन पूर्व ही रेलवे निर्माण कार्य करा रही साई कृपा कंस्ट्रक्शन के बुकरू साइट पर अपराधियों ने दहशत फैलाने के उद्देश्य से गोलीबारी की थी। चार दिन बाद पुनः अपराधियों ने गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया है, जिससे निर्माण कार्य करा रही कंपनी वर्कर दहशत में है। यह घटना रंगदारी से जुड़ी बताई जा रही है। इसके लिए निर्माण कंपनी के संवेदक को निरंतर फोन कर धमकी देने की बात कही जाती है, जिसको लेकर स्थानीय थाना में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई थी। इस घटना के बारे में बालूमाथ थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार महतो ने पूछे जाने पर बताया कि रात्रि में फायरिंग की सूचना पाकर लगभग 40- 50 पुलिस बल घटना स्थल पर पहुंचे। मामले की छानबीन की गई लेकिन घटना स्थल पर एक भी खोखा बरामद नहीं हुआ। आसपास कोई व्यक्ति भी दिखाई नहीं दिया।

वहीं पलामू रेंज के आईजी राजकुमार लकड़ा शनिवार बालूमाथ थाना अंतर्गत स्थित टोरी शिवपुरी थर्ड रेल लाइन निर्माण करा रही साइन कृपा कंस्ट्रक्शन के बुकरू साइट पर पहुंचे और बीते दिनों हुई गोलीबारी की घटना का जायजा लिया। इसके बाद बालूमाथ रेलवे ओवरब्रिज के निकट स्थित एनसीपीएल रेलवे निर्माण कैंप के पास शुक्रवार को हुई गोलीबारी की घटना के बारे में जानकारी ली। इस दौरान आईजी ने बालूमाथ डीएसपी दिल्लू लोहरा, इंस्पेक्टर शशि रंजन, थाना प्रभारी धर्मेंद्र महतो को कई दिशा निर्देश दिए।

# छठ महापर्व को लेकर सत्यहारणी देवी स्थल तक युवाओं ने बनाया पहुंच पथ

**नवीन मेल संवाददाता। बालूमाथ**
प्रखंड मुख्यालय के बुनियादी विद्यालय से कुछ दूरी पर स्थित मां सत्यहारणी देवी स्थल पर स्थानीय युवकों ने छठ महापर्व को लेकर पहुंच पथ बनाया है। सत्यहारणी नगरी के दर्जनों युवकों ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी देवी स्थल तक पहुंच पथ की मरम्मत की। बता दें कि लोगों में इस स्थल को लेकर इतनी आस्था है कि यहां आसपास के ग्रामीण साल भर पूजा करते हैं। लोग यहां मन्नत मांगते हैं और पूरा होने पर पूजा करते हैं। आसपास के क्षेत्र में यह देवी स्थान विख्यात है। छठ पर्व पर व्रती विभिन्न जलाशयों में भगवान भास्कर को दूसरा अर्घ्य देने के बाद इसी देवी स्थान पर पूजा करने आते हैं। इसके बाद ही उनकी पूजा पूर्ण होती है। इस स्थान तक पहुंचने के लिए कोई परमानेंट रास्ता नहीं है। स्थानीय ग्रामीणों की पहल पर पंचायत के मुखिया नरेश लोहरा ने योजना के माध्यम से इस पवित्र स्थान को और भी सुरक्षित किया है। मौके पर पिंटु कुमार, बलराम कुमार, बिहारी कुमार, आनंद कुमार, सूरज कुमार, दीपक कुमार, अमित कुमार, पिंटु पासवान, प्रभु कुमार, रोहित कुमार, अजय, भोला साव, विजय कुमार, सुमन, चंदन एवं अजित युवा समाजसेवी आदि मौजूद रहे।

## गागर में सागर

### मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर डीसी एसपी ने किया स्थल निरीक्षण

**लोहरदगा।** आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री झारखंड सरकार के प्रस्तावित विशेष शिविर में आगमन को लेकर संभावित कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण शनिवार को उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण, पुलिस अधीक्षक हारिश बिन जमा द्वारा किया गया। निरीक्षण में सेन्हा प्रखंड के दतरी मैदान तथा कुडू प्रखंड के चिरी मैदान और कुडू प्रखंड के समीप स्टेडियम का अवलोकन किया गया। विशेष शिविर के कार्यक्रम हेतु आवश्यक एरिया तथा हेलिपैड की संभाव्यता को देखते हुए निर्णय लिया जाएगा। निरीक्षण के अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, सेन्हा और कुडू उपस्थित थे।

### द. छोटा नागपुर प्रमंडलीय आयुक्त ने भंडरा के बूथों का किया निरीक्षण

**भंडरा।** दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार जायसवाल ने शनिवार को प्रखंड के मध्य विद्यालय चट्टी, 10 प्लस टू विद्यालय चट्टी, 10 प्लस टू बिटपी व मध्य विद्यालय भैसमुंदो के बूथों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पोलिग स्टेशनों की रेशनेलाइजेशन के दौरान प्रस्तावित विभिन्न पोलिग बूथों की भौतिक स्थिति का जायजा लिया। आयुक्त ने पोलिग बूथों में पानी, बाथरूम, रैंप, बिजली आदि की चैकिग के दौरान अधिकारियों को जरूरी हिदायतें भी दीं। उन्होंने प्रखंड के समूह रिटर्निंग अफसरों, सुपरवाइजरों और बीएलओ को निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग की तरफ से दी जाने वाली न्युनतम तय सुविधाएं अनिवार्य रूप से सुनिश्चित बनाई जाएं, जिससे वोटरों को किसी किस्म की दिक्कत का सामना ना करना पड़े। दिव्यांग वोटरों के लिए रैंप और व्हीलचेयर आदि बूथों पर उपलब्ध रहे, जिससे ऐसे वोटरों को अपेक्षित सुविधा दी जा सके। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमा, एसडीओ अमित कुमार, डीएसपी परमेश्वर प्रसाद, बीडीओ रंजीत कुमार सिन्हा, सीओ दिनेश प्रसाद गुप्ता, बीईईओ जयनाथ महतो, थाना प्रभारी गौतम कुमार सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

### सेन्हा थाना क्षेत्र में अधेड़ ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

**सेन्हा।** थाना क्षेत्र के झलजमीरा पंचायत अन्तर्गत पीपर टोली में आत्महत्या का मामला प्रकाश में आते ही पुलिस जांच में जुट गई। घटना शुक्रवार रात्रि का है। पीपर टोली निवासी स्वर्गीय बुदु उरांव के 45 वर्षीय पुत्र मंगरा उराँव ने शुक्रवार रात्रि लगभग 9 बजे अपने खपरैल मकान के लकड़ी के सहारे रस्सी का फंदा से झूल कर आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि घर के लोग रात्रि करीब 9 बजे खाना खाने के लिए उठाने गये तो दरवाजा नही खोलने पर परिजनों को संदेह होने लगा तभी काफी मशक्कत के बाद दरवाजा खोल कर देखा तो मंगरा उरांव फांसी के फंदा से लटका हुआ मिला। इसके बाद परिजनों ने सेन्हा थाना प्रभारी अविनाव कुमार को मामले की सूचना दी। शनिवार को सुबह सेन्हा थाना पुलिस ने गांव पहुंच शव को कब्जा में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लोहरदगा भेज अग्रतर कारवाई में पुलिस जुट गई। ग्रामीणों ने बताया की मृतक शराब का आदी था और शाररिक रूप से कमजोर था। आत्महत्या का कारण मानशिक स्थिति खराब होने की बात बताई जा रही है। वहीं थाना प्रभारी अविनाव कुमार ने कहा कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के के लिये भेज दिया गया है। साथ ही जांच पड़ताल आरंभ है। मौके पर सेन्हा थाना पुलिस पदाधिकारी बिरेन्द्र बखला पुलिस जवान के साथ तथा मुखिया बंधन उरांव मृतक के घर पहुंचे हुए थे।

## छठमय हुआ लोहरदगा जिला, व्रतियों के लिए सज-धज कर तैयार हैं छठ तालाब

# व्रतियों ने किया खरना, पहला अर्घ्य आज

**नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा**

अस्ताचलगामी सूर्य को अर्ध्य देने के लिए स्थानीय छठ तालाब व घाटों की साफ सफाई पूरी कर ली गई है। तालाबों में ब्लिचिंग पाउडर, चूना, पोटाश आदि डालकर तालाब का पानी को साफ किया जा चुका है। अब छठ व्रतियों को किसी प्रकार की असहुलियत नहीं होगी। स्थानीय छठ तालाब की साफ सफाई को लेकर नगर परिषद प्रशासन व छठ पूजा समिति के जागरूक युवाओं ने योगदान दिया। तालाबों का जलशोधन करने के लिए कर्मियों को काफी माक्कत करनी पड़ी। स्थानीय बड़ा तालाब, ठकुराईन तालाब, बौली बगीचा तालाब, बौली तालाब समेत षंख व सिठियो कोयल नदी में श्रद्धालु बड़ी संख्या में जाते हैं। छठ घाटों में उचित प्रकाश व्यवस्था के लिए छठ पूजा समिति के युवाओं ने काफी योगदान दिया। श्रद्धालुओ की सुविधा के लिए नदी व तालाबों के किनारे चारों ओर प्रकाश की व्यवस्था की गई है। इधर सेन्हा प्रखंड स्थित सेरेंगहातू तोड़ार स्थित कोयल नदी में छठ पूजा समिति सेरेंगहातू तोड़ार के युवाओं द्वारा छठ व्रतियों की सुविधा के लिए तैयारियां की गई है। छठ व्रतियों की सुविधा के लिए पूजन सामग्री, दूध, फल के अलावे चिकित्सा सुविधा की भी व्यवस्था रहेगी। इधर रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्ध्य देने की तैयारियां जोर शोर से व्रतियों और श्रद्धालुओ द्वारा की जा रही है। खरना के दिन सुबह से खीर भोजन का प्रसाद बनाने के लिए दूध की खोज में श्रद्धालू निकले। शहरी क्षेत्र समेत आसपास के गांवो से दूध की व्यवस्था कर व्रतियों कें यहां पहुंचाया गया। महिलाएं खीर भोजन में उपयोग में आनेवाली चावल और वर्तनों को पवित्रता के साथ साफ सफाई की। बाजार में लाल गेहू, चावल, फल, दोना, पत्तल, मिटटी के वर्तन, कपड़ा, पूजा सामग्री की खरीददारी की गई। शहर के बाजार छठ के सामानों से सजे है। सूप दौरा, फल व कपड़ा दुकान में छठ की खरीददारी की जा रही है। स्थानीय छठ बाजार में सूप दौरा समेत अन्य पूजा के उपयोग में आने वाले सामानों के दाम आसमान छू रहे हैं। सामानों की बढ़ती कीमत के बावजूद छठ की खरीदारी का उत्साह देखते बन रहा है। इधर छठ पर आधारित भक्तिमय गीतों की स्वर लहरियां सभी ओर सुनाई पड़ रही है। इससे वातावरण भक्तिमय बन गया है।

### उगहु सुरूजदेव भईल अरगीया के बेर, दर्शन देहुं न अपार...

**राहुल कौशल। लोहरदगा**

सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा की उमंग लोहरदगा में चारों ओर दिखाई दे रही है। चार दिवसीय पर्व के दूसरे दिन शनिवार को खरना संझवत की रस्म व्रती महिलाओं ने पूरा किया। पूरे दिन भर निर्जला उपवास रखकर छठी मइया का ध्यान किया। व्रती महिलाओं ने संध्या समय में स्नान कर छठी मइया की पूजन विधि विधान से करने के बाद उन्हें रसियाव, खीर, घी लगी रोटी, केला का भोग लगाया। फिर इस भोग को स्वयं ग्रहण किया।

खरना के बाद सुहागिनों की मांग भरकर उन्हें सदा सुहागन रहने का आशीर्वाद भी दिया। फिर परिजनों और आसपास के लोगों के बीच खरना का प्रसाद वितरित किया गया। खरना के बाद से ही 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो गया। छठ पूजा के दौरान पूरे घर की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है। छठ पूजा के तीसरे दिन दिन में छठ का प्रसाद बनाया जाएगा। प्रसाद के रूप में ठेकुआ, जिसे कुछ क्षेत्रों में टिकरी भी कहते हैं, के अलावा चावल के लड्डू, जिसे लड्डुआ भी कहा जाता है, बनाते हैं। इसके अलावा चढ़ावा

**आस्था का महापर्व छठ खरना संझवत के बाद 36 घंटे का निराजल व्रत शुरू**

के रूप में लाया गया सांचा और फल भी छठ प्रसाद के रूप में शामिल होता है। शाम को पूरी तैयारी और व्यवस्था कर बांस की टोकरी में अर्घ्य का सूप सजाया जाता है और व्रति के साथ परिवार तथा पड़ोस के सारे लोग अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने घाट की ओर चल पड़ते हैं। महिलाएं छठी मइयां की गीत गाते हुए सिर पर पूजा की देउरी रख गाजे बाजे के साथ स्थानीय नदी, तालाब व जलाशयो में इकट्ठा होकर सामूहिक रूप से अर्घ्य दान संपन्न करते हैं।

नदी किनारे जा कर नदी से मिट्टी निकाल कर छठ माता का चैरा बनाते हैं वहीं पर पूजा का सारा सामान रख कर नारियल चढ़ाते हैं और दीप जलाते हैं। उसके बाद टखने भर पानी में जा कर खड़े होते हैं और सूर्य देव की पूजा के लिए सूप में सारा सामान लेकर पानी से अर्घ्य देते हैं और पांच बार परिक्रमा करते हैं। सूर्य को जल और दूध का अर्घ्य दिया जाता है तथा छठी मैया की प्रसाद भरे सूप से पूजा की जाती है। इस दौरान कुछ घंटे के लिए मेले का दृश्य बन जाता है। उदयगामी सूर्य को अर्ध्य देने को लेकर ब्रती वहीं पुनः इक्ट्ठा होते हैं जहाँ उन्होंने शाम को अर्घ्य दिया था। पुनः पिछले शाम की प्रक्रिया की पुनरावृत्ति होती है। सूर्य देव की प्रतीक्षा में महिलाएँ हाथ में सामान से भरा सूप लेकर सूर्य देव की आराधना व पूजा नदी में खड़े हो कर करती हैं। जैसे ही सूर्य की पहली किरण दिखाई देती है सब लोगों के चेहरे पर एक खुशी दिखाई देती है और महिलाएं अर्घ्य देना शुरू कर देती हैं। शाम को पानी से अर्ध्य देते हैं लेकिन सुबह दूध से अर्घ्य दिया जाता है। इस समय सभी नदी में नहाते हैं तथा गीत गाते हुए पूजा का सामान ले कर घर आ जाते हैं। अंत में व्रति कच्चे दूध का शरबत पीकर तथा थोड़ा प्रसाद खाकर व्रत पूर्ण करते हैं। घर पहुंच कर देवकरी में पूजा का सामान रख दिया जाता है और महिलाएँ प्रसाद लेकर अपना व्रत खोलती हैं तथा प्रसाद परिवार व सभी परिजनों में बांटते है। छठ को लेकर नदी-घाट तैयार करने की होड़ मची हुई है।

### शिशुओं की रक्षा करती है षष्ठी देवी

**लोहरदगा।** षष्ठी देवी (छठी माता) शक्ति है जो समस्त संसार के छोटे बालकों व शिशुओं की रक्षा करती है। इस महापर्व में पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जाता है। छठ व्रत करने की परंपरा ऋग्वैदिक काल से ही चली आ रही है। परिवार की सुख-समृद्धि तथा कष्टों के निवारण के लिए किये जाने वाले इस व्रत की एक खासियत यह भी है कि इस पर्व को करने के लिए किसी पुरोहित(पंडित) की आवश्यकता नहीं होती है। ऐसी मान्यता है कि भगवान श्री राम ने राज्याभिषेक के बाद सीता जी के साथ यह व्रत किया था। दंपति ने अज्ञातवास के दौरान राजपाट की पुनः प्राप्ति की कामना से संकल्प से यह व्रत किया था। षष्ठी माता एवं सूर्यदेव की कृपा से घर में समस्त वैभव एवं सुख शांति की प्राप्ति होती है। भगवान सूर्य परमात्मा के प्रत्यक्ष स्वरूप हैं। ये आरोग्य के अधिष्ठात्री देवता हैं। वैदिक मान्यताओं के अनुसार नहाय खाय से छठ के पारण सप्तमी तिथि तक उन भक्तों पर षष्ठी माता की कृपा बरसती है जो श्रद्धापूर्वक व्रत उपासना करते हैं। उन्हें किसी भी जन्म में किए गए पापों से मुक्ति मिलती है। खासकर शरीर, मन तथा आत्मा की शुद्धि हो जाती है व सूर्य जैसा तेजस्वी पुत्र प्राप्त करने की कामना की पूर्ति होती है। सर्वप्रथम षष्ठी देवी की पूजा सूर्य ने की थी। पुराणों में उल्लेख है कि राजा प्रियंवद के कोई सन्तान नहीं थी। तब महर्षि कश्यप ने पुत्रोष्टि यज्ञ करवाया। उसके प्रभाव से राजा की पत्नी के एक पुत्र उत्पन्न हुआ परंतु वह मृतावस्था में उत्पन्न हुआ। प्रियवंद पुत्र के वियोग में अत्यंत व्याकुल हुए और प्राण त्यागने को उद्धत हुए उसी समय षष्ठी देवी प्रकट हुई। उन्होंने कहा कि सृष्टि की मूल प्रवृति छठे अंश से उत्पन्न होने के कारण मैं षष्ठी कहलाती हूं, राजन! तुम मेरा पूजन करो, तब राजा ने कार्तिक शुक्ल षष्ठी को पुत्रेच्छा से देवी षष्ठी का व्रत किया और उनकी पूजा की। उसके प्रभाव से उन्हें पुत्र की प्राप्ति हुई।

प्रदीप साहु ने सहयोग किया। उन दिनों हरमू घाट जाने के लिए न तो बेहतर सड़क थी और न ही प्रकाश की व्यवस्था। बावजूद इसके स्थानीय लोगों ने अपने-अपने घर के बाहर दीया जलाकर छठ व्रतियों के लिए प्रकाश की व्यवस्था शुरू की। स्थानीय युवाओं ने छठ घाट की साफ-सफाई और अन्य सुविधा मुहैया कराया। धीरे-धीरे यहां पर लोगों का आना शुरू हुआ। वर्तमान में हजारों की भीड़ कोयल-शंख संगम तट पर भगवान भास्कर को अ?र्घ्य अर्पित करती है। यह स्थान प्रकृति की अनुपम सुंदरता का परिचायक भी है। पत्थरों के बीच से कल-कल कर बहता पानी, शुद्ध वातावरण, पूर्व दिशा की ओर से ग्रामीण परिवेश में सूर्योदय का दृश्य लोगों को बरबस ही मोहित करता है।

### लोहरदगा में बज रहीं गीत लहरियां

इधर छठ पर्व को लेकर मारबउ रे सुगवा धनुष से, सुगा गिर मुरझाए, महिमा बा अगम अपार, उगहु सुरूजदेव भईल अरगीया के बेर, के कईली छठ बरतिया, दर्शन देहुं न अपार, मोरा भईया जाएल, छोटी मोटी हमरी, हे छठ मईया पटना के घाट पर, कोपी-कोपी बोले-ल सुरूजदेव, हाजीपुर के केलवा भईल महंग, केरवा जे फरेला गवद से ओह पर सुगा मंडराय, उ जे खबरी जनइबो अदिक से सुगा देले जुठियाए, उ जे मरबो रे सुगवा धनुक से सुगा गिरे मुरझाय, उ जे सुगनी जे रोवे ले वियोग से आदित होइ ना सहाय आदि गीत से हर घर और गली गूंज रही हैं।

### व्रती सुखद शैय्या का करती हैं त्याग

**लोहरदगा।** छठ उत्सव के केंद्र में छठ व्रत है जो एक कठिन तपस्या की तरह है। यह प्रायः महिलाओं द्वारा किया जाता है किंतु कुछ पुरुष भी यह व्रत रखते हैं। व्रत रखने वाली महिला को परवैतिन भी कहा जाता है। चार दिनों के इस व्रत में व्रती को लगातार उपवास करना होता है। भोजन के साथ ही सुखद शैय्या का भी त्याग किया जाता है। पर्व के लिए बनाए गए कमरे में व्रती फर्श पर एक कंबल या चादर के सहारे ही रात बिताई जाती है। इस उत्सव में शामिल होने वाले लोग नए कपड़े पहनते हैं। पर व्रती ऐसे कपड़े पहनते हैं, जिनमें किसी प्रकार की सिलाई नहीं की होती है। महिलाएं साड़ी और पुरुष धोती पहनकर छठ करते हैं। शुरू करने के बाद छठ पर्व को सालोंसाल तब तक करना होता है, जब तक कि अगली पीढ़ी की किसी विवाहित महिला को इसके लिए तैयार न कर लिया जाए। घर में किसी की मृत्यु हो जाने पर यह पर्व नहीं मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि छठ पर्व पर व्रत करने वाली महिलाओं को पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है। पुत्र की चाहत रखने वाली और पुत्र की कुशलता के लिए सामान्य तौर पर महिलाएं यह व्रत रखती हैं। किंतु पुरुष भी यह व्रत पूरी निष्ठा से रखते हैं। छठ पूजा की परंपरा और उसके महत्व का प्रतिपादन करने वाली अनेक पौराणिक और लोक कथाएँ प्रचलित हैं।

### फल दुकानों में उमड़ी भीड़

**लोहरदगा।** लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर स्थानीय फल दुकान भी सज गए है। फल की दुकानो में लोगों की भीड़ सुबह से ही देखी जा रही है। स्थानीय बड़ा तालाब, महावीर चौक, बरवाटोली, गुदरी बाजार, सोमार बाजार समेत अन्य जगहो की फल की दुकाने व ठेलो पर भीड़ उमड़ना शुरू हो गया है। बाजारो में केला कांधी 450 से 600 रुपये बिक रहे है। वहीं सेव 80 रुपये से 120 रुपये किलो, संतरा 70 रुपये से 100 रुपये किलो, अगूर 120 रुपये से 140 रुपये किलो, अनार 150 रुपये से 200 रुपये किलो, मौसमी 60 रुपये से 80 रुपये किलो, खजूर 100 से 120 रुपये, गन्ना 15 रुपये से 20 रुपये पीस, पानीफल 40 रुपये से 60 रुपये किलो, अनानास 20 से 30 पीस बिक रहे है।

### तीन छठ घाटों पर सबसे अधिक पहुचती हैं व्रती

**लोहरदगा।** छठ महापर्व को लेकर तैयारियां शुरू पूरी हो चुकी हैं। श्रद्धालुओं में उत्साह भी नजर आ रहा है। पूजा आयोजन को लेकर श्रद्धालु अपनी-अपनी ओर से तैयारियों में जुट गए हैं। लोग छठ सामग्रियों का वितरण करते हुए पुण्य में सहभागी बन रहा है। शहर के तीन छठ घाटों में सबसे अधिक छठव्रती पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। शहरी क्षेत्र के बड़ा तालाब, श्री राम मंदिर तालाब और ठकुराइन तालाब की स्थिति पर काफी हद तक पूजा के लिए भीड़ निर्भर करती है। हाल के समय में तालाबों की बदहाली ने श्रद्धालुओं को कोयल और शंख नदी की ओर आकर्षित किया है। लोहरदगा शहरी क्षेत्र के ठकुराइन तालाब में छठ महापर्व के आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में सबसे अधिक उत्साह होता है। आसपास के लोग बड़ी संख्या में यहां पर पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। यहां पर पूजा-अर्चना में आकर्षक ढंग से छठ घाट को सजाया जाता है। प्रकाश की व्यवस्था की जाती है। स्थानीय लोगों की सहभागिता भी होती है। छठ महापर्व का आयोजन यहां पर काफी ज्यादा आकर्षक होता है। वहीं शहर का बड़ा तालाब इस बार काफी मनमोहक नजर आ रहा है। हजारों की संख्या में यहां पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ती है। पूजा-अर्चना के लिए छठ घाट को तैयार किया गया है। यहां का पानी बाकी दो तालाबों के मुकाबले सबसे अधिक स्वच्छ नजर आ रहा है। सड़क किनारे स्थित होने की वजह से छठ घाट में काफी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है।

### बन रहे 5 अद्भुत संयोग प्राप्त होगा कई गुना फल

**लोहरदगा।** कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को डूबते सूर्य देव को अर्घ्य दिया जाता है, जबकि कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को प्रातः काल में उगते सूर्य देव को अर्घ्य दिया जाता है। ज्योतिर्विद रामाधार पाठक की मानें तो छठ पूजा पर दुर्लभ वृद्धि योग समेत कई अद्भुत संयोग बन रहे हैं। इन योग में व्रत करने से कई गुना लाभ प्राप्त होता है। हर वर्ष कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से लेकर सप्तमी तिथि तक छठ पूजा मनाई जाती है। इसकी शुरुआत नहाय खाय से होती है। इसके अगले दिन खरना मनाया जाता है। वहीं, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को डूबते सूर्य देव को अर्घ्य दिया जाता है। जबकि, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को प्रातः काल में उगते सूर्य देव को अर्घ्य दिया जाता है। आचार्य रामाधार पाठक ने बताया कि इस बार छठ पूजा पर दुर्लभ 'वृद्धि' योग समेत कई अद्भुत संयोग बन रहे हैं। इन योग में व्रत करने से कई गुना लाभ प्राप्त होता है। पंचांग के अनुसार, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि 19 नवंबर को प्रातः काल 07 बजकर 23 मिनट तक है। इसके पश्चात, सप्तमी तिथि है। इसके लिए 19 नवंबर को भानु सप्तमी भी है। ज्योतिष के अनुसार छठ पूजा के दिन वृद्धि और ध्रुव योग का निर्माण हो रहा है। वृद्धि योग का निर्माण देर रात 11 बजकर 28 मिनट तक है। इसके बाद ध्रुव योग का शुभ योग बन रहा है। व्रती वृद्धि योग में सूर्य देव को जल का अर्घ्य देंगी। इस योग में सूर्य देव की उपासना करने से सुख और समृद्धि में अपार वृद्धि होगी। छठ पूजा के दिन तैतिल और गर करण का निर्माण हो रहा है।

**श्रद्धांजलि** चाईबासा में हुए आईईडी ब्लास्ट में शहीद हुए थे संतोष उरांव

# सैकड़ों ग्रामीणों ने घाघरा के लाल को नम आंखों से दी विदाई

**नवीन मेल संवाददाता।**
**घाघरा, (गुमला)**

चाईबासा में हुए आईईडी ब्लास्ट में घाघरा थाना क्षेत्र के तुरियाडीह के रहने वाले 32 वर्षीय संतोष उरांव के शहादत की सूचना मिलते ही उनके गांव सहित घाघरा का माहौल गमगीन हो गया। सूचना मिली कि शनिवार सुबह उनके पार्थिक शरीर को उनके गांव तुरियाडीह लाया जा रहा है। सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण अपने लाल को एक नजर देखने के लिए बेताब हो उठे। ध्वनि विस्तारक यंत्रों के साथ सैकड़ों की संख्या में युवा मोटरसाइकिल से घाघरा एवं लोहरदगा के सीमन पर सुबह से ही संतोष के आने का इंतजार करने लगे। इधर घाघरा में शाहिद देवनारायण स्मारक स्थल के समीप ग्राम वासी अपने हाथों में तिरंगा एवं पुष्प लिए उनके आगमन

का इंतजार करने लगे। देश भक्ति गाने लगातार बज रहे थे। इधर ग्रामीणों में गुस्सा एवं गर्व दोनों का भाव था। शव वाहन पहुंचते ही लाउडस्पीकर से शहीद संतोष उरांव अमर रहे के नारे लगाते हुए दर्जनों बाइक से अगुवाई करते लोग घाघरा चांदनी चौक पहुंचे। जहां पहले से मौजूद सैकड़ों लोग शहीद संतोष उरांव अमर रहे जब तक सूरज चांद रहेगा संतोष तेरा नाम रहेगा जैसे नारे लगाने लगे। लोगों ने नम आंखों से उनके पार्थिक शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। बाइक एवं प्रशासन के वाहनों की लंबी कतार के साथ गम्हरिया से उनके घर करीब 17 किलोमीटर दूर शहीद संतोष उरांव अमर रहे के नारे के साथ तुरियाडीह पहुंचे।

जैसे ही शव वाहन के साथ काफिला संतोष के घर पहुंचा पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया। उपस्थित सभी लोगों के आंखों से लगातार आंसू बह रहे थे। संतोष की पत्नी का सबसे बुरा हाल था रोते-रोते वह बेहोश हो जा रही थी। संतोष उरांव अपने पीछे पत्नी और दो छोटे-छोटे बच्चे छोड़ गए हैं। 2 माह पूर्व ही वह 10 दिन की छुट्टी पर घर आए थे। दशहरा में फिर आने की बात उन्होंने कही थी लेकिन छुट्टी नहीं मिलने के कारण वह नहीं आ पाए। गुमला डीसी, एसपी अभियान, एसपी, एसडीपीओ थाना प्रभारी घाघरा सभी लोग शव वाहन के साथ मृतक के गांव पहुंचे। उपायुक्त एवं एसपी ने मृतक के परिजनों को ढाढस बंधाया एवं कहा कि हर दुख सुख में प्रशासन आपके साथ है। उपयुक्त गुमला के द्वारा मृतक के पत्नी को 100000 रुपये का चेक दिया गया। मृतक के छोटे भाई ने उपायुक्त से कहां की बड़े भैया ही घर में कमाने वाले इकलौते व्यक्ति थे। हम अभी बेरोजगार हैं कम से कम हमें चौकीदार की नौकरी दी जाए। ग्रामीणों ने शाहिद के नाम पर घाघरा में एक स्मारक बनवाने की मांग की।

# छठ पूजा में मिट जाती है सामाजिक भेदभाव

**नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा**

महापर्व भगवान भूवन भास्कर के छठ मैया के पूजन हेतु झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि दूसरे मुल्कों में भी चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व को पूरी निष्ठा, श्रद्धा, भक्ति भाव के साथ जात-पात ,अमीरी गरीबी, धर्म संप्रदाय से ऊपर उठकर बच्चे, युवा, वृद्ध स्त्री पुरुष सभी लोग सामूहिकता के साथ मानते हैं। सनातन धर्मावलंबी यों जितनी पवित्रता के साथ पूजन करते हैं, वही मुस्लिम धर्म संप्रदाय व मसीही समाज के लोग भी इसमें जुड़ जाते हैं। तभी तो गुदरी बाजार स्थित संकट मोचन मंदिर परिसर क्षेत्र मे सूप, दौरा, दौरी, पंखा बिक्री करने वाली शमीमा खातून, रोशन आरा, शाहीन, गुड्डू, धनरू, रहमत आदि कहते हैं कि हम लोग वह हमारे दादा परदादा इसी स्थान में पूरी श्रद्धा व पवित्रता के साथ उचित मूल्य में बिक्री करते हैं। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता ओम प्रकाश सिंह, सुधीर अग्रवाल, संजय बर्म्मन कहते हैं कि लोहरदगा को विरासत में साझा संस्कृति मिली है और सारे पर्व त्यौहार लोग मिलजुल कर मनाते हैं और यही लोहरदगा को मजबूत भी बनती है।

## गागर में सागर

### देश का विदेशी मुद्रा भंडार 46.2 करोड़ डॉलर घटकर 590.32 अरब डॉलर पर

**मुंबई।** देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 46.2 करोड़ डॉलर घटकर 590.32 अरब डॉलर रह गया था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का कुल मुद्रा भंडार 4.67 अरब डॉलर बढ़कर 590.78 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। अक्टूबर, 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंचा था लेकिन पिछले साल वैश्विक घटनाक्रम से पैदा हुए दबाव के बीच आरबीआई ने रुपए की विनिमय दर में गिरावट को रोकने के लिए इस पूंजी भंडार का उपयोग किया था जिससे विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आई। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, 10 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 10.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 522 अरब डॉलर से अधिक हो गई। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। स्वर्ण भंडार का मूल्य 60.8 करोड़ डॉलर घटकर 45.51 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 3.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.01 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 30 लाख डॉलर बढ़कर 4.79 अरब डॉलर हो गया।

### मंडी में मुहूर्त के सौदे, चना की नीलामी में आई काफी बढ़ोत्तरी

**उज्जैन।** कृषि उपज मंडी में शनिवार मूहर्त की नीलामी हुई। नीलामी में सबसे ज्यादा नीलामी 16113 रुपए की डालर चने की बैलगाड़ी की हुई। दिवाली के बाद अच्छे मोहर्त की नीलामी के लिए किसान 2 दिन पूर्व ही बैलगाड़ी लेकर मंडी पहुंचने लगे थे। आचार संहिता होने के कारण मंडी के व्यापार में ही इस बार मुहूर्त के सौदे किए। उज्जैन की चिमनगंज कृषि उपज मंडी में दिपावली के बाद मुहूर्त के सौदे शनिवार को किए गए। व्यापारियों ने गणेश मंदिर पर आरती कर मंडी में सोयाबीन गेहूं चना उड़द की खरीदी ऊंचे दामों पर की। सोयाबीन 8551 रुपए प्रति क्विंटल बिका। डालर चना 16113 रुपए गेहूं 3551 रुपए, मक्का 5101 रुपए ज्वार ?4551 रुपए प्रति कुंतल बिका है । उज्जैन की चिमनगंज कृषि उपज मंडी 7 दिन के अवकाश के बाद शनिवार को फिर से शुरू हो गई। दरअसल, यहां दीपावली पर्व का अवकाश शुक्रवार को मतदान होने के कारण मुहूर्त के सौदे शनिवार को किए गए। शनीवार सुबह व्यापारियों ने पूजन अर्चन करने के बाद मंडी की शुरूआत की यहां बड़ी संख्या में किसान अपनी फसल बेचने के लिए आए हुए हैं । मंडी में ऊंचे दामों पर फसल खरीदने के लिए मंडी के व्यापारियों ने लॉटरी सिस्टम से टोकन निकाले । सुबह मुहूर्त के सौदों की शुरूआत हुई। यहां गेहूं चने ज्वार मक्का और सोयाबीन की नीलामी बोली व्यापारियों ने लगाई।

### कच्चा तेल 81 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

**नई दिल्ली।** इजराइल-हमास युद्ध के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का भाव उछलकर 81 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 76 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक शनिवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के अंतिम दिन के कारोबार में ब्रेंट क्रूड 3.19 डॉलर यानी 4.12 फीसदी की उछाल के साथ 80.61 डॉलर प्रति बैरल पर है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 2.99 डॉलर यानी 4.10 फीसदी की बढ़त के साथ 75.89 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

## भारतीय इंजीनियरिंग कंपनी पर कतर में बड़ा एक्शन

# टैक्स डिपार्टमेंट ने लगाई 239 करोड़ की भारी-भरकम पेनल्टी

**एजेंसी। नई दिल्ली**

इंजीनियरिंग एवं कंस्ट्रक्शन सेक्टर की दिग्गज भारतीय कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के ऊपर कतर में बड़ी कार्रवाई हुई है। कतर के टैक्स प्राधिकरणों ने एलएंडटी के ऊपर भारी-भरकम पेनल्टी लगाई है। यह पेनल्टी इनकम टैक्स से जुड़े मामले को लेकर है। लार्सन एंड टुब्रो ने अपने ऊपर हुई कार्रवाई की जानकारी शेयर बाजारों को दी है। कंपनी ने बताया है कि कतर में उसके ऊपर दो पेनल्टी लगी हैं। एक पेनल्टी 111.31 करोड़ रुपये की है, जबकि दूसरी पेनल्टी 127.64 करोड़ रुपये की है। इस तरह दोनों को मिलाकर एलएंडटी के ऊपर कतर में 239 करोड़ रुपये की पेनल्टी लगाई गई है। ये पेनल्टी अप्रैल 2016 से मार्च 2017 और अप्रैल 2017 से मार्च 2018 की अवधि के लिए हैं। कंपनी के द्वारा दी गई जानकारी के

अनुसार, उसके ऊपर यह कार्रवाई इनकम टैक्स से जुड़े मामले को लेकर की गई है। कतर के टैक्स प्राधिकरणों का कहना है कि उन्होंने जो टैक्स एसेसमेंट किया था, कंपनी के द्वारा बताई गई इनकम से मैच नहीं करता है। कंपनी के द्वारा डिक्लेयर की गई इनकम और टैक्स डिपार्टमेंट के आकलन में इसी अंतर की वजह से टैक्स डिपार्टमेंट ने पेनल्टी लगाने का निर्णय लिया है। कतर के टैक्स प्राधिकरणों के इस एक्शन को एलएंडटी ने अतार्किक और मनमाना बताया है। कंपनी ने कहा कि उसने पेनल्टी के खिलाफ अपील दायर की है। कंपनी के असेसमेंट और कतर में लागू कानूनों के हिसाब से कंपनी को इस बात का भरोसा है कि अपील के स्तर पर फैसला उसके पक्ष में आएगा। कंपनी ने इस बात को लेकर साफ-साफ मना किया है कि इस एक्शन से उसकी वित्तीय सेहत या परिचालन पर कोई फर्क पड़ने वाला है। आपको बता दें कि एलएंडटी की गिनती दुनिया की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग व कंस्ट्रक्शन कंपनियों में की जाती है। एलएंडटी अभी भारत व भारत से बाहर दर्जनों प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। सितंबर में समाप्त हुई तिमाही के दौरान एलएंडटी का कंसोलिडटेड रेवेन्यू 51 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा रहा था। कंपनी के रेवेन्यू में सितंबर तिमाही के दौरान साल दर साल आधार पर 19 फीसदी की तेजी आई थी।

## आरबीआई ने हिंदुजा समूह इकाई के अधिग्रहण को दी मंजूरी

**मुंबई ।** भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल के लिए समाधान योजना को मंजूरी दे दी।

इस कदम से अंततः हिंदुजा समूह की इकाई - इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) के लिए कंपनी के अधिग्रहण का रास्ता साफ हो गया है। कंपनी की ओर से कहा गया है कि आपको सूचित किया जाता है कि रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के प्रशासक को भारतीय रिजर्व बैंक से 17 नवंबर, 2023 के पत्र के माध्यम से ₹अनापत्ति₹ प्राप्त हुई है। लंबी लड़ाई के बाद, आईआईएचएल इस अप्रैल में संपन्न नीलामी के दूसरे दौर में रिलायंस कैपिटल का अधिग्रहण करने के लिए 9,650 करोड़ रुपये की पेशकश के साथ सबसे अधिक बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी थी। आरबीआई ने 29 नवंबर, 2021 को भुगतान चूक और गंभीर शासन संबंधी मुद्दों को देखते हुए रिलायंस कैपिटल के बोर्ड को भंग कर दिया। आरबीआई ने कंपनी के कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के

संबंध में नागेश्वर राव वाई को प्रशासक नियुक्त किया। रिलायंस कैपिटल तीसरी बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है,जिसके खिलाफ आरबीआई ने दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) के तहत दिवालियापन की कार्यवाही शुरू की थी। अन्य दो श्रेई ग्रुप एनबीएफसी और दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन (डीएचएफएल) थे। बाद में केंद्रीय बैंक ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की मुंबई पीठ में कंपनी के खिलाफ सीआईआरपी शुरू करने के लिए एक आवेदन दायर किया।

### गेहूं की बोआई 5% घटकर 86 लाख हेक्टेयर पर

**नई दिल्ली।** चालू रबी मौसम (सर्दियों की बोआई) में अबतक गेहूं की बोआई का रकबा पांच प्रतिशत घटकर 86.02 लाख हेक्टेयर रह गया है। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। पिछले साल की समान अवधि में गेहूं का रकबा 91.02 लाख हेक्टेयर था। मंत्रालय ने कहा, ह्यह्यपिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 91.02 लाख हेक्टेयर की तुलना में इस बार लगभग 86.02 लाख हेक्टेयर रकबे में बोआई हुई है। इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में 5.01 लाख हेक्टेयर कम रकबे में बोआई की गई है। अब तक उत्तर प्रदेश (3.87 लाख हेक्टेयर), पंजाब (2.28 लाख हेक्टेयर), हरियाणा (2.14 लाख हेक्टेयर) और गुजरात (0.71 लाख हेक्टेयर) में गेहूं बोआई का रकबा कम है। गेहूं का अधिक बोआई रकबा मुख्य रूप से मध्य प्रदेश (3.44 लाख हेक्टेयर) और राजस्थान (0.68 लाख हेक्टेयर) में बताया गया है।

## विदेश

# दक्षिणी गाजा पर इजरायली बमबारी में 26 फिलिस्तीनियों की हुई मौत

**एजेंसी। गाजा**

शनिवार को दक्षिण गाजा में खान यूनिस शहर पर इजरायली बमबारी के कारण कम से कम 26 फिलिस्तीनी मारे गए, जिनमें ज्यादातर बच्चे हैं। फिलिस्तीन की सरकारी समाचार एजेंसी वाफा के अनुसार, इजरायली विमानों ने खान यूनिस के अपार्टमेंटों पर कई हमले किए। मरने वालों के अलावा कई अन्य लोग घायल भी हुये हैं। समाचार एजेंसी ने बताया कि इजरायली सेना ने इस घटनाक्रम पर कोई टिप्पणी नहीं की है। ताजा हत्याएं तब हुई हैं जब इजरायल ने खान यूनिस के निवासियों को स्थानांतरित होने के लिए एक नई चेतावनी जारी की है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सलाहकार मार्क रेगेव ने शुक्रवार की रात अमेरिकी मीडिया से कहाः ₹मुझे पता है कि यह उनके लिए आसान नहीं है। लेकिन हम नागरिकों को गोलीबारी में फंसते नहीं देखना चाहते। इजरायल डिफेंस फोर्सेज

(आईडीएफ) ने एक बयान में यह भी घोषणा की कि क्षेत्र में हमास के कई शीर्ष नेताओं के छिपे होने की खुफिया रिपोर्ट मिलने के बाद वह दक्षिण गाजा में अपना अभियान शुरू करेगा। गाजा पट्टी को उत्तर और दक्षिण गाजा में विभाजित करने और आईडीएफ द्वारा पूर्व का नियंत्रण लेने के साथ, ऐसी खुफिया रिपोर्टें थीं कि हमास के कई शीर्ष नेता दक्षिण में चले गए हैं और इसलिए इस कदम की घोषणा की गई है। आईडीएफ ने स्वीकार किया है कि उत्तरी गाजा से लगभग आठ लाख लोग दक्षिणी गाजा में पलायन कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र राहत कल्याण एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) पहले ही कह चुकी है कि दक्षिण गाजा में उसके केंद्र लोगों से भर गए थे और इस विशाल जबरन प्रवास के बाद कई कठिनाइयां थीं। आईडीएफ ने शुक्रवार देर रात अपने बयान में कहा कि बल व्यवस्थित तरीके से काम कर रहा है और हमास आतंकी संगठन को जल्द ही खत्म कर दिया जाएगा।

## चीन-अमेरिका संबंधों के लिए एक नया शुरूआती बिंदु बना 'सैन फ्रांसिस्को विजन'

# चीन हमेशा अमेरिका से बेहतर संबंध चाहता है : शी चिनफिंग

**एजेंसी। बीजिंग**

बीजिंग। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 15 नवंबर की सुबह अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात की। पिछले साल 14 नवंबर को इंडोनेशिया के बाली द्वीप में चीन और अमेरिका के राष्ट्रपतियों की मुलाकात के बाद यह एक और महत्वपूर्ण बैठक थी। चीन और अमेरिका के राष्ट्रपतियों के बीच इस बैठक का महत्व न केवल 'बाली लौटना और असामान्य स्थिति को हल करना है। यह एक रणनीतिक, ऐतिहासिक और अग्रणी कदम भी है कि चीन-अमेरिका संबंधों को वापस पटरी पर लाएं। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 'पांच समानताएं' प्रस्तावित की, जिसने चीन और अमेरिका के स्थिर विकास के लिए पांच स्तंभ रखे और द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य के लिए 'सैन फ्रांसिस्को विजन' खोला। सही समझ स्थापित

करना चीन-अमेरिका संबंधों का शुरूआती बिंदु है। केवल रिश्तों की स्थिति को स्पष्ट करने और एक-दूसरे की प्रेरणाओं और इरादों को सही ढंग से समझने से ही बातचीत और सहयोग प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा कि चीन हमेशा स्थिर, स्वस्थ और टिकाऊ चीन-अमेरिका संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। साथ ही चीन के ऐसे हित हैं, जिनकी रक्षा की जानी चाहिए, ऐसे सिद्धांत हैं जिनकी रक्षा की जानी चाहिए, और ऐसी मूल बातें हैं जिनका पालन किया जाना चाहिए। चीन को उम्मीद है कि चीन और अमेरिका भागीदार बन सकते हैं, एक-दूसरे का सम्मान कर सकते हैं और शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व में रह सकते हैं।

चीन और अमेरिका के राष्ट्राध्यक्षों की यह बैठक समग्र स्थिति के आधार पर चीन-अमेरिका संबंधों और विश्व स्थिति को स्थिर बनाने के लिए चीन द्वारा की गई एक प्रमुख रणनीतिक विकल्प है। जाने-माने अमेरिकी अर्थशास्त्री जेफरी सैक्स ने कहा, मैं अमेरिका-चीन संबंधों को संभालने में आपसी सम्मान, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और साझी जीत वाले सहयोग के तीन सिद्धांतों से दृढ़ता से सहमत हूं। मुझे उम्मीद है कि अमेरिका और चीन उभय

**जेफरी सैक्स ने कहा, मुझे उम्मीद है कि अमेरिका और चीन उभय प्रयास कर भू-राजनीतिक तनाव को दूर कर सकें।**

प्रयास कर भू-राजनीतिक तनाव को दूर कर सकें, विश्व शांति की रक्षा कर सकें, गरीबी उन्मूलन और सतत विकास के लिए योगदान प्रदान कर सकें। सच्चाई यह है कि चीन और अमेरिका के बीच अभी भी कुछ रणनीतिक मुद्दों पर मतभेद हैं। हालांकि, जैसा कि राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने बैठक के दौरान जोर दिया, चीन और अमेरिका को मतभेदों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए और मतभेदों को दोनों देशों के बीच खाई नहीं बनने देना चाहिए।

## अक्टूबर में भारत का ऑयलमील निर्यात 36% बढ़कर 2.9 लाख टन पर

**एजेंसी। नई दिल्ली**

सोयाबीन डी-आयल्ड केक (डीओसी) और रैपसीड डीओसी की अधिक खेप के कारण पिछले महीने ऑयलमील निर्यात 36 प्रतिशत बढ़कर लगभग 2.9 लाख टन हो गया। तेल उद्योग के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के आंकड़ों से पता चलता है कि अक्टूबर में ऑयलमील (डीओसी) का निर्यात 2,89,931 टन रहा, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 2,13,153 टन रहा था। सोयाबीन डीओसी का निर्यात पिछले महीने बढ़कर 87,060 टन हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 40,196 टन था, जबकि समीक्षाधीन अवधि के दौरान रैपसीड डीओसी का निर्यात पहले के 98,571 टन से बढ़कर 1,69,422 टन हो गया। एसईए के कार्यकारी निदेशक बी वी मेहता ने कहा, ह्यह्यभारतीय सोयाबीन डीओसी का प्रमुख उपभोक्ता दक्षिण-पूर्व एशिया हैं, जहां भारत के पास लॉजिस्टिक लाभ है और वह छोटी मात्रा में आपूर्ति भी कर सकता है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारतीय सोयाबीन डीओसी के गैर-जीएमओ होने के कारण एक फायदा है और कुछ यूरोपीय देशों और अमेरिका द्वारा इसे पसंद किया जाता है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्टूबर अवधि के दौरान, ऑयलमील का कुल निर्यात 30 प्रतिशत बढ़कर 25,66,051 टन हो गया, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 19,75,496 टन का रहा था।


### पुलिस अधीक्षक का कार्यालय गढ़वा

आवश्यक सूचना।

मृतक अज्ञात शव

गढ़वा थाना यू0डी0 कांड सं0–33/2023, दिनांक–12.11.2023 गढ़वा थाना अंतर्गत ग्राम चिरौंजिया स्थित एक कुआं में दिनांक–12.11.2023 को एक अज्ञात शव पाया गया था, उक्त अज्ञात शव की पहचान कराना अत्यंत आवश्यक है। परंतु अब तक अज्ञात शव का पहचान नहीं हो सकी है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उपरोक्त मृत अज्ञात शव के बारे में किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की सूचना प्राप्त हो तो उपाधीक्षक (मुख्यालय) गढ़वा के मोबाईल नं0–9431706284 या पुलिस अधीक्षक गढ़वा के मोबाईल नं0–9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

हुलियाः– रंग– गोरा।
लम्बाई–05 फीट 05 इंच।
पहनावा–सफेद रंग का गंजी एवं काला रंग का हाफ पैंट।

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक,
गढ़वा।

PR.NO.311646 Police(23-24):D

### कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, राँची

ई–प्रोक्योरमेंट सूचना

टेन्डर रेफरेंस नं0–प0नि0वि0/राँची–30/2023–24 दिनांक :– 17.11.2023

| | | |
|---|---|---|
| 1. | कार्य का नाम | बुढमू–उमेडंडा–हेन्दगीर पथ (कुल लंबाई–20.38 कि0मी0) के राईडिंग क्वालिटी में सुधार (Improvement of Riding Quality) (सूट ड्रैन, रिटेनिंग वॉल, दो अदद फुल गैन्ट्री सहित) कार्य वर्ष 2023–24. |
| 2. | प्राक्कलित राशि (रू0 लाख में) | रू0 756.27100 लाख (सात करोड़ छप्पन लाख सताईस हजार एवं एक सौ रूपये) मात्र। |
| 3. | अग्रधन की राशि (रू0 लाख में) | रू0 7.57 लाख (रूपये सात लाख संतावन हजार) मात्र। |
| 4. | कार्य पूर्ण करने की अवधि | 06 (छः) माह |
| 5. | वेबसाईड पर निविदा प्रकाशन की तिथि | 30.11.2023 10.30 बजे पूर्वाहन |
| 6. | निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि/ समय | 13.12.2023 12.00 बजे दोपहर तक |
| 7. | निविदा खोलने तिथि/ समय | 15.12.2023 12.30 बजे |
| 8. | निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता | कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल राँची, मोहराबादी, राँची–834008. |
| 9. | प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या | 0651–2361018 |
| 10 | ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या | 0651–2401010 |

- प्राक्कलित राशि एवं अग्रधन की राशि घट–बढ़ सकती है, जिसे Tender Online Upload में देखा जा सकता है, एवं अन्य किसी भी प्रकार का बदलाव http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
- पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड सरकार में निबंधित संवेदकों के लिए UCAN निबंधन आवश्यक है।
- नियम एवं शर्ते के लिए वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखें।

कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमंडल,राँची।

PR.NO.311611 Road Construction Dept Road Division Ranchi(23-24):D

### झारखण्ड सरकार, कृषि, पशुपालन, एवं सहकारिता विभाग

(कृषि प्रभाग) कार्यालय- जिला कृषि पदाधिकारी, गढ़वा
पता- संयुक्त कृषि भवन, पिपराकलां गढ़वा 822114

(निविदा सूचना)

निविदा सूचना संख्या –01/ 2023–24

वित्तीय वर्ष 2023–24 में सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग झारखण्ड, रॉची के राज्यादेश सं0 – 02 दिनांक 27.07.2023 के अनुपालन में राज्य योजनान्तर्गत कृषि प्रयोगशाला स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण योजना के कार्यान्वयन हेतु निम्न लिखित रसायनों एवं उपस्करों की आपूर्ति हेतु मोहरबंद सील लिफाफे में निविदाएँ आमंत्रित की जाती है इस हेतु आवेदन पत्र 8 दिनों के लिए दिनांक 21 नवम्बर 2023 से 28 नवम्बर 2023 तक अपराह्न 5:00 बजे तक कार्यालय में जमा किये जा सकते है। सामग्री के बारे में पूर्ण विवरण निम्नवत् है:–

| Sl.No. | Particulars | Description | Nos. |
|---|---|---|---|
| 1 | Digital Soil Testing Kit (Harvesto) | 14 PARAMETER | 1 |
| 2 | Extra Reagent Kit (100 Sample) (Harvesto) | 14 PARAMETER | 20 |
| 3 | Lab Assistance wear (cloths) | | 3 set |
| 4 | Goggles | | 4 |
| 5 | Gloves | | 60 |
| 6 | Measuring Cylinder<br>100 ml<br>250 ml<br>500 ml | | <br>2<br>2<br>1 |
| 7 | Test tube with stand 25 ml | | 50 |
| 8 | Glass beaker<br>50 ml<br>100 ml | | <br>50<br>50 |
| 9 | Tissue paper Roll | | 10 |
| 10 | Hand Wash | | 20 |
| 11 | Mask | | 20 |
| 12 | Pencil | | 20 packet |
| 13 | Pen | | 2 packet |
| 14 | Air purifier | | 1 |

निविदा समर्पित करने की शर्ते

- GST निबंधन प्रमाण पत्र एवं GST जमा करने से संबंधित अद्यतन जमा रसीद निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
- सशर्त्त निविदाएँ मान्य नहीं होगी।
- Udyam Registration Certificate अद्यतन होना अनिवार्य है।
- विलंब से प्राप्त निविदाएँ मान्य नहीं होगी।
- निविदाता के द्वारा पैन कार्ड के साथ विगत तीन वर्षो का आयकर रिर्टन पत्र निविदा के साथ संलग्न करना होगा।
- निर्माणकर्त्ता /प्रतिष्ठानों /प्राधिकृत एजेन्सी राष्ट्रीय/ राजकीय अधिकृत आपूर्तिकर्त्ता का नाम देगें। साथ ही संबंधित प्रतिष्ठान निविदादाता कम्पनी का अद्यतन प्रधिकार पत्र निविदा के साथ संलग्न करेगें।
- निर्माता कंपनी /प्राधिकृत विकेता एवं एजेन्सी को इस आशय का स्व0 अभिप्रमाणित शपथ पत्र देना होगा कि उसकी कम्पनी/संस्थान केन्द्र सरकार, राज्य सरकार या किसी अनुशांगिक इकाई द्वारा काली सूची में नहीं है। जॉच उपरांत गलत पाये जाने पर निविदादाता वैद्यानिक कार्रवाई के भागी होगें।
- निविदा से संबंधित अग्रधन की राशि मों0 10000/- (दस हजार) रूपये मूल बैंक ड्राफ्ट अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, गढ़वा के नाम से संलग्न करना होगा। निविदा प्रकिया उपरांत चयनित फर्म को छोड़कर अन्य सभी फर्म की अग्रधन राशि वापस कर दी जायेगी।
- निविदादाता या उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि को निविदा खुलने की तिथि के समय उपस्थित रहना अनिवार्य होगा।
- रसायन एवं उपस्करों की आपूर्ति मूल्य सभी करों सहित प्रति इकाई (01 Unit) सूची कमांक के अनुरूप उनके नाम के सामने वाले स्तंभ में कम्प्यूटरीकृत रूप से अंकित करेगें। निविदा में दिये गये मूल्य किसी भी परिस्थिति में बाजार मूल्य से अधिक नहीं होनी चाहिए। भविष्य में जॉचोपरांत मूल्य में भिन्नता पाये जाने पर निविदादाता स्वंय व्यक्तिगत रूप से जिम्मेवार होगें और वे सभी प्रकार के वैधानिक कार्रवाई के भागी होगें।
- निविदा का तकनीकी एवं मूल्य भाग अलग–अलग मुहरबंद लिफाफे में समर्पित करना होगा। तकनीकी भाग में निविदत्त रसायन एवं उपस्कर का नाम (कमांक के अनुसार) पैंकिग/फीचर एवं साईज के साथ अंकित करना होगा, साथ ही निविदादाता जिन रसायन एवं उपस्करों को मूल्य भाग में शामिल रखेंगें उन्हे तकनीकी भाग में मूल्य रहित (Without Price) करते हुए सूचीवद्ध करेगें ताकि उनके द्वारा निविदत रसायन एवं उपस्कर की जानकारी हो सकें। सफल निविदादाताओं का मूल्य भाग पर विचार किया जायेगां।

अन्य शर्ते

- बिना कारण बतायें निविदा आंशिक या पूर्ण रद्द करने का सर्वाधिकार अद्योहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा एवं विशेष परिस्थिति मे निविदा के शर्तो में संशोधन एवं शिथिल करने हेतु जिला क्रय समिति (कृषि विभाग) गढ़वा को सुरक्षित/ अधिकृत होगा।
- इस निविदा के आधार पर निर्धारित दर वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए मान्य होगा। विशेष परिस्थिति यथा ससमय आपूर्ति नहीं करनें एवं गुणवत्ता निम्न पाये जाने की स्थिति में निविदा रद्द करते हुए भुगतान प्रकिया लंबित रखी जायेगीं।
- किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र गढ़वा होगा।

जिला कृषि पदाधिकारी
गढ़वा

PR 311633 Agriculture (23-24)_D

**एक नजर इधर भी**

## अमेरिका-चीन की वैश्विक मुद्दों पर द्विपक्षीय वार्ता

***वैश्विकस्तर*** पर आज दुनियां में ताकतवर देश के बीच तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है जो तीसरे विश्व युद्ध का रास्ता तैयार कर रहा है, क्योंकि वैश्विक परिस्थितियों में स्थिति ऐसी बन रही है कि गुटबाजियों को बल मिल रहा है और विकसित ताकतवर देश अपना वर्चस्व स्थापित करने सामने या फिर पर्दे के पीछे अपना डंका का जरूर बजाने की कोशिश करते हैं, जो उकसाने की कार्यवाही के रूप में परिभाषित हो जाती है, यही से लड़ाई का पहिया पड़ जाता है जो विश्वयुद्ध की लड़ाई में तब्दील हो जाता है। पृथ्वी पर दो महा विश्वयुद्ध हो चुके हैं और अब रूस यूक्रेन इसराइल हमास युद्ध अमेरिका - रूस - चीन की लुका छिपी, भारत पाकिस्तान चीन की जद्दोजहद अनेक देशों की सेना द्वारा सत्ता पलट कर काबिज सहित अनेक उदाहरण हम देख सकते हैं जिससे विश्व शांति कोठेस पहुंचती है, इसे समाप्त करने के लिए ताकतवर देश पड़ोसी देशों सहित आपसी मतभेदों वाले देशों को आपस में मिल बैठ मतभेदों के मुद्दों पर चर्चा करके वैश्विकस्तर पर शांति स्थापित करना वर्तमान समय की मांग है, जिसकी शुरूआत हो गई है क्योंकि दिनांक 11 - 17 नवंबर 2023 को अमेरिका के सेंट फ्रांसिस्को में हुए एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन में धुर विरोधी अमेरिका चीन ने वैश्विक मुद्दों पर विपक्षीय वार्ता कर दुनियां को चौंका दिया है और संदेश भी दिया है कि आपसी वार्ता कितनी महत्वपूर्ण है, चूंकि एपीईसी में यह शुरूआत हो चुकी है जिससे मौजूदा तनावपूर्ण माहौल पर पानी के छीटें मारने का काम किया है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, वैश्विक तनाव कम कर शांति स्थापित करने बड़े देशों की द्विपक्षीय सकारात्मक वार्ता होना वर्तमान समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम 15 नवंबर 2023 को एपीईसी के 30 वें शिखर सम्मेलन में अमेरिका और चीन के समकक्ष राष्ट्रपतियों द्वारा द्विपक्षीय वार्ता की करें तो अमेरिकी राष्ट्रपति और चीनी राष्ट्रपति की बुधवार को हुई मुलाकात कई वजहों से अहम रही। अव्वल तो इसने दुनिया के मौजूदा तनावपूर्ण माहौल पर पानी के छींटे मारने का काम किया है। दूसरी बात यह कि दुनिया के दो सबसे ताकतवर देशों के प्रमुखों की इस मुलाकात के दौरान कूटनीतिक संतुलन साधने की कुशलता अपने बेहतरीन रूप में नजर आई। दोनों नेता ऐसे समय में मिल रहे थे, जब दुनिया रूस-यूक्रेन और इस्राइल-हमास युद्ध की दोहरी चुनौतियों से जूझ रही है और दोनों ही मामलों में चीन और अमेरिका की सहानुभूति परस्पर विरोधी खेमों के साथ जुड़ी है। जहां अमेरिका खुलकर यूक्रेन का साथ दे रहा है, वहीं चीन रूस का साथ छोड़ने को तैयार नहीं है। दूसरी ओर, अमेरिका इस्राइल के आत्मरक्षा के अधिकार का मुखर प्रवक्ता बना हुआ है तो चीन गाजा में नागरिक आबादी पर हमले की निंदा करने में आगे है। इन तात्कालिक मुद्दों के अलावा भी पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच आर्थिक मुद्दों पर दूरी इतनी बढ़ गई कि उसे दुनिया की दो सबसे बड़ी इकॉनमी के बीच ट्रेड वॉर कहा गया। साउथ चाइना सी और ताइवान जैसे मसलों पर चीनी आक्रामकता और उस पर रोक लगाने की कोशिशें तो अपनी जगह थीं ही। इन सबके कारण दोनों पक्ष आपसी दूरी को कम करना जरूरी समझ रहे थे। जैसा कि मुलाकात के बाद जारी बयान में संकेत दिया गया कि ताइवान, टेक्नॉलजी, साउथ चाइना सी या रूस को चीनी सहायता जैसे मसलों पर तनाव को बढ़ने देने से उसके संघर्ष का रूप लेने का खतरा है। इसी खतरे को टालने की दिशा में एक ठोस प्रगति यह हुई कि बैठक में सर्वोच्च स्तर पर बातचीत का चैनल हमेशा खुला रखने का फैसला किया गया। तय हुआ कि जब भी जरूरत होगी दोनों राष्ट्रपति फोन पर एक-दूसरे से बात कर लिया करेंगे। ऐसे संकेत मिले कि खास तौर पर आर्थिक मसले पर दोनों देशों के बीच पिछले कुछ वर्षों में उभरे मतभेद आने वाले समय में कुछ कम होते दिखेंगे।

■ किशन भावनानी गोंदिया

# दुनिया स्तंभित हो रही है भारत की आर्थिक तरक्की से

***भारतीय*** अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गई है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्रीय वार्ता को संबोधित करते हुए सतत विकास के प्रति देश की प्रतिबद्धता पर बल दिया। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को रेखांकित करते हुए उन्होंने भविष्यवाणी की कि 2027 तक भारत जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगा। भारत के आर्थिक विकास में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वॉकल फोर लॉकल का आह्वान आर्थिक विकास आधार बन रहा है। स्व-भाव एवं स्वदेशी के मंत्र ने आर्थिक विकास को पंख लगाये हैं जिससे अर्थ की गाड़ी तेज रफ्तार से दौड़ने लगी है। भारत की आर्थिक तरक्की दुनिया को स्तंभित करने लगी है, क्योंकि भारत का घरेलू बाजार ही इतना विशाल है कि भारत को विदेशी व्यापार पर बहुत अधिक निर्भरता नहीं करनी पड़ रही है। भारत के बाजार से कई देशों का आर्थिक विकास होता रहा है, अब स्वदेश जागरण से देश का अर्थ देश में ही रहने लगा है। चीन की अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से दौड़ी थी और चीन के आर्थिक विकास में विदेशी व्यापार का सर्वाधिक योगदान था परंतु आज भारत की आर्थिक प्रगति में घरेलू कारकों एवं मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों का प्रमुख योगदान है। वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, भारत की आर्थिक वृद्धि केवल 7 प्रतिशत से कम होने का अनुमान है, जो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है। सकल घरेलू उत्पाद 5 ट्रिलियन अमरीकी डालर को पार कर जायेगा। भारत की 'नीली अर्थव्यवस्था' का सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 4 प्रतिशत का योगदान है, जो अवसरों के सागर का प्रतिनिधित्व करता है। तट के किनारे नौ राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों, 12 प्रमुख और 200 से अधिक गैर-प्रमुख बंदरगाहों और नौगम्य जलमार्गों के व्यापक नेटवर्क के साथ, भारत महासागर आधारित व्यापार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में खड़ा है। भारत के आर्थिक विकास में प्रधानमंत्री की नित-नयी आर्थिक योजनाओं, अपनी जड़ों एवं माटी से जुड़ने, स्वदेशी अपनाने की प्रेरणा एवं विदेश यात्राओं का भी योगदान है। भारत-मध्य पूर्व-यूरोप कनेक्टिविटी कॉरिडोर (आईएमईसी) सबसे आशाजनक कनेक्टिविटी परियोजनाओं में से एक है। 18वें जी-20 शिखर सम्मेलन में हस्ताक्षरित, आईएमईसी एक मल्टीमॉडल आर्थिक गलियारा है जिसमें शिपिंग, रेलवे, रोडवेज, बिजली केबल, हाई-स्पीड डेटा केबल और एक हाइड्रोजन पाइपलाइन शामिल है। गलियारे का उद्देश्य परिवहन दक्षता को बढ़ाना, रसद लागत को कम करना, आर्थिक एकता को बढ़ावा देना, रोजगार उत्पन्न करना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करके एक स्वच्छ, सुरक्षित दुनिया में योगदान देना है। भारत चीन से भी आगे निकलकर विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन चुका है, बड़ी आबादी को

**वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को रेखांकित करते हुए उन्होंने भविष्यवाणी की कि 2027 तक भारत जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगा। भारत के आर्थिक विकास में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वॉकल फोर लॉकल का आह्वान आर्थिक विकास आधार बन रहा है। स्व-भाव एवं स्वदेशी के मंत्र ने आर्थिक विकास को पंख लगाये हैं जिससे अर्थ की गाड़ी तेज रफ्तार से दौड़ने लगी है।**

आर्थिक विकास का माध्यम बनाने में सरकार की सूझबूझ एवं योजनाएं कारगर साबित हो रही है। बड़ी आबादी के अनेक तरह के नुकसान हैं तो इसी से भारत में उत्पादों का उपभोग तेजी से बढ़ रहा है। इस तरह भारत न केवल उत्पादों के उपभोग का प्रमुख केंद्र बन बन रहा है बल्कि विश्व के लिए एक विनिर्माण केंद्र के रूप में भी उभर रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत पूर्व में ही वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े केंद्र के रूप में विकसित हो चुका है। भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार वर्तमान स्तर 3.50 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2031 तक 7.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच जायेगा और इस प्रकार भारतीय अर्थव्यवस्था अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगी। आगे आने वाले 10 वर्षों के दौरान आर्थिक क्षेत्र में भारत पूरी दुनिया का नेतृत्व करने जा रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था के वैश्विक स्तर पर सुपर पावर बनने के पीछे भारत के विशाल आंतरिक बाजार, स्व-भाव एवं स्वदेशी का दर्शन को मुख्य कारण है। आम जनता में स्व का भाव जगा कर, उनमें राष्ट्र प्रेम एवं स्व-संस्कृति की भावना विकसित करना भी आवश्यक है। इससे आर्थिक गतिविधियों को देशहित में करने की इच्छा शक्ति नागरिकों में जागृत होती है और देश के आर्थिक विकास में प्रबल तेजी दृष्टिगोचर होती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी वर्ष 1925 में, अपनी स्थापना के बाद से, भारतीय नागरिकों में स्व का भाव जगाने का लगातार प्रयास कर रहा है। निश्चित ही भारत की आर्थिक प्रगति एक सुखद संकेत है, शीघ्र ही भारत विकासशील देशों के वर्ग से निकलकर विकसित देश हो जायेगा। एक दशक में भारत दसवें नंबर की अर्थव्यवस्था से तरक्की करके दुनिया की पांचवीं आर्थिक महाशक्ति बन गया। अनुमान हैं दो साल के अंदर हम तीसरी आर्थिक शक्ति बन जायेंगे। निस्संदेह इस वक्त भारत की आर्थिक विकास दर का सूचकांक दुनिया में सर्वाधिक है। जो भारत के आर्थिक महाशक्ति बनने का संकेत दे रहा है। भारत के आर्थिक महाशक्ति बनने को सकारात्मक रूप देने की अपेक्षा है, जिसमें गरीबी एवं भूखमरी का कलंक मिटना जरूरी है। आजादी के अमृत महोत्सव तक की आर्थिक यात्रा का लक्ष्य अब प्रजातांत्रिक समाजवाद एवं समतावादी समाज संरचना को हासिल करने का हो, देश में मानवीय मूल्यों, शांति एवं अहिंसक सिद्धांतों और आर्थिक समानता पर ध्यान देना होगा। भारत ने इस संदर्भ में पूरे विश्व को राह दिखाई है। इसी से गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे नागरिकों को कल का मध्यम वर्ग बनायेगी, इससे देश में विभिन्न उत्पादों का उपभोग बढ़ेगा तथा देश की आर्थिक उन्नति की गति भी तेज होगी। यह भारतीय सनातन संस्कारों के चलते ही सम्भव हो पाया है।

इन दिनों

ललित गर्ग

# सुरंग मेंकिग तकनीक पर विफलता की जिम्मेदारी तय हो

***अब*** समय आ गया है कि सुरंग मेकिंग तकनीक विफलता की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। हुकूमतें इस बात को बेशक न मानें, पर टनल इंजीनियरिंग, अंडरपिनिंग व टनलिंग विधि में भारतीय व्यवस्था अब भी काफी पिछड़ी है। पहाड़ों को फाड़कर उनके भीतर टनल (सुरंग) बनाने का अनुभव नहीं है। हालांकि सॉफ्ट-ग्राउंड क्षेत्र में टनल, सब-वे व सीवर बनाने की विधि में हमारी तकनीक कारगर और मजबूत हैं। पहाड़ी दुर्गम क्षेत्रों को तहस-नहस करके उनमें विशालकाय सुरंगें बनाने के लिए आधुनिक तामझाम, टेक्नोलॉजी व उपयुक्त सिस्टम नहीं हैं। यही बड़ा कारण है कि पहाड़ों में बड़े प्रोजेक्ट कामयाब नहीं हो रहे। वहां, इस तरह की परियोजनाओं के विफल होने के पीछे पर्यावरण प्रकोप भी मुख्य वजह है। उत्तराखंड़ में बीते दशक भर में घटी तमाम दर्दनाक घटनाएं इसका ताजा उदाहरण हैं। उन्हीं में यह मौजूदा सुरंग की घटना भी शामिल है, जहां, ब्रह्मखाल-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहाड़ों का सीना चीरकर सिल्क्यारा और डंडालगांव के बीच लगभग पांच किलोमीटर लंबी सुरंग बन रही थी। सुरंग तो नहीं बनी, लेकिन चालीस जिंदगी मौत से जरूर लड़ रही हैं। निश्चित रूप से यह घटना रोंगटे खड़े करती है। समय जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, धड़कने तेज हो रही हैं। सुरंग के आसपास के डरावने सन्नाटे से बाकी मजदूर कैसे मुक्त हों? इसकी उम्मीद भी मुकम्मल तौर पर कोई नहीं बंधवाता। 12 तारीख से लेकर अभी तक स्थिति गंभीर बनी हुई है। उम्मीद की किरणें हर पल धूमिल होती दिख रही हैं। हालांकि शासन-प्रशासन का रेस्क्यू अभियान मुस्तैदी से जुटा है। घटनास्थल पर पहुंचकर मजदूरों के परिजन चीख-चिल्ला, रो-बिलख रहे हैं और सिस्टम को ललकार रहे हैं। सुरंग को 'मौत की सुरंग' बोलकर ईश्वर से हाथ फैलाकर उनके लिए सलामती की दुआ कर रहे हैं। वैसे, दुआएं उनके परिजन क्या, बल्कि समूचा भारत कर रहा है। मजदूर सुरंग के भीतर किस हाल में होंगे, ये तो सिर्फ वही जानते होंगे? घुप्प अंधेरे में मंडराती बिन बुलाई मौत उनके सामने दस्तक देकर खड़ी होगी, जिसे वो भयभीत होकर निहार रहे होंगे। उस दृश्य की कल्पना मात्र से भी कलेजा कंपकपाता है। बहरहाल, एक उम्मीद बंधी है कि अमेरिकी से कोई आधुनिक ड्रिल मशीन मंगवाई गई है जिसके जरिये मजदूरों को बाहर निकालने की कोशिश जारी हैं। ड्रिल मशीन के जरिये

**उत्तराखंड़ में बीते दशक भर में घटी तमाम दर्दनाक घटनाएं इसका ताजा उदाहरण हैं। उन्हीं में यह मौजूदा सुरंग की घटना भी शामिल है, जहां, ब्रह्मखाल-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहाड़ों का सीना चीरकर सिल्क्यारा और डंडालगांव के बीच लगभग पांच किलोमीटर लंबी सुरंग बन रही थी।**

सुरंग के बाजू में एक गड्ढा करके उसमें पाइप डाला जायेगा। इसके सहारे अंदर फंसे मजदूरों को बाहर निकाला जायेगा। यह अमेरिकी ड्रिल मशीन बहुत तेज स्पीड से टनल काटती है। इसके अलावा थाईलैंड से भी मशीनें मंगवाई गई हैं जो इस रेस्क्यू अभियान में भारतीय सेना की मदद करेगी। लेकिन यह घटना कई सवाल खड़े करती है। उत्तराखंड में कई सरकारी प्रोजेक्ट विफल हुए और बड़े हादसों में तब्दील हुए। इशारा साफ है कि मानवीय हिमाकतों का खामियाजा कुदरत ने तुरंत दिया। केदारनाथ पॉवर प्रोजेक्ट, उत्तरकाशी थर्मल प्लांट, बद्रीनाथ आदि में हुए हादसे संकेत ही तो देते हैं कि पहाड़ों को मत छेड़ो? अगर छेड़ोगे तो उसका अंजाम बुरा होगा? बुरा हो भी रहा है। फिर भी कुदरत से मुकाबले करने के लिए इंसान आगे खड़े हैं। खुदा न खास्ता सुरंग में फंसे इन 40 मजदूरों के साथ कोई अनहोनी हो जाती है, तो उसकी भरपाई कौन करेगा। सुरंग ढहने के खिलाफ कानूनी सुरक्षा के लिए सतह प्रक्रिया भी कोई तय नहीं है, जिससे हताहतों के परिजन कानूनी लड़ाई लड़कर न्याय पा सकें। कहा जाता है कि विनाश की उत्पत्ति विकास से ही होती है। विकास के लिए हम इतने अंधे हुए पड़े हैं कि पर्यावरण की रक्षा करना ही भूल गये। प्राकृतिक संरचनाएं मानव या उनके द्वारा निर्मित मशीनों को कतई इजाजत नहीं देतीं कि उनका सीना वो बिलावजह चीरें? ये बात सौ आने सच है कि विकास के लिए हम पर्यावरण के नियंत्रण को पूरी तरह भूल गए हैं। एक कड़वी सच्चाई से इंजीनियर पूरी तरह वाकिफ होते हुए भी मौन रहते हैं? उन्हें पता होता है कि मैदानी क्षेत्र सुरंग बनाने में मदद करते हैं, लेकिन पहाड़ी क्षेत्र बिल्कुल नहीं? बावजूद इसके पहाड़ों का दोहन करने से बाज नहीं आते? मैदानी क्षेत्रों में जब सुरंगों का निर्माण होता है तो उसमें ताजी हवा प्रदान करने और मीथेन जैसी विस्फोटक गैसों और ब्लास्ट धुएं सहित हानिकारक गैसों को हटाने के लिए वेंटिलेशन महत्वपूर्ण होता है। जबकि, निकास स्क्रबर के साथ भूमिगत उपयोग के लिए केवल कम धुएं वाले विस्फोटकों का चयन करने से भी समस्याएं कम होती है, लंबी सुरंगों में एक प्रमुख हवादार संयंत्र शामिल होता है जो तीन फीट व्यास तक के हल्के पाइपों के माध्यम से और बूस्टर प्रशंसकों के साथ एक मजबूर ड्राफ्ट को नियोजित करता है।

■ डॉ. रमेश ठाकुर

**है न विचित्र बात !**

## क्यों देश को इंतजार है नोएडा एयरपोर्ट शुरु होने का?

***अगर*** सब कुछ योजना के चलता रहा तो उत्तर प्रदेश के जेवर में तेजी से बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पहली उड़ान अगले साल मार्च के महीने में अपने सफर पर चली जायेगी। यानी अब छह से भी कम महीनों का वक्त बचा है, इसे शुरू होने में। पहले कहा जा रहा था कि यहां से पहली फ्लाइट साल 2024 के अंत में ही उड़ान भरेगी। नोएडा एयरपोर्ट जितना जल्दी शुरू हो जाये उतना ही भारत आने और यहां से जाने वाले करोड़ों मुसाफिरों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर होगी। भारत सरकार का उड्डयन एवं गृह मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार मिल कर कोशिश कर रहे हैं ताकि नोएडा एयरपोर्ट वक्त से पहले ही शुरू हो जाये। नोएडा एयरपोर्ट का तुरंत बनना इसलिए भी जरूरी है ताकि इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) को यात्रियों की भीड़ से बचाया जा सके। इधर भीड़ के चलते बदइंतजामी और अराजकता के हालात बने रहते हैं। यात्रियों को तीन-तीन घंटे लाइन में लगना पड़ना आज के दिन आम बात हो गई है। आईजीआई एयरपोर्ट पर साल-दर-साल यात्रियों की भीड़ बढ़ती ही चली जा रही है। आप जानते हैं कि आईजीआई से प्रतिदिन हजारों भारतीय सात समंदर पार यात्रा के लिए जा रहे हैं तो इतने ही दुनिया के अलग-अलग भागों से दिल्ली आ भी रहे होते हैं। पिछले साल 2022 में तो यह दुनिया के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट की रैंकिंग में नौवें स्थान पर पहुंच गया। एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) की रिपोर्ट की माने तो आईजीआई एयरपोर्ट से साल 2022 में लगभग 5.95 करोड़ लोगों ने यात्रा की। यह भारत का सबसे व्यस्त एयरपोर्ट भी है। शायद यही वजह है कि आईजीआई एयरपोर्ट की वृहद् सुविधाएं भी भीड़ के सामने अब बौनी साबित होने लगी हैं। क्या कुछ साल पहले 31 मार्च, 2006 को जब आईजीआई शुरू हुआ था तो किसी ने भी यह सोचा था कि इधर मुसाफिरों की भारी भीड़ से सारी व्यवस्थाएं चरमराने लगेंगी? अगर इतिहास के पन्नों को पलटें तो पता चलेगा कि राजधानी दिल्ली में सबसे पहले 10 मार्च, 1931 को सफदरजंग एयरपोर्ट का विधिवत उद्घाटन हुआ था। हालांकि इससे दो बरस पहले 1929 में ही इसकी सांकेतिक स्थापना भी हो गई थी। तब इसका नाम विलिंग्डन एयर फील्ड था। फिर इसका कुछ समय के बाद नाम कर दिया गया विलिंग्डन एयरपोर्ट। देश के आजाद होते ही विलिंग्डन एयरपोर्ट का नाम हो गया सफदरजंग एयरपोर्ट। बताते हैं, इधर कुछ विमान 1927 से ही उतरने लगे थे। दूसरे विश्व युद्ध में इसका मित्र देशों की सेनाओं ने भरपूर इस्तेमाल भी किया था। दिल्ली का यही 1962 तक मुख्य हवाई अड्डा रहा। उसके बाद पालम एयरपोर्ट बना। सफदरजंग एयरपोर्ट को सुरक्षा कारणों से 2002 में बंद कर दिया गया। इसे अमेरिका में 26/11 की भयंकर घटना को देखते हुए बंद किया गया कअब भी यहीं से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य अति विशिष्ट हस्तियां अपने सफर पर निकलते हैं। फिर वर्तमान में लौटते हैं। आईजीआई के शुरू होने के 20 साल के भीतर ही देश को एक नये विश्व स्तरीय एयरपोर्ट की जरूरत महसूस हुई। यह सुबूत है कि देश के एविएशन सेक्टर का तेजी से विकास और विस्तार हो रहा है। इसलिए ही ग्रेटर नोएडा में जेवर एयरपोर्ट को बनाने पर निर्णय लिया गया। जान लें कि तीस हजार करोड़ रुपये की लागत से 1334 हेक्टेयर में बन रहा जेवर एयरपोर्ट भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। फिलहाल यात्रियों की आवाजाही के लिहाज से आईजीआई देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। एक बात और। जेवर एयरपोर्ट की टिकटें आईजीआई के मुकाबले सस्ती होंगी। ऐसा दिल्ली और यूपी में एटीएफ (एविएशन टर्बाइन फ्यूल) शुल्क में अंतर के कारण संभव होगा।

■ आर.के. सिन्हा

# अग्निहोत्र यज्ञ है प्रदूषण मुक्ति का मार्ग

***वैदिक*** साहित्य प्रकृति के प्रति आदर से भरा पूरा है। इस आस्था का तर्क संगत विज्ञान भी है। जर्मनी के डॉ. कुलरिच बर्क वैदिक अग्निहोत्र विज्ञान को कई देशों तक पहुंचा रहे हैं। डॉ. बर्क बर्लिन विश्वविद्यालय में गणित के प्राध्यापक रहे हैं और लगभग चार दशक से वैदिक विज्ञान में सक्रिय हैं। डॉ. बर्क ने 'व्हाट इज डन एंड व्हाट कैन बी डन विद अग्निहोत्र' शीर्षक से तीन सौ पृष्ठों का शोधपत्र बनाया। अग्निहोत्र विज्ञान पर उनके 20 से ज्यादा शोधपत्र विभिन्न देशों में प्रकाशित हुए हैं। डॉ. आरके पाठक बताते हैं कि, ''सूर्योदय के समय सम ऊर्जा, विद्युत ऊर्जा उत्सर्जित होकर पृथ्वी को ऊर्जावान बनाती है। अग्निहोत्र से इसकी सकारात्मकता में वृद्धि होती है। इसी तरह सूर्यास्त के समय ऊर्जा का उत्सर्जन वापस वातावरण में मिलता है। उनके मुताबिक कई देशों में भारत के इस प्राचीन विज्ञान को अपनाया जा रहा है। डॉ. उलरिच बर्क 40 वर्ष से अधिकांश देशों में भारत के प्राचीन अग्निहोत्र विज्ञान का प्रचार कर चुके हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के बागवानी संस्थान के सेवानिवृत्त निदेशक डॉ. आरके पाठक भी इस अभियान से जुड़े हैं। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, केरल और गुजरात के किसान भी इस अभियान का हिस्सा हैं। अग्निहोत्र यज्ञ कर्म का हिस्सा है। इससे प्रदूषण मुक्ति होती है। ऋग्वेद अग्नि स्तुति से ही प्रारम्भ होता है। कहते हैं, ''हम अग्नि की स्तुति करते हैं। अग्नि यज्ञ में पुरोहित हैं। यज्ञकर्ता को रत्न देने वाले हैं।'' (1.11) भारतीय परम्परा में यज्ञ असाधारण कर्मकाण्ड रहा है। वैदिक ज्ञान के तमाम सूत्र आधुनिक विज्ञान से भी सत्य हैं। ऋग्वेद में ही कहते हैं कि, ''यह सृष्टि यज्ञमय है। पूर्व काल में पूर्वजों ने तमाम यज्ञ किये थे।'' यज्ञ विधान का लगातार विकास हुआ है। यज्ञ में देव स्तुतियां हैं। यज्ञ का मूल तत्व स्वाहा है। स्वाहा का अर्थ समर्पण है। समर्पण कई तरह का है। हव्य समर्पण है। भाव समर्पण है। ज्ञान समर्पण है। अहंकार समर्पण है। गीता में यज्ञ को व्यापक अर्थ में समझाया गया है। श्रीकृष्ण कहते हैं, ''कुछ योगी देवताओं के लिए यज्ञ करते हैं जबकि अन्य यज्ञकर्ता ब्रह्म की अग्नि में स्वयं को ही अर्पित कर देते हैं।'' यज्ञ कई तरह के हैं। कुछ लोग अपनी भौतिक सम्पत्ति व योगाभ्यास से अर्जित शक्ति को यज्ञ में अर्पित करते हैं। उपनिषदों के समय सभी कर्मों को बंधनकारी माना जाता था। कर्मबंधन में बंधे व्यक्ति का पुर्नजन्म होता है। केवल यज्ञ ही बंधन में नहीं डालता। श्रीकृष्ण अर्जुन को बताते हैं, ''प्राचीन काल में प्रजापति ने यज्ञ से प्राणी उत्पन्न किये थे और कहा था कि, ''यज्ञ तुम्हारी सभी इच्छाओं को पूरा करेगा।'' श्रीकृष्ण कहते हैं, ''तुम यज्ञ के द्वारा देवताओं का पोषण करो। देवता तुम्हारा पोषण करेंगे।'' यहाँ देवताओं और मनुष्य के बीच सामान्य अनुबंध दिखाई पड़ता है। अनुबंध टूटता है। प्रकृति की शक्तियां कोप में होती हैं। तूफान आते हैं। अतिवृष्टि और अनावृष्टि होती है। भूमण्डल का ताप बढ़ता है। मनुष्य प्रकृति की शक्तियों के सम्मुख स्वाहा समर्पण करता है। प्रकृति की शक्तियां पोषण करती हैं। यजुर्वेद के एक मन्त्र में यज्ञ से प्रार्थना है, ''हे यज्ञ जहां तक द्यावा, पृथ्वी, समुद्र और दिशाएं हैं, वहां तक हम सभी प्राणी आपसे ऊर्जा पाते हैं।'' गीता (4.31) में श्रीकृष्ण कहते हैं, ''जो यज्ञ के बाद शेष बचे अन्न खाते हैं वह ब्रह्म को प्राप्त करते हैं।'' गीता का यज्ञ चक्र ध्यान देने योग्य है। श्रीकृष्ण कहते हैं, ''अन्न से प्राणी होते हैं। अन्न वर्षा से होता है और वर्षा यज्ञ से होती है। यज्ञ सत्कर्मों से उत्पन्न होता है।'' यहाँ यज्ञ को सत्कर्म कहा गया है। 'यज्ञ-चक्र' बहुत प्रेमपूर्ण कल्पना है। श्री कृष्ण बताते हैं, 'अन्न से प्राणी होते हैं। वर्षा से अन्न उत्पन्न होता है। वर्षा यज्ञ से होती है और यज्ञ कर्म से उत्पन्न होता है।' (3.14) मनुस्मृति (3.76) में भी यही स्थापना है 'यज्ञ में दी गई आहुति सूर्य को मिलती है। सूर्य से पर्जन्य - मेघ आते हैं। वर्षा से अन्न पैदा होता है, अन्न से प्रजाए उत्पन्न होती हैं।' तैत्तिरीय उपनिषद् में कहते हैं 'परमतत्व से आकाश का जन्म हुआ। फिर वायु फिर अग्नि, जल और पृथ्वी की उत्पत्ति हुई। पृथ्वी से औषधियां और औषधियों से अन्न तथा अन्न से पुरुष उत्पन्न हुआ।' यहां सृष्टि के विकास क्रम का वर्णन है। श्रीकृष्ण अन्न से प्रारम्भ करते हैं। यहां प्रत्यक्ष भौतिकवाद है। ब्रह्मवादी इसी चक्र को परम तत्व से प्रारम्भ करते हैं। यज्ञचक्र सतत प्रवाही है। श्रीकृष्ण कहते हैं 'जो इस यज्ञचक्र के संचालन में सहायक नहीं होता, वह इन्द्रिय सुखों में संलग्न दुष्ट स्वभाव वाला है और उसका जीवन व्यर्थ है।' (3.16) यहां यज्ञ चक्र विरोधी को दुष्ट कहा गया। गीता का यज्ञ एक व्यापक अवधारणा है। यज्ञ का एक अंग 'दक्षिणा' है। दक्षिणा कर्मकुशलता का पारिश्रमिक है। दक्ष का अर्थ कुशलता होता है। ऋग्वेद (10.107.2) में भी दक्षिणा को अनिवार्य बताया गया है। वैदिक काल में यज्ञ का अनुभूत दर्शन था। अनुभूत दर्शन से यज्ञ संस्था का विकास हुआ। विकास के क्रम में कर्मकाण्ड की कई विधियां जुड़ी। वाजपेय यज्ञ में रथ में घोड़े जोते जाते थे, दौड़ होती थी, यजमान विजेता बनता था। राजसूय यज्ञ में वरुण या इन्द्र का अभिषेक होता था। तैत्तिरीय आरण्यक (2.10) के अनुसार अग्नि में ह्विष्य से देवयज्ञ, पितरों को अन्न जल तर्पण से पितृयज्ञ, पशुपक्षियों को भोजन देने से भूतयज्ञ, विद्वानों अतिथियों को भोजन देने से मनुष्ययज्ञ पूर्ण होता है लेकिन स्वाध्याय से ब्रह्मयज्ञ पूरा होता है -यत स्वाध्यायम धीर्यात, तद् ब्रह्मयज्ञ सन्तिष्ठते। स्वाध्याय का अर्थ कोरा अध्ययन ही नहीं है। कुछ लोग इसका अर्थ अच्छा साहित्य पढ़ना लेते है, तो अनेक विद्वान ऋग्वेद आदि के अध्ययन को स्वाध्याय बताते है। वस्तुतः यहां स्व-अध्ययन पर जोर है। जो पिण्ड में हैं, वही ब्रह्माण्ड में है। ब्रह्माण्ड विराट है, पिण्ड हम स्वयं है, हम सदा अपने निकट रहते हैं लेकिन बहुधा दूर भी होते हैं जब घर में होते है, तब गृहस्थ और जब स्व में स्थित होते है तब स्वस्थ। स्वाध्याय इसी 'स्व' का अध्ययन है। अपना अध्ययन पूरा तो ब्रह्म का अध्ययन का भी पूरा हो गया। यज्ञ का दर्शन बताते हुए श्रीकृष्ण (4.24) कहते हैं 'ब्रह्म ही ब्रह्म को आहुति देते हैं। ब्रह्म ही संपूर्णता में अग्नि हैं। ब्रह्म यज्ञकर्ता हैं, वही मंत्र, वही आहुति।' संपूर्णता ही संपूर्णता को संपूर्णता की हवि देती है। गीता का 'ज्ञान यज्ञ' श्रेष्ठ है। श्रीकृष्ण कहते हैं 'द्रव्य आदि पदार्थो द्वारा किये जाने यज्ञों की अपेक्षा ज्ञान यज्ञ श्रेष्ठ है - श्रेयान्द्रव्यमयाद्य ज्ञान यज्ञः। (4.32) यहां ज्ञान भौतिक जगत का अध्ययन है, भौतिक जगत के परे अज्ञात जगत की भी अनुभूति है। इसी ज्ञान के प्रकाश में स्वयं का अध्ययन भी इसमें सम्मिलित है। ज्ञान सर्वोपरि है। श्रीकृष्ण कहते हैं 'सभी कर्म निरपवाद रूप में ज्ञान में जाकर समाप्त हो जाते हैं।' (वही) ऋग्वैदिक काल से प्रख्यात यज्ञसंस्था कई बार आलोचना का भी शिकार हुई, तत्ववेत्ताओं ने इसे हर बार व्यापक अर्थों में सुपरिभाषित किया और मूल दर्शन से जोड़ा।

**'सूर्योदय के समय सम ऊर्जा, विद्युत ऊर्जा उत्सर्जित होकर पृथ्वी को ऊर्जावान बनाती है। अग्निहोत्र से इसकी सकारात्मकता में वृद्धि होती है। इसी तरह सूर्यास्त के समय ऊर्जा का उत्सर्जन वापस वातावरण में मिलता है। उनके मुताबिक कई देशों में भारत के इस प्राचीन विज्ञान को अपनाया जा रहा है। डॉ. उलरिच बर्क 40 वर्ष से अधिकांश देशों में भारत के प्राचीन अग्निहोत्र विज्ञान का प्रचार कर चुके हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के बागवानी संस्थान के सेवानिवृत्त निदेशक डॉ. आरके पाठक भी इस अभियान से जुड़े हैं।**

■ हृदयनारायण दीक्षित

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 07759972937, 06562-240042/ 222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-2283384/ फैक्स : 0651-2283386, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

# पलामू की गंगा कोयल व अमानत छठ पूजा का मुख्य केंद्र

पलामू में छठी मैया का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। जिले में दीपावली के पांच दिन बाद एक और बड़े त्योहार की शुरुआत होती है। कोयल व अमानत नदी सहित जिले के हर नदी, तालाब व कुएं पर लोग आस्था से छठी मइया का पूजन करते हैं। झारखंड, बिहार,ओडिशा, उत्तर प्रदेश व पूर्वी भारत में यह त्योहार जोर-शोर से मनाया जाता है। वर्तमान में छठ पूजा सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी बढ़-चढ़कर मनाये जाने लगा है। जो कि हमारे लिए गर्व की बात है। छठ मईया बच्चों की रक्षा व परिवार में आरोग्य देने वाली देवी के रूप से जानी जाती है। इसी वजह से सूर्य देव को खुश करने के साथ-साथ छठी मैया की भी पूजा होती है। इस विशेष पर्व के अवसर पर लोगों के मन में कई मान्यताएं हैं। इस व्रत को करते समय कई नियम और प्रतिबंध भी हैं। ये नियम बहुत सख्त हैं फिर भी लोग चेहरे पर खुशी के साथ इनका पालन करते हैं। तीन दिन के कठिन व्रत के बाद भी चेहरे पर मुस्कान छठ मैया के आशीष से ही संभव होता है। आस्था ही व्रतियों की मदद करता है। छठ पूजा का व्रत बहुत ही कठिन होता है। इसमें सभी व्रतधारकों को सुख-सुविधाओं को त्यागना होता है। इसके तहत व्रत रखने वालों को जमीन पर एक कम्बल या चादर बिछाकर सोना होता है। इसमें किसी तरह की ढिलाई नही होनी चाहिए। ये व्रत ज्यादातर महिलाएं करती है। वर्तमान में अब कुछ पुरूष भी यह व्रत करने लगे है। छठ माता को सूर्यदेव का बहन माना जाता है। छठ पूजा कथा के

अनुसार छठ माता भगवान ब्रह्मा की पुत्री देवसेना बताई गई है। अपने परिचय में वे कहती है। कि वह प्रकति के छठवें अंश से उत्पन्न हुई है। यही कारण है कि उन्हें षष्ठी कहा जाता है। संतान की चाहत रखने वाले जातक के लिए यह पुजा बहुत लाभकारी मानी जाती हैं। पौराणिक ग्रन्थो में इसे रामायण काल में भगवान श्री राम के अयोध्या वापसी के बाद सीता जी के साथ मिलकर कार्तिक शुक्ल षष्ठी को सूर्योपासना करने से भी जोड़ा जाता है।

### छठ पूजा चार दिन तक चलने वाला त्योहार है

**पहला दिन- खाय-नहाय :** छठ पूजा व्रत चार दिन तक किया जाता है। इसके पहले दिन नहाने-खाने की विधि होती है। जिसमें व्यक्ति को घर की सफाई कर स्वयं शुद्ध होना चाहिए तथा केवल शुद्ध शाकाहारी भोजन ही करना चाहिए।

**दूसरा दिन-खरना :** इसके दूसरे दिन खरना की विधि की जाती है। खरना में व्यक्ति को पूरे दिन का उपवास रखकर शाम के समय गन्ने का रस या गुड़ में बने हुए व्यंजन एवं चावल की खीर को प्रसाद के रुप में खाना चाहिए। इस दिन बनी गुड़ की खीर बेहद स्वादिष्ट होती है।

**तीसरा दिन-अर्घ्य :** तीसरे दिन सूर्य षष्ठी को पूरे दिन उपवास रखकर शाम के समय डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए पूजा की सामग्रियों को लकड़ी के डाले में रखकर घाट पर ले जाते हैं। शाम को सूर्य को अर्घ्य देने के बाद घर आकर सारा सामान वैसे ही रखे रहने देते हैं। इस दिन रात के समय छठी माता के गीत गाते हुए व्रत कथा सुनाते हैं।

**चौथा दिन-सुबह का अर्घ्य :** इसके बाद घर लौटकर चौथे दिन सुबह-सुबह सूर्य निकलने से पहले घाट पर पहुंचना चाहिए। उगते हुए सूर्य की पहली किरण को अर्घ्य अर्पित कर पर्व का समापन किया जाता है।

❖ गुड्डू कुमार

## छठ पर्व का पहला अर्घ्य आज

छठ पूजा हिंदू धर्म का मुख्य त्योहार है। आज छठ पूजा में सूर्य को पहला अर्घ्य दिया जाएगा। दर्शन देहू न अपार हे छठी मैया.., उग हे सूरजदेव अरघ के बेरिया.., सुन ले अरजिया हमार हे छठी मैया.. जैसे गीतों की गूंज रविवार शाम छठ पूजा घाटों व घरों में गूंजेगी। छठ घाट पर तैयारियां कर ली गई है। सभी छठ घाटों को बिजली के झालरों से सजाए गये हैं। जगमग घाट की परछाई कोयल, अमानत सहित सभी घाटों की सुंदरता में चार चांद लगा रही है। घाट पर आने-जाने के लिए अलग-अलग रास्तों का प्रयोग होगा। हर साल की तरह इस वर्ष भी छठ घाटों पर धूमधाम से सामूहिक रूप से पूजन किया जा रहा है। रविवार को सूर्यास्त के पूर्व से ही व्रती घाट पर पहुंचने लगेंगे। नहर व जलकुंडों में दीप प्रवाहित किए जायेंगे। खरना रस्म के साथ पूरे दिन का उपवास रखकर शाम के समय गन्ने का रस या गुड़ में बने हुए व्यंजन से चावल की खीर को प्रसाद के रुप में खाना होता है। तीसरे दिन भी उपवास रखकर शाम के समय डूबते हुए सूरज को अर्घ्य अर्पित किया जाता है। पूजन सामग्री लकड़ी के पिटारे में रखकर घाट पर ले जाया जाता है। सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रत का समापन कर सभी लोगों को प्रसाद वितरण किया जाता है।

❖ सुरेन्द्र कुमार

## हिन्दुओं का प्रसिद्ध त्योहार छठ

छठ पूजा को खरना के नाम से भी जाना जाता है। जिस प्रकार दुर्गा पूजा, दीपावली आदि त्योहारों को हिंदु धूमधाम से मनाते हैं। यह पर्व दिवाली के 6 दिन बाद मनाया जाता है। इसी वजह से इसे छठ पूजा के नाम से भी जानते हैं। छठ पूजा दीपावली के 3 दिन बाद से ही शुरू कर दी जाती है। छठवें दिन लोग डूबते हुए भगवान सूर्य की पूजा करते हैं। अगले दिन उदीयमान सूर्य की पूजा करते हैं। छठ पूजा भी हिंदुओ का प्रमुख त्योहार है। लेकिन इस त्योहार का उत्साह और रौनक सबसे अधिक झारखंड, बिहार में देखने को मिलती है। छठ पूजा मुख्य रूप से सूर्यदेव की उपासना का पर्व है। पौराणिक मान्यता के अनुसार छठ मइया सूर्यदेवता की बहन हैं। कहा जाता है कि सूर्य देवता की उपासना से छठ मइया प्रसन्न होती हैं व घरों में सुख शांति सहित धन-धान्य से सम्पन्न करती हैं। इसलिए छठ पूजा को लोग धूमधाम से मनाते है। भगवान सूर्यदेव के प्रति भक्तों के अटूट आस्था का अनूठा पर्व छठ पर्व है। छठ को मनाने की परंपरा बहुत प्राचीन है। कहा जाता है कि बाल हनुमान ने सूर्य को फल समझकर मुंह में समा लिया था। देवताओं के आग्रह करने के बाद हनुमान ने सूर्य को छोड़ा। तभी से डूबते व उगते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा शुरू हुई। खीर में चीनी की जगह गुड़ का प्रयोग करते हैं। शाम को सूर्य को अर्घ्य देने के बाद में उस प्रसाद को भोजन के रूप में ग्रहण करते हैं। उस के तीसरे दिन छठ माता की पूजा किसी नदी या तालाब के किनारे की जाती है। पूजा के बाद छठ माता को शाम के समय गाय के दूध व जल से सूर्य के सामने अर्घ्य देकर अपनी मनोकामना पूर्ति हेतु इस व्रत को पूरा किया जाता है।

❖ गोलू कुमार

## ऋग्वेद में मिलता है सूर्य वंदना का पहला उल्लेख

प्रवीण प्रियदर्शी

छठ सूर्योपासना का अनुपम लोकपर्व है। पूर्वी भारत के बहुत बड़े भाग से इसे धूमधाम से मनाया जाता है। वस्तुतः सूर्य की सृष्टि और पालन शक्ति के कारण सूर्योपासना सभ्यता के विकास के साथ ही विभिन्न स्थानों व संस्कृति में अलग-अलग रूप में प्रारंभ हो गई। हां भारत में सूर्योपासना को विशेष महत्व मिला, यहां इसे सर्जक, पालक के साथ ही आरोग्य और अक्षय ऊर्जा का स्रोत माना गया। ऋग्वेद में पहली बार देवता के रूप में सूर्य की वंदना की गई। इसमें सैकड़ों ऋचाओं में सूर्य की महिमा और वंदना की गई है। इसके बाद अन्य वेदों के साथ ही उपनिषद, पुराण व अन्य ग्रंथों में इसकी चर्चा प्रमुखता से हुई। निरुक्त के रचयिता यास्क ने भी देवताओं में सूर्य को पहले स्थान पर दिया है। उत्तर वैदिक काल के अंतिम कालखंड में सूर्य के मानवीय रूप की कल्पना होने लगी। इसने कालांतर में सूर्य की मूर्ति पूजा का रूप ले लिया। पौराणिक काल आते-जाते सूर्य पूजा और प्रचलित हो गई। देश के कई स्थानों पर सूर्य देव के मंदिर भी बने। प्रसिद्ध चीनी यात्री ह्वेन सांग ने 641 ई में नालंदा विश्वविद्यालय से दो किलोमीटर दूर गडगांव में बालार्क सूर्य मंदिर व मूलस्थान में आदित्य मंदिर देखने का वर्णन किया है। पौराणिक साहित्य में देश के बारह सूर्य मंदिरों का वर्णन मिलता है।

### आरोग्य देवता सूर्य

पौराणिक काल से सूर्य को आरोग्य देवता भी माना जाता है। सूर्य की किरणों में कई रोगों को नष्ट करने की क्षमता पाई गई। ऋषि-मुनियों ने अपने अनुसंधान के क्रम में किसी खास दिन इसका प्रभाव विशेष पाया। संभवतः यही छठ पर्व (सूर्य षष्ठी) के उद्भव की बेला रही हो। सूर्य की आरोग्य क्षमता के विषय में प्रसिद्ध आख्यान भी हैं। पुराणों के अनुसार भगवान कृष्ण के पुत्र शाम्ब को कुष्ठ हो गया, तो इससे निजात के लिए उन्होंने ऋषि कटका के कहने पर सूर्योपासना प्रारंभ की। इसके लिए विशेष रूप से शाक्य द्वीप से मग ब्राह्मणों को आमंत्रित किया गया। बारह वर्ष की उपासना के बाद शाम्ब स्वास्थ्य हुए तो उन्होंने मूलतान, कोणार्क सहित कई स्थानों पर सूर्य मंदिर का निर्माण कराया। कालांतर में विभिन्न राजाओं ने इन मंदिरों का जीर्णोद्धार करा इसे भव्य रूप दिया। सूर्य और इसकी उपासना की विशेष चर्चा विष्णु पुराण, भगवत पुराण, ब्रह्म वैवर्त पुराण आदि में विस्तार से किया गया है।

### छठी मैया की संकल्पना

सूर्य के सात घोड़े उससे निकलनेवाली सात किरणों का द्योतक है तो सूर्य की पालनहारी छह शक्तियां में अंतिम षष्ठी छठी मैया मानी जाती हैं। कई ग्रंथों में इसे सूर्य की बहन बताया गया है। इन्हें बच्चों का संरक्षक भी माना जाता है। इसलिए छठी मैया की महिमा छठ पर्व के मूल में है। बच्चे के जन्म के छठे दिन छठी मनाने की परंपरा में भी यही छठी मैया की महिमा है। सूर्य के अस्ताचलगामी व उदीयमान रूप को अर्घ्य उनकी दो पत्नियों उषा व प्रत्युषा के नाम पर दिया जाता है। अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य प्रत्युषा को समर्पित होता है तो उदीयमान सूर्य को अर्घ्य उषा को समर्पित होता है। उषा को ऋग्वेद के अनुसार मानव मन में आध्यात्मिक ऊर्जा के उद्भव का स्रोत भी माना जाता है।

## आस्था का महापर्व है छठ

छठ पूजा हिन्दुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। वहीं यह त्योहार महापर्व में घोषित कर दिया गया है। इस दिन छठ माता की पूजा होती है। साथ ही हम सूर्य भगवान को भी धन्यवाद देते हैं। हम अपने अच्छे स्वास्थ्य व रोग मुक्त होने की भी कामना करते हैं। इस त्यौहार की सबसे अधिक रौनक पलामू में देखने को मिलती है। छठ व्रती महिलाएं व पुरुष 48 घंटे तक निर्जला व्रत रहते हैं। मान्यताओं के अनुसार सच्चे मन से छठ व्रत करने पर सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। ऐसी मान्यता है कि व्रत रखने वाली महिलाओं को पुत्र की प्राप्ति होती है। साथ ही छठ पर्व साल में दो बार मनाया जाता है। एक चैत्र व दूसरा कार्तिक में। समय के साथ पर्व की महत्ता बढ़ती जा रही है। पहले छठ पूजा के त्यौहार को लेकर सरकारी छुट्टियां नहीं की जाती थी। परंतु अब छठ पूजा के दिन सरकारी छुट्टी भी लागू कर दी गई है। क्योंकि छठ पूजा को उत्तर प्रदेश व बिहार में ही नहीं बल्कि अन्य राज्यों में भी मनाया जाने लगा है। इसी कारण से छठ पूजा को महापर्व घोषित कर दिया गया है। इस त्योहार को मनाने वाले लोग पलामू में ही नहीं बल्कि हमारे देश के सभी प्रांतों में जहां भी रहते हैं। वहां सभी लोग बड़े धूमधाम के साथ मनाते हैं। इस त्यौहार को झारखंड बिहार, उत्तर प्रदेश में बहुत धूमधाम के साथ मनाया जाता है। छठ पूजा से संबंधित बहुत ही प्रचलित और पौराणिक कथाएं हैं। वह यह साबित करती है कि छठ पूजा कितनी महत्वपूर्ण होती है। छठ पूजा का व्रत बहुत ही कठिन होता है। इसमें जो भी व्रत करता है। उसको सभी सुख-सुविधाओं का त्याग करना पड़ता है। इस व्रत में जमीन पर एक कंबल व चादर बिछाकर सोना होता है। जिस में किसी प्रकार की कोई ढिलाई नहीं होती है। प्रवासी भारतीयों के साथ यह पर्व विश्वभर में प्रचलित हो गया है। गाय के कच्चे दूध व जल से सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व की शुरूआत नहाय-खाय से होती है। दूसरे दिन खरना किया जाता है। तीसरे दिन शाम को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है। चौथे यानि अंतिम दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। समापन पर सतरंगी सब्जी के सेवन करने का विधान है।

❖ बजरंगी कुमार

## जल में खड़े रहकर दिया जाता है सूर्य को अर्घ्य

छठ पूजा साल में दो बार मनाई जाती है। पहली बार चैत्री छठ पूजा व दूसरी बार कार्तिकी छठ पूजा। चैत्री छठ पूजा चैत्र मास के छठे दिन मनाई जाती है व दूसरी कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाई जाती है। यह त्यौहार मुख्यतया चार दिनों तक चलता है। इस त्यौहार को मनाने के सबसे बड़े दो कारण हैं। पहला है सूर्य देव ने हमारी धरती पर यह जो जीवन दिया है। उन्हें धन्यवाद करते हैं। साथ ही साथ छठी मैया जो बच्चों की रक्षा करने वाली देवी के रूप में जानी जाती हैं। लोग अपने बच्चों के भविष्य के लिए उनकी पूजा करते हैं। छठ पर्व की शुरूआत कब हुई। ग्रंथों में उसके बारे में बहुत सी पौराणिक कथाएं मिलती है। उनमें से सबसे प्रचलित कथा रामायण से जुड़ी है। ऐसा कहा जाता है कि लंका विजय के बाद राम व सीता 14 साल के वनवास के बाद अयोध्या लौटे तो उन्होंने पश्चाताप के लिए एक यज्ञ किया। इस दौरान उन्होंने सूर्य उपासना भी किया था। जिसमें भगवान राम व माता सीता ने विधिवत उपवास कर सूर्य देव की आराधना की थी। तब से छठ पूजा की शुरूआत हुई है। छठ पूजा का व्रत किसी कठिन तपस्या से कम नहीं होता है। क्योंकि छठ पूजा का व्रत पति व संतान की लंबी आयु के लिए किया जाता है। किसी भी कामना से जो भी महिलाएं इस व्रत को रखती हैं। उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। महिलाओं के साथ-साथ पुरुष भी अपने काम की सफलता के लिए इस व्रत को पूरी निष्ठा व श्रद्धा से करते हैं। इसलिए वह डूबते हुए सूर्य को देखकर ऐसा मानते हैं कि सूर्य देव पर कोई संकट आया है। उनका संकट दूर हो व हमें वे पुनः प्रकाशमान करें। यही उपासना का ध्येय है। जल में खड़े रहकर लोग सूर्य को प्रणाम करते हैं तथा जब तक सूर्य अस्त न हो जाएं। तब तक लोग बस उन्हें ही देखते रहते हैं व गीत गाते हैं। ऐसा मानना है कि छठ पूजा का त्यौहार करने से व्यक्ति सभी प्रकार के दुख-दर्द एवं बीमारियों से दूर रहता है। इसके साथ-साथ उस व्यक्ति के परिवार के सभी लोग सुरक्षित रहते हैं। इस त्यौहार को करने की प्रमुख मान्यता यह है कि इससे उनके बच्चों पर कोई भी संकट नहीं आता। आराधना से माता छठ एवं भगवान सूर्य की कृपा उस व्यक्ति के परिवार पर सदैव बनी रहती है।

❖ वेद प्रकाश

## भक्त पूर्व से ही तैयारियां प्रारम्भ कर देते हैं

छठ पूजा में सिर्फ औरते ही नहीं अब पुरुष भी भाग लेने लगे हैं। जिसमें लोग भगवान सूर्य देव की आराधना करने के साथ निर्जला उपवास करते हैं। यह त्योहार पति की दीर्घायु और संतान सुख की कामना के लिए मनाया जाता है। 36 घंटे के इस निर्जला व्रत के लिए भक्तजन पूर्व से ही तैयारियां प्रारम्भ कर देते हैं। छठ पर्व की रौनक अब भारत के अनेक हिस्सों में दिखाई पड़ने लगी है। दीवाली के बाद से ही महिलाएं इस अनुष्ठान को लेकर तैयारियां शुरू कर देती हैं। छठ पूजा के दौरान किए जाने वाले अनुष्ठानों का गहरा महत्व है। माना जाता है कि उपवास, प्रार्थना व कठोर अनुशासन मन एवं शरीर को शुद्ध करने के साथ-साथ आध्यात्मिक कल्याण को भी बढ़ाते हैं। सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करना पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने व प्रियजनों की समृद्धि व कल्याण के लिए आशीर्वाद मांगने के लिए कृतज्ञता का प्रतीक है। अनुष्ठान भक्तों की ईश्वर के प्रति आस्था, विनम्रता व भक्ति को भी प्रदर्शित करते हैं। यह एक ऐसा अवसर है जो एकता, सद्भाव व सामाजिक बंधन को बढ़ावा देता है। परिवार, दोस्त व समुदाय खुशी-खुशी तथा सद्भावना साझा करते हुए इस त्योहार को मनाने के लिए एक साथ आते हैं। यह त्योहार सामाजिक बाधाओं को दूर कर समावेशिता को बढ़ावा देता है। क्योंकि सभी जातियों, पंथों व पृष्ठभूमि के लोग समान उत्साह के साथ अनुष्ठानों में भाग लेते हैं। यह एक ऐसा समय है जब व्यक्ति अपने मतभेदों को दूर करते हैं व सांप्रदायिक सद्भाव व सांस्कृतिक विविधता के मूल्यों को मजबूत करते हुए सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करते हैं। पर्व आने के पहले ही व्रती महिलाएं सतर्कता बरतना शुरू कर देती हैं। क्योंकि यह पर्व आस्था व पुरे निष्ठा से मनाया जाने वाला पर्व है। पर्व के पहले दिन व्रती महिलाएं चने की दाल, लौकी की सब्जी व रोटी का सेवन करती हैं। दूसरे दिन छोटी छठ खरना को रात मे गुड़ की खीर का सेवन करके व्रत शुरू कर देती हैं। उसके अगले दिन दिनभर व्रत रखने के साथ ही डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। उसके अगले दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण करती हैं। सुख-समृद्धि के प्रतीक सूर्य देव की कृपा धरती के सभी जीव-जंतुओं पर बनी रहे, इसका वरदान मांगती हैं। छठ पर्व पर अपनी सामर्थ्य के अनुसार लोग प्रसाद की व्यवस्था करते हैं। सात, ग्यारह, इक्कीस व इक्यावन प्रकार के फल-सब्जियों व अन्य पकवानों को बांस की डलिया में लेकर व्रती महिला के पति या फिर पुत्र घाट तक जाते हैं। घाट पर पंडित के माध्यम से पहले शाम को व फिर सुबह गाय के कच्चे दूध से भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। घाट तक जाते समय महिलाऐं छठ मइया के गीत गाती हैं। सूर्य उपासना के बाद घाट पर दीपावली जैसा माहौल बन जाता है।

❖ कुमारी रिया

## ग्रामीण क्षेत्रों में छठ पर्व को लेकर उल्लास

पलामू में छठ पूजा को लेकर घाट जगमगा उठे हैं। शहरों के साथ ही गांवों में भी छठ पर्व का उल्लास देखते ही बन रहा है। कुछ गांवों में तो महिलाएं छोटे-छोटे तालाब व पोखरा के किनारे ही इस त्यौहार को धूमधाम से मनाती हैं। सूर्य देव की कृपा से सभी की सेहत अच्छी रहती है। सूर्य देव की कृपा से ही घर में धन-धान्य के भंडार भरे रहते हैं। छठ व्रत संतान प्राप्ति के लिए तथा पति की लंबी आयु के लिए किया जाता है। वैसे तो छठ साल में दो बार मनाई जाती है। किंतु कार्तिक छठ का विशेष महत्व है। इसे मनाने को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जाता है। आस्था और श्रद्धा के साथ मनाने वाले पर्व में दिन-प्रतिदिन महिलाओं के साथ पुरूषों की सहभागिता भी बढ़ने लगी है। निर्जला उपवास रख श्रद्धालु छठ माता व सूर्यदेव से परिवार के सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। यह पवित्रता के साथ सूर्य देव की भक्ति से जुड़ा हुआ त्यौहार है। जिसे इस धरती पर जीवन का स्रोत माना जाता है। यह त्यौहार पृथ्वी को ऊर्जा प्रदान करने व जीवन देने के लिए सूर्य देव का धन्यवाद व्यक्त करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। ताकि लोगों को रहने के लिए उपयुक्त वातावरण उपलब्ध हो सके। यह त्यौहार इस विश्वास के साथ मनाया जाता है कि सूर्य देव इच्छाओं को पूरा करते हैं। क्योंकि छठी मैया सूर्य देव की बहन है जो बच्चो कि रक्षा करने वाली देवी के नाम से जानी जाती हैं। इसलिए इस दिन सूर्य देव को प्रसन्न करने के साथ-साथ लोग छठी मैया की भी पूजा करते है। इस त्योहार पर भक्त नदियों व तालाबों में घाटों पर पवित्र स्नान करने के बाद ही प्रसाद तैयार कर सूर्य भगवान व छठी मैया को अर्पित करते हैं।

❖ उर्मिला कुमारी

संकलन : ओम प्रकाश प्रजापति

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट
Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

# कांग्रेस-जादूगर को राजस्थान की जनता 3 दिसंबर को करेगी छूमंतर : पीएम मोदी

**एजेंसी। नई दिल्ली**

भाजपा के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तंज कसते हुए कहा कि जनता 3 दिसंबर को कांग्रेस और 'जादूगर' को छूमंतर करने वाली है। राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने भरतपुर में विजय संकल्प सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, राजस्थान में एक सर्वसम्मत आवाज है और वह है राजस्थान में भाजपा को विजयी बनाना। उन्होंने कहा, राजस्थान के लिए भाजपा का दृष्टिकोण इसके विकास को सक्षम बनाना, भ्रष्टाचार को खत्म करना और महिलाओं को सशक्त बनाना है।

उन्होंने कहा कि एक तरफ भारत दुनिया में अग्रणी बन रहा है। दूसरी तरफ राजस्थान में बीते 5 वर्ष में क्या हुआ वो आप सब जानते हैं। कांग्रेस ने राजस्थान को भ्रष्टाचार, दंगों और अपराधों में अग्रणी बना दिया है। इसलिए अब राजस्थान की जनता कह रही

है कि 'जादूगर' को वोट नहीं देंगे। मोदी ने कहा, कुछ लोग स्वयं को 'जादूगर' कहते हैं। अब उन्हें राजस्थान की जनता कह रही है - 3 दिसंबर कांग्रेस छू मंतर।

भारत की बड़ी उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज, भारत की उपलब्धियां अभूतपूर्व हैं। हम चांद पर हैं, हमने जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की और दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए। उन्होंने कहा कि जल्द ही भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा, भारत का अभूतपूर्व उत्थान भारत के नागरिकों द्वारा भाजपा और भारत के विकास के लिए दिए गए 'वोट' के कारण है।

राजस्थान में शासन की वर्तमान स्थिति की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कांग्रेस के नेतृत्व वाले राजस्थान में भ्रष्टाचार, दंगे और अपराध कानून के नए शासन के रूप में उभरे हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस के नेतृत्व वाले उपद्रव के शासन ने राजस्थान में सभी लोगों के जीवन को विकृत कर दिया है, उन्हें बुनियादी और सामूहिक विकास से वंचित कर दिया है। उन्होंने कहा, राजस्थान में कांग्रेस की स्थापना तुष्टीकरण, आतंक के शासन को प्रकट करने और महिलाओं के खिलाफ लगातार हिंसा को बढ़ावा देने वाले विश्वास को धोखा देने पर हुई है। राजस्थान में कांग्रेस की पिछड़ी मानसिकता को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जब नेता खुले तौर पर कहते हैं कि राजस्थान पुरुषों का राज्य है और उन पर प्रभुत्व है, तो क्या महिलाएं कभी सुरक्षित रह सकती हैं? इसके विपरीत, उन्होंने कहा कि कांग्रेस राजस्थान में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवारों की घोषणा करके ऐसी मानसिकता को बढ़ावा देती है।

दलितों के प्रति कांग्रेस की नफरत पर विचार करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, दलितों के लिए कांग्रेस की नफरत जगजाहिर है। भारत के मुख्य सूचना आयुक्त हीरालाल सामरिया और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के प्रति उनकी नफरत उसी की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा, दलितों के प्रति कांग्रेस की दुश्मनी ने उन्हें बाबासाहेब आंबेडकर के राजनीतिक करियर को बर्बाद कर दिया।

उन्होंने कहा, इसके विपरीत, यह भाजपा ही है जिसने यह सुनिश्चित किया कि भारत को बाबासाहेब आंबेडकर के बाद अर्जुन राम मेघवाल के रूप में अपना दूसरा दलित कानून मंत्री मिले, जिससे भारत में दलितों का सच्चा सशक्तीकरण हो सके।

# चलती कार से बाहर लहराया पिस्टल, सामने आया वीडियो

**एजेंसी। गाजियाबाद**

गाजियाबाद से एक वीडियो सामने आया है। इसमें एक चलती कर से एक युवक हाथ बाहर निकले हुए पिस्टल को लहराता हुआ दिखाई दे रहा है और कार चलती जा रही है। उसी कार के पीछे चल रही चल रहे दूसरी कार सवार ने इसका वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। काफी देर तक यह युवक कार के शीशे से हाथ बाहर निकाल कर पिस्टल लहराता हुआ आसपास के वाहन चालकों को दिखा रहा था। वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद पुलिस घटना का संज्ञान लेने की बात कर रही है और जल्द ही कड़ी कार्रवाई की भी बात कर रही है। यह वीडियो गाजियाबाद के न 24 सिद्धार्थ विहार के पास का बताया जा रहा है। कार सवार बिना पुलिस के डर के और बेहद बेखौफ तरीके से पिस्टल बाहर लहराता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो बनाने वाले ने 38 सेकंड का वीडियो बनाया है। इसमें साफ तौर पर देखने को मिल रहा है की गाड़ी एनएच 24 पर दौड़ रही है और आगे से साइन बोर्ड पर सिद्धार्थ विहार और अन्य इलाकों के साइन बोर्ड दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने इसका संज्ञान लिया

है और वाहन चालक की तलाश की जा रही है।

## गागर में सागर

### राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने छठ पर्व की दी शुभकामनाएं

**नई दिल्ली।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को छठ पूजा के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं भेजी हैं। राष्ट्रपति ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है, "छठ पूजा के शुभ अवसर पर, मैं अपने सभी साथी नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। उन्होंने कहा है कि छठ पूजा सूर्य देव की पूजा को समर्पित त्योहार है। यह नदियों, तालाबों और पानी के अन्य स्रोतों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर है। प्रकृति से जुड़ा यह त्योहार आध्यात्मिक चेतना जगाता है और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करता है। छठ पूजा हमें अपने परिवेश को स्वच्छ रखने और अपने दैनिक जीवन में अनुशासन का पालन करने की याद दिलाती है। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा- आइए हम अपने जल संसाधनों और पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाकर प्रकृति मां का सम्मान करने का संकल्प लें। इस शुभ अवसर पर, मैं सभी नागरिकों की खुशी और समृद्धि के लिए प्रार्थना करती हूं।

# आईपीएस अधिकारियों को तकनीक के क्षेत्र में अपडेट रहना होगा : राष्ट्रपति

**एजेंसी। नई दिल्ली**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि तकनीक और सोशल मीडिया के युग में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' (एआई) और 'डीप फेक' जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। ऐसे में पुलिस अधिकारियों को तकनीक के क्षेत्र में हमेशा अपडेट रहना होगा और अपराधियों पर सदैव बढ़त हासिल करनी होगी। 75 आरआर (2022 बैच) के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के प्रोबेशनर्स के एक समूह ने आज राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। प्रोबेशनर्स को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि पुलिस प्रशासन तथा कानून-व्यवस्था की मुख्य जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है लेकिन, आईपीएस अधिकारी राज्य सरकारों द्वारा नियुक्त किए गए पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को नेतृत्व प्रदान करते हैं। इस प्रकार देश की पुलिस व्यवस्था को एक अखिल भारतीय सूत्र में पिरोने का कार्य भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी करते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि राज्य स्तर पर तथा राष्ट्रीय स्तर पर पुलिस बलों ने देश में कानून व्यवस्था बनाए रखने और देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने में अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस बलों के सामने साइबर अपराध, ड्रग कार्टेल, वामपंथी उग्रवाद और आतंकवाद सहित कई चुनौतियां मौजूद हैं। नई-नई तकनीक और सोशल मीडिया के प्रभाव से परिस्थितियां तेजी से बदलती हैं। अपराधियों द्वारा जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जाता है और डीप-फेक जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों को तकनीक के क्षेत्र में हमेशा अपडेट रहना होगा और अपराधियों पर सदैव बढ़त हासिल करनी होगी। राष्ट्रपति ने कहा कि आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए कानून-व्यवस्था का मजबूत होना एक अनिवार्य शर्त है। विश्व स्तर पर, राष्ट्रीय स्तर पर और स्थानीय स्तर पर यह देखा गया है कि उद्यमी वहां निवेश नहीं करना चाहते जहां कानून व्यवस्था मजबूत नहीं होती है। इस प्रकार, पुलिस विभाग किसी भी क्षेत्र के बहुआयामी विकास में केन्द्रीय भूमिका निभाता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक की प्रतिभा और क्षमता के विकास के लिए अवसर प्रदान करना है। यह हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकता है कि सभी नागरिक विकास यात्रा में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि अमृतकाल के दौरान देश को समग्र रूप से विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने में पुलिस अधिकारियों की भी निर्णायक भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि 2022 के इस बैच में 21 प्रतिशत महिलाएं हैं। आईपीएस में 554 महिला अधिकारी कार्यरत हैं जो कि तैनात अधिकारियों की कुल संख्या 4344 का लगभग 13 प्रतिशत है। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि महिला आईपीएस की संख्या में और वृद्धि होती रहेगी।

# देश में बढ़ रही हैं आर्थिक विषमताएं : कांग्रेस

**एजेंसी। नई दिल्ली**

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि देश में लगातार आर्थिक विषमताएं बढ़ रही हैं। इसके लिए मोदी सरकार जिम्मेदार है लेकिन ये सरकार इस बात को मानने के लिए राजी नहीं है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार को एक समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार का हवाला देते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर बर्बाद हो रहा है। कोरोना काल के बाद दो साल में 40,175 मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां बंद हो गई हैं। इसके बावजूद प्रधानमंत्री को इसकी परवाह नहीं है। वह अपने भाषण के दौरान इन मुद्दों पर बात नहीं करते हैं। रमेश ने आज एक्स पर लिखा कि देश में बड़ी कंपनियां बढ़ रही हैं और छोटी कंपनियां खत्म हो रही हैं। इससे हमारी वह बात, जो हम भारत जोड़ो यात्रा के समय से ही लगातार कह रहे हैं, एक बार फिर सही साबित होती है कि मोदी सरकार में देश में आर्थिक विषमताएं तेजी से बढ़ी हैं।

**दर्दनाक हादसा** भाई, मां को मत बताना कि मैं यहां सुरंग में फंसा हुआ हूं!

# इधर मां का रो-रोकर बुरा हाल

**आरएनएम। नई दिल्ली**

झारखंड, बिहार व प.बंगाल से तमाम बेहद गरीब युवक अपना पेट पालने व घर चलाने के लिए ठेके पर मजदूरी करने उत्तराखंड के उत्तरकाशी की सिल्क्यारा सुरंग में फंसे गए हैं। मजदूरों के रेस्क्यू ऑपरेशन का आज 7वां दिन था। इस बीच ऑगर मशीन से ड्रिल कर मजदूरों को बाहर निकालने के लिए कोशिश हो रही है। लेकिन कभी मशीन फंस जाने, कभी भारी व मजबूत पत्थर आ जाने और कभी ऊपर से मलबा गिरने के कारण काम बाधित हो रहा है। हालत यह है कि फंसे मजदूरों के परेशान घरवाले अपने - अपने राज्य से उत्तराखंड के सिल्क्यारा सुरंग चले आये हैं। उनसे फंसे हुए अपने परिवारी मजदूरों से बात करा दी जा रही है। इसी बीच चंपावत जिले के छन्नी गोठ गांव के रहने वाले सुरंग में फंसे पुष्कर से उसके भाई विक्रम ने बात की। सुरंग में सात दिनों फँसे पुष्कर ने बेहद कमजोर हो चुकी आवाज में अपने भाई विक्रम से कहा - मां को मत बताना, वो चिंता करेगी..।, पुष्कर उन 41 मजदूरों में से एक है, जो बीते सात दिन से इस सुरंग में फंसे हुए हैं। अब इनकी तबीयत भी बिगड़ने लगी है। फंसे हुए मजदूरों में हिम्मत बनी रहे, इसके लिए उनसे लगातार संपर्क करने की कोशिश हो रही है और उनके परिवार वालों से बात भी कराई जा रही है।

विक्रम ने जब अपने भाई पुष्कर से बात की तो उसकी आवाज बेहद दबी हुई आ रही थी। उसकी आवाज ठीक से नहीं आ रही थी। इन सबके बावजूद उसे अपनी मां की चिंता हो रही थी। पुष्कर ने विक्रम से कहा, भाई, मां को मत बताना कि मैं यहां सुरंग में फंसा हुआ हूं। मैं ठीक हूं, यहां और भी मजदूर फंसे हुए हैं। अगर तुम मां को बताओगे कि मैं यहां फंसा हूं तो वो चिंता करेगी। विक्रम ने कहा, पुष्कर घर में सबसे छोटा है और वो मां को बहुत ज्यादा प्यार करता है, जब मुझे इस हादसे के बारे में पता चला तो मैं बिना माता-पिता को बताए घर से यहां आ गया, लेकिन हमारे पड़ोसियों ने उन्हें इस हादसे के बारे में बता दिया है। उनका भी रो-रोकर बुरा हाल है। वो इस गम से सदमे में हैं। विक्रम ने कहा, मैंने भाई को ये नहीं बताया है कि मां को इस बारे में पता है और वो कितनी परेशान हैं। भाई का जिक्र कर विक्रम भी फफक-फफक कर रो पड़ा। सुरंग में फंसे मजदूरों से संपर्क करने के लिए पाइप डाला गया है। जिसके जरिए उन तक खाना-पानी और ऑक्सीजन पहुंचाई जा रही है। इसी पाइप के जरिए उनसे संपर्क भी किया जा रहा है। बता दें, घटना 12 नवंबर यानी दिवाली वाले दिन की है। जब सुबह उत्तरकाशी में ऑल वेदर परियोजना के तहत निमार्णाधीन सिल्क्यारा सुरंग टूट गई। जिसके चलते उसमें 40 मजदूर फंस गए। इनके रेस्क्यू ऑपरेशन का आज 7वां दिन है। इस बीच ऑगर मशीन के जरिए रास्ता बनाने की कोशिश की जी रही हैं। इंदौर से भी एक मशीन मंगाई गई है। मजदूरों से भी लगातार बातचीत की जा रही है। सभी को इस बात का इंतजार है कि मजदूरों को सुरंग से सुरक्षित निकालने में अभी कितना और समय लगेगा।

## फंसे 41 मजदूरों को बचाने के लिए सुरंग के मुहाने पर एक छोटा मंदिर स्थापित किया

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले की निमार्णाधीन सिल्क्यारा सुरंग में एक हफ्ते से फंसे 41 मजदूरों को बचाने के लिए सरकार व ठेकेदार अब भगवान की शरण में पहुंच गए हैं। सुरंग के मुहाने पर नारियल फोड़ व झंडा लगाकर एक छोटा मंदिर स्थापित किया गया। कुछ स्थानीय लोगों का कहना है कि सुरंग की शुरूआत करने के दौरान एक स्थानीय देव बाबा बौखनाग का मंदिर ढहा दिया गया था। इससे देव बाबा नाराज हो गए हैं और उनके प्रकोप के कारण ही सुरंग के अंदर यह हादसा हुआ है। सुरंग का एक हिस्सा ढहने से उसके अंदर फंसे श्रमिकों की संख्या 40 से बढ़कर अब 41 हो गई है। आपातकालीन परिचालन केंद्र की ओर से जारी नई सूची में सुरंग में फंसे मजदूरों की संख्या 41 बताई गई है। बचाव अभियान के छठे दिन निर्माण कंपनी को पता चला कि यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर बन रही सुरंग में फंसे मजदूरों में बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के निवासी दीपक कुमार पटेल भी शामिल हैं। इस बीच उत्तरकाशी जिला आपातकालीन नियंत्रण कक्ष ने शनिवार सुबह मीडिया को दी जानकारी में बताया कि फिलहाल सुरंग में ड्रिलिंग का काम रुका हुआ है। इसके अनुसार इंदौर से एक और भारी एवं शक्तिशाली ऑगर मशीन के आने का इंतजार किया जा रहा है। यह मशीन देहरादून के जौलीग्रांट हवाई अड्डे पर पहुंच चुकी है, जहां से इसे ट्रक के जरिए सिल्क्यारा लाया जा रहा है। इससे पहले सुरंग में मलबे को भेदने के लिए दिल्ली से एक अमेरिकी ऑगर मशीन लाई गई थी, जिसने शुक्रवार दोपहर तक 22 मीटर तक ड्रिलिंग कर चार पाइप डाल दिए थे। हालांकि बाद में ड्रिलिंग का काम रुक गया। 12 नवंबर की सुबह हुए हादसे के बाद से लगातार चलाए जा रहे बचाव अभियान की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड (के निदेशक अंशु मनीष खाल्को ने कहा कि मलबे में ड्रिलिंग कर छह मीटर लंबे चार पाइप डाल दिए गए हैं जबकि पांचवें पाइप को डालने की कार्रवाई चल रही है।उन्होंने बताया कि चौथे पाइप का अंतिम दो मीटर हिस्सा बाहर रखा गया है जिससे पांचवें पाइप को ठीक तरह से जोड़कर उसे अंदर डाला जा सके। बताया जा रहा है कि सुरंग में 45 से 60 मीटर तक मलबा जमा है जिसमें ड्रिलिंग की जानी है । यह पूछे जाने पर कि मशीन प्रति घंटा चार-पांच मीटर मलबे को भेदने की अपनी जरूरी गति क्यों नहीं हासिल कर पाई, इस पर उन्होंने कहा कि पाइप को डालने से पहले उनका एलाइनमेंट करने तथा जोड़ने में समय लगता है। खाल्को ने यह भी दावा किया कि डीजल से चलने के कारण ड्रिलिंग मशीन की गति धीमी है। उन्होंने कहा कि बीच-बीच में ड्रिलिंग को रोकना भी पड़ता है क्योंकि भारी मशीन को हवा का आवागमन चाहिए और मशीन में कंपन होने से आसपास का संतुलन खराब होने से मलबा गिरने का खतरा उत्पन्न हो सकता है।

## FILMY हलचल

### 'एनिमल' का लेटेस्ट गाना 'अर्जन वैली' हुआ रिलीज, रणबीर कपूर का दिखा खूंखार किरदार

**रणबीर** कपूर की अपकमिंग फिल्म 'एनिमल' के निमाताओं ने इसका लेटेस्ट ट्रैक 'अर्जन वैली' जारी किया है। भूपिंदर बब्बल द्वारा गाया गया यह ट्रैक एक पंजाबी गैंगस्टा-पॉप ट्रैक है, जो वास्तव में उनके कैरेक्टर को दिखाता है। ट्रैक बहुत ही सुखद है और इसमें हिप-हॉप से प्रेरित ग्रूव और रिदम हैं, जबकि मेलोडी पंजाबी पॉप से भरपूर है। गाने में स्वैग भी है, लेकिन इसका साउंड जो यह दशार्ता है, उसके विपरीत चलता है, जो एक बहुत ही पूरक विरोधाभास है। मनन भारद्वाज ने म्यूजिक कंपोज किया है। म्यूजिक वीडियो बताता है कि एक्टर का कैरेक्टर वास्तव में कितना हिंसक है। वीडियो में दिखाया गया है कि रणबीर कपूर अपने गैंगस्टर व्यक्तित्व में हैं और उसे पूरी तरह से अपनाते हुए हिंसक हो जाते हैं। इसमें क्रूर और हिंसक हत्याओं का एक समूह शामिल है जो एक पूर्ण जानवर में उनके परिवर्तन को दशार्ता है। स्टाइल, स्वैग, ग्रूव, मेलोडी, एटीट्यूड, एज, 'अर्जन वैली' उन सभी एलिमेंट्स से भरपूर है जो एक फुल बैंगर के लिए चाहिए। संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित, 'एनिमल' एक गैंगस्टर थ्रिलर एक्शन फिल्म है, जिसमें रणबीर कपूर, रश्मिका मंडला, बॉबी देओल, अनिल कपूर, तृप्ति डिमरी और परिणीति चोपड़ा हैं। यह फिल्म 1 दिसंबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

### वी ऐप पर 'छठ गीत' प्ले लिस्ट में शामिल

**रांची।** छठ पूजा एकजुटता, आभार, समर्पण, खुशियों का त्योहार है और भारतीय त्योहारों में इसका खूब महत्व है। इस पावन उत्सव का जश्न मनाने के लिए भारत के प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने हंगामा के साथ साझेदारी में स्पेशल 'छठ गीत' प्लेलिस्ट क्यूरेट की है, जिसे वी ऐप पर एक्सेस किया जा सकता है। इस स्पेशल 'छठ गीत' प्लेलिस्ट में जाने-माने कलाकारों जैसे शारदा सिन्हा और अनुराधा पौड़वाल के मधुर गीत शामिल हैं। यह कलेक्शन त्योहारों के जोश को बढ़ाकर वी उपभोक्ताओं को संगीत का आनंददायी अनुभव प्रदान करेगा। त्योहारों की इस पेशकश पर बात करते हुए सिद्धार्थ तिवारी, सर्कल ऑपरेशन्स हैड- बिहार, झारखंड और उड़ीसा, वोड़ाफोन आइडिया ने कहा कि वी में हम स्थानीय लोगों की पसंद को ध्यान में रखते हुए आधुनिक डिजिटल पेशकश लाते रहते हैं। हंगामा के साथ साझेदारी में वी की विशेष रूप से पेश की गई 'छठ गीत' प्लेलिस्ट लोगों के साथ जुड़ने की दिशा में अनूठी पहल है।

### सलमान खान ने दिया 'टाइगर 4' का संकेत

**सुपरस्टार** सलमान खान, जो इस समय अपनी हाल ही में रिलीज हुई एक्शन थ्रिलर फिल्म 'टाइगर 3' को लेकर उत्साहित हैं, ने अब फिल्म के नए सीक्वल 'टाइगर 4' का संकेत दिया है। फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान सलमान के साथ कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी भी मौजूद थे। फैंस के साथ बातचीत में इमरान ने को-स्टार के रूप में सलमान की प्रशंसा की और कहा, "आप जो देख रहे हैं वही आपको मिलेगा। कोई काल्पनिकता नहीं है। वह आपको परफॉर्म करने में बहुत सहज रखते है। मेरा पहला सीन

उन्हीं के साथ था और वह एक लंबा मोनोलॉग था। और उनके साथ काम करना बहुत आसान था।" सलमान बीच में टोकते हैं और कहते हैं, ₹इस फिल्म में मैं नहीं दिखता, अगली वाली में दिखाया जाएगा। स्क्रीन पर चलने वाले जादू के बारे में बात करते हुए, सलमान ने फैंस की ओर इशारा करते हुए कहा, "अभी तक इन लोगों की बदौलत कुछ करना नहीं पड़ रहा है स्क्रीन पर। जैसा हूं वैसे ही चला जाता हूं, या इनको अच्छा लगता है। जितनी कॉमिक टाइमिंग है उतना रहने दो, जितना एक्शन कर सकते हो उसे थोड़ा सा बढ़ाए जाओ, जितना रोमांस कर सकते हो उससे थोड़ा कम करो ताकि फैमिली वाले देख सकें। और इस फिल्म में कैटरीना हैं, तो थोड़ा रोमांस तो बनता है।"

## गागर में सागर

### धुर्वा के शालीमार में तालाबों की श्रृंखला में बिखरती है अद्भुत छटा

**रांची।** लोक आस्था का महापर्व छठ की तैयारियां रांची सहित राज्यभर में जोरशोर से चल रहा है। राजधानी रांची के धुर्वा के मत्स्य अनुसंधान संस्थान परिसर में स्थित शालीमार छठ घाट पर भी तैयारियां अंतिम चरण में है। यहां एक दर्जन से ज्यादा तालाब इस परिसर में हैं, जहां व्रती भगवान भास्कर को अर्घ्य देते हैं। शालीमार मत्स्य अनुसंधान परिसर प्रक्षेत्र में इस बार रांची नगर निगम की ओर से तालाबों की साफ सफाई और लाइटिंग की खास व्यवस्था के साथ साथ व्रतियों के लिए अस्थाई चेंजिंग रूम भी बनाया गया है। वहीं स्थानीय छठ पूजा समिति द्वारा भी तमाम तरह की व्यवस्था की गयी है। शालीमार घाट पर अपने परिजनों के साथ घाट बनाने आये प्रणव ने कहा कि उन्होंने परंपरागत तरीके से ही कच्चे तालाब में घाट बनाया है और ल्एउ के अपने फ्लैट का नंबर भी लिख दिया है ताकि अर्घ्य वाले दिन कोई परेशानी न हो। धुर्वा इलाके के ही शंभु कुमार ने कहा कि आज उनका भी छठ घाट बन जायेगा। लेकिन नगर निगम को साफ सफाई में और तेजी लाने की जरूरत है क्योंकि अब समय काफी कम बचा है।

# छठ पूजा को यूं ही नहीं कहते लोक आस्था का महापर्व

रांची/ खूंटी। लोक आस्था का छठ महापर्व शुरू हो गया है। बाजारों में फलों की दुकानों में छठ व्रतियों का काफी भीड़ नजर आने लगा है। लोग फलों व सूव दौरे की खरीदारी में जुटे हुए हैं। राजधानी पूरी तरह से छठमय नजर आ रहा है। चारों ओर छठ मई की गीत गूंज रही हैं। लोक आस्था का महापर्व छठ एक ऐसा विश्व स्तरीय त्योहार है, जहां न पुलिस बलों की नियुक्ति की जरूरत पड़ती है और न शांति समिति की बैठक होती है। न इंटरनेट का कनेक्शन काटा जाता है और न ही कहीं चंदा के नाम पर गुंडागर्दी या जबरन उगाही की शिकायत मिलती है। इतना ही नहीं न तो शराब दुकानों को बंद करने के लिए नोटिस चिपकाना पड़ता है और न ही मांस-मछली की दुकानों को बंद करने के लिए किसी को कहना पड़ता है। दूध या पूजन और खाद्य सामग्री में मिलावट का कोई भय नहीं होता। कहीं ठगे जाने का कोई खतरा नहीं। खूंटी के राजा कुंजला निवासी समाजसेवी काशीनाथ महतो कहते हैं कि यही एक ऐसा त्योहार है, जहां न ऊंच-नीच का भेद होता है न ही अमीर-गरीब में कोई अंतर। इसमें न किसी विशेष व्यक्ति या धर्म के जयकारे होते हैं और न ही किसी से अनुदान और अनुकम्पा की अपेक्षा रहती है। राजा-रंक एक कतार में खड़े होते हैं। समझ से परे रहने वाले मंत्रों के उच्चारण की भी जरूरत नहीं पड़ती। न किसी विशेष दान-दक्षिणा की जरूरत है और न ही किसी दिखावट या आडंबर की। तोरपा के समाजसेवी तुलसी भगत कहते हैं कि इस पर्व में न कोई प्रदूषण होता है और न ही गंदगी फैलती है। इस पर्व की पहली शर्त ही है शुद्धता और पवित्रता। रनिया प्रखंड के समाजसेवी और भाजपा नेता नारायण साहू कहते हैं कि इसी पवित्रता और सरलता के कारण ही बिहार-झारखंड से निकला यह पर्व अब पूरी तरह अंतरराष्ट्रीय त्योहार बन चुका है। छठ महापर्व के दौरान साफ-सफाई से लेकर अन्य कार्यों में दूसरे समुदाय के लोग भी पूरी आस्था के साथ हाथ बंटाते हैं।

## छठ पूजा पर मिनी बिहार जैसा हो जाता है रांची के हटिया डैम का नजारा

रांची। महापर्व छठ के लिए रांची का हटिया तालाब पूरी तरह से सज कर तैयार है। तालाब में गहराई अधिक होने की वजह से इसकी बैरिकेडिंग की गई है। इसके अलावा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम तैनात रहेंगी। व्रती रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगे। इसके लिए छठ घाटों पर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। रांची के हटिया डैम में भी काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। एचईसी परिसर में 1960 के दशक में बने हटिया डैम में छठ के दिन का नजारा बेहद खास होता है। धुर्वा इलाके में बिहार से आकर बसे लोगों की संख्या काफी है। इसलिए हटिया डैम में छठ पूजा के दौरान का नजारा मिनी बिहार जैसा हो जाता है। महापर्व छठ पर्व से जुड़ी भोजपुरी गीतों, व्रतियों के परिजनों खासकर महिलाओं द्वारा पारंपरिक छठ गीतों से पूरा हटिया डैम क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हो जाता है। हटिया डैम राजधानी रांची के सबसे साफ पानी वाला डैम माना जाता है। यहां छठ व्रत करने की एक अलग खासियत भी है। यहां छठ व्रत के दौरान सावधानी बरतने की भी जरूरत है। यह डैम 38 फीट गहरा है और अभी करीब 28 फीट पानी है। पानी में उतरते ही थोड़ी दूरी पर ही काफी गहराई है। ऐसे में स्थानीय छठ पूजा समिति और नगर निगम ने किसी अनहोनी से बचने के लिए बांस की बैरिकेडिंग की है। पूजा समिति ने अपील की है कि किसी भी परिस्थिति में बैरिकेडिंग के आगे श्रद्धालु नहीं जाएं। 19 और 20 नवंबर को हटिया डैम में किसी अनहोनी घटना ने निपटने और आपात समय में सहायता पहुंचाने के लिए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम लगातार डैम में गश्त करेंगी। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग ने एम्बुलेंस के साथ डॉक्टर और दवाओं की व्यवस्था भी की है। रांची नगर निगम ने यहां भी कई अस्थाई चेंजिंग रूम बनाये हैं। साथ ही घाट तक पहुंचने वाले रास्ते पर लाइटिंग की व्यवस्था की है।

# रांची में भारी माल वाहक वाहनों का प्रवेश शहर में रहेगा वर्जित

**नवीन मेल संवाददाता। रांची**
रांची शहर में छठ महापर्व को लेकर भारी माल वाहक वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। एसपी ट्रैफिक कुमार गौरव ने बताया कि 19 नवम्बर को सुबह आठ बजे से रात 11 बजे और 20 नवम्बर को सुबह दो बजे से रात 10 बजे तक बड़े वाहनों का प्रवेश पर रोक रहेगा। मालवाहक वाहन रिंग रोड होकर अपने गंतव्य तक परिचालन कर सकेंगे।

इन स्थानों पर होगी पार्किंग

- रणधीर वर्मा चौक हटनिया तालाब जाने वाले व्यक्ति अपने वाहन को नगर निगम पार्क के सामने पार्किंग करेंगे।
- एसएसपी आवास से हटनिया तालाब जाने वाले व्यक्ति रोड किनारे अपने वाहन को पार्क करेंगे।
- जाकिर हुसैन से हटनिया तालाब जाने वाले व्यक्ति अपने वाहन नागबाबा खटाल और रोड किनारे पार्क करेंगे।
- राम मंदिर से कांके डैम जाने वाले व्यक्ति अपने वाहन को सीएमपीडीआई गांधी नगर और रॉक गार्डेन में पार्क करेंगे।
- शालीमार बाजार से छठ तालाब जाने वाले व्यक्ति अपने वाहन को शलीमार बाजार के पास पार्क करेंगे।
- सर्जना चौक से बड़ा तालाब जाने वाले व्यक्ति अपने वाहन को सर्जना चौक और फिरायालाल में बने पार्किंग में पार्क करेंगे।
- चुटिया से स्वर्णरेखा नदी जाने वाले व्यक्ति अपने वाहन सरस्वती शिशु मंदिर के बगल में पार्क करेंगे।

### छठ व्रतियों के बीच बांटी पूजन सामग्री

**रांची।** श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति की ओर से शनिवार को छठव्रतियों के बीच पूजा सामग्री बांटी । इस अवसर पर 101 छठ व्रतियों कों छठ पूजन सामग्री के साथ दौरा, सूप, नारियल, गुड, पूजा सामग्री, आटा, रिफाइन, घी और मिठाई प्रदान की गयी। श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति के मुख्य संरक्षक किशोर साहू ने कहा कि इस बार लोग पूरे उल्लास के साथ छठ महापर्व मनाने में लगे है। कुछ ऐसे लोग भी है, जिन्हें महंगाई के कारण पूजा सामग्री कों खरीदने में मुश्किलें आ रही हैं, इसलिए वैसे जरुरतमंद छठ व्रतियों के बीच हम पूजा सामग्री का वितरण कर रहे हैं, ताकी वैसे लोग छठ कों उल्लासपूर्वक मना सकें।

## छठ पूजा लोक आस्था का महापव : संजय सर्राफ

**नवीन मेल संवाददाता। रांची**
विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग एवं राष्ट्रीय सनातन एकता मंच के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि छठ पूजा लोक आस्था का महापर्व है। भगवान सूर्य देव की उपासना के चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा दीपावली के दूसरे दिन से ही छठ पूजा के संकल्प के साथ तैयारी शुरू हो जाती है। छठ पूजा कठोर तपस्या का व्रत है। यह एक ऐसा व्रत है जिसमें पूजा अर्चना के लिए न तो किसी प्रकार का विशेष मंत्र है और ना ही किसी पंडित पुरोहित की आवश्यकता पड़ती है। यह महाव्रत प्रकृति की पूजा प्राकृतिक संसाधन के द्वारा किया जाता है। यह सूर्य भगवान और उनकी शक्ति (प्रकाश ताप ऊर्जा इत्यादि) की उपासना, साधना और आराधना की जाती है। छठ पूजा में बांस के सूप का प्रयोग किया जाता है। गेहूं को धोकर सुखाकर पीसकर आटा से अर्घ्य के लिए ठेकुआ बनाया जाता है। समर्पण के रूप में प्रकृति से उपलब्ध फल सब्जी केतारी इत्यादि का उपयोग किया जाता है। इस पूजा के व्रती आडंबर और तामझाम से स्वयं को दूर ही रखते हैं। ऐसी मान्यता और लोकआस्था है कि छठ पूजा करने से मनोकामनाएं निश्चित ही सिद्ध होते हैं तथा सभी के जीवन में सुख- समृद्धि और शांति आती है। जो भी इस पर्व को करता है उसमें काफी सावधानी बरती जाती है। पूजा लेकर उसका पकवान पकने तक लोग सावधानी बरतते हैं। इसके प्रसाद में भी आस्था होनी चाहिए। लोग इस प्रसाद को पूजा के बाद घर-घर पहुंचाते हैं।

### राज्य सरकार कर रही तुष्टिकरण की राजनीति : आशा लकड़ा

**रांची।** भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री डा. आशा लकड़ा ने गुरुवार की रात मांडर में एक साथ चार मंदिरों में स्थापित देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को असामाजिक तत्वों द्वारा खंडित किए जाने की घटना निंदनीय बताया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। हिंदुओं की भावना के साथ खिलवाड़ कर रही है। फिलहाल हिंदुओं के महापर्व छठ पूजा के दौरान इस प्रकार की घटना होना राज्य सरकार की कमजोर कानून व्यवस्था को दशार्ती है। इससे पूर्व 05 नवंबर 2023 को बोकारो में एक मंदिर पर असामाजिक तत्वों ने हमला कर मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया था। मूर्तियों को तोड़ने के लिए हथौड़े का इस्तेमाल किया गया था।इससे पूर्व भी इसी इलाके में बजरंगबली की प्रतिमा तोड़ी गई थी। 30 सितंबर 2022 को धनबाद के गोविंदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुबरी टांड़ में एक मंदिर पर हमला कर कुछ लोगों ने बजरंगबली और शंकर भगवान की प्रतिमाओं को क्षतिग्रस्त कर दिया था। इन घटनाओं से इतना तो स्पष्ट है कि राज्य सरकार की मानसिकता हिन्दू विरोधी है।

# सांसद आदित्य साहू ने झारखंड के मजदूरों के परिजनों से की मुलाकात

**नवीन मेल संवाददाता। रांची**
भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू शनिवार को ओरमांझी प्रखंड अंतर्गत चुटुपालु के खिराबेड़ा गांव पहुंचे। इस गांव के नौ लोग उत्तराखंड में मजदूरी करने गए हैं, जिसमें तीन मजदूर उत्तराखंड में खनन के दौरान सुरंग में फंसे हैं। आदित्य साहू ने मजदूर चरकू बेदिया की पत्नी रंजो देवी और उसके लड़के अनिल बेदिया से तथा राजेंद्र बेदिया के पिता श्रवण बेदिया और शुकाम बेदिया के पिता बढ़न बेदिया से मुलाकात कर उनका हाल चाल। साथ ही ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि सुरंग से फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के लिए हरसंभव कोशिश जारी है। सभी सुरंग में सुरक्षित हैं और शीघ्र बाहर आकर घर लौटेंगे। उन्होंने कहा कि घटना के चार दिन से ज्यादा हो जाने के बाद भी राज्य सरकार का कोई प्रतिनिधि या पदाधिकारी मजदूर के परिजनों की सुध लेने नहीं आया। साहू ने प्रखंड के अंचल पदाधिकारी से बात की तथा परिजनों को हरसंभव सहायता दिलाने की बात कही। इस मौके पर भाजपा किसान मोर्चा के अमरनाथ चौधरी, दिलीप मेहता, राजकिशोर साहू सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

### कामता में आपसी विवाद में एक की मौत, दो घायल, एक गिरफ्तार

**ओरमांझी।** ओरमांझी थाना क्षेत्र के कामता गांव में शुक्रवार की रात दो गुटों में जमकर मारपीट हुआ।जिसमें खूब लाठी डंडे चले।जिसमें तेजधार हथियार का भी इस्तेमाल हुआ।जिससे तीन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जिन्हें इलाज के लिए क्युरिस्टा अस्पताल इरबा पहुंचाया गया। जहां इलाज के क्रम में एक कि मौत हो गई।जबकि एक अन्य घायल व्यक्ति की स्थिति अस्पताल में गंभीर बनी हुई है। वहीं एक अन्य कि स्थिति अस्पताल में ठीक है।जिसका इलाज चल रहा है, शनिवार की सुबह मृतक 22 वर्षिय नन्दकिशोर महतो को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया। वही मामले की जानकारी होने पर औरमांझी पुलिस टीम कामता गांव पहुंची और मामले की तबतिस में जुटी गई। और मारपीट के बाद जिस हथियार का इस्तेमाल मारपीट में किया गया था उसे कुएं में फेंक दिया गया था। जिसे निकालवाने के लिए पुलिस कुएं से पानी निकलवाया। वही औरमांझी पुलिस ने गांव के प्रदीप महतो को गिरफ्तार कर थाने ले गई है।

## पृष्ठ एक के शेष

**पीएम मोदी से लेकर बड़े...**
छवियां अथवा वीडियो बनाने में मदद करता है, ये दिखने में वास्तविक जैसे होते हैं और डिस्क्रिमीनेटर जनरेटर द्वारा बनाए गए डेटा से वास्तविक डेटा को अलग करने का प्रयास करता है। डिस्क्रिमीनेटर की प्रतिक्रिया से सीखते हुए जनरेटर अपने आउटपुट में सुधार करता है जब तक कि वह विभिन्न परिणाम प्रदर्शित करके डिस्क्रिमीनेटर को दुविधा की स्थिति में नहीं ला देता है। डीपफेक बनाने के लिये स्रोत और लक्षित व्यक्ति के फोटो अथवा वीडियो के रूप में बड़ी मात्रा में डेटा की आवश्यकता होती है, जिसे अक्सर उस व्यक्ति की सहमति अथवा जानकारी के बिना इंटरनेट या सोशल मीडिया से एकत्र कर लिया जाता है। डीपफेक डीप सिंथेसिस प्रौद्योगिकी का एक हिस्सा है, जो आभासी दृश्य बनाने के लिये टेक्स्ट, चित्र, ऑडियो तथा वीडियो बनाने के लिये डीप लर्निंग और संवर्द्धित वास्तविकता सहित अन्य प्रौद्योगिकियों का उपयोग करता है। डीप लर्निंग तकनीक से दुर्लभ ऑडियो कंटेंट को रिस्टोर करने और ऐतिहासिक कृतियों का पुनर्निर्माण करने के लिये सार्थक उपयोग भी किया जा सकता है। कलात्मक अभिव्यक्ति को बेहतर बनाने के लिये इसका उपयोग कॉमेडी, सिनेमा, संगीत और गेमिंग में भी किया जा रहा है। शारीरिक अथवा मानसिक रूप से अक्षम लोग अपने ऑनलाइन आवश्यकताओं के लिये सिंथेटिक/कृत्रिम अवतारों का उपयोग कर सकते हैं। यह चिकित्सा प्रशिक्षण और सिमुलेशन को बेहतर बनाता है। यह आभासी रोगियों और परिदृश्यों का निर्माण कर चिकित्सीय स्थितियों एवं प्रक्रियाओं तथा प्रशिक्षण दक्षता में सुधार करने में मदद करता करता है। इसका उपयोग संवर्द्धित वास्तविकता और गेमिंग अनुप्रयोगों को बेहतर बनाने के लिये भी किया जा सकता है। पर डीपफेक का उपयोग विभिन्न दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिये किया जा सकता है, जैसे-फर्जी खबरों का प्रचार-प्रसार; चुनावों और जनमत को प्रभावित करना,व्यक्तियों अथवा संगठनों को ब्लैकमेल करना और जबरन वसूली करना, मशहूर हस्तियों, राजनेताओं, कार्यकर्त्ताओं एवं पत्रकारों के मान-सम्मान तथा विश्वसनीयता को हानि पहुंचाना; और अश्लील कंटेंट तैयार करना। डीपफेक के विभिन्न नकारात्मक अनुप्रयोग हो सकते हैं, जैसे संस्थानों, मीडिया और लोकतंत्र में जनता के विश्वास कम करना तथा शासन व्यवस्था व मानवाधिकारों को क्षीण करना। डीपफेक तकनीक व्यक्तियों की गोपनीयता, गरिमा व प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकती है, और विशेषकर महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य तथा कल्याण पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है, क्योंकि वे इस प्रकार के दुर्भावनापूर्ण अनुप्रयोगों में सर्वाधिक लक्षित की जाती हैं। पता करने की प्रक्रिया भी है ऑडियो और वीडियो कंटेंट में किसी प्रकार की विसंगतियों की जांच करना। मूल स्रोत अथवा समान छवियों को खोजने के लिये रिवर्स इमेज सर्च तकनीक का उपयोग करना। छवियों अथवा वीडियो की गुणवत्ता, स्थिरता और प्रामाणिकता का विश्लेषण करने के लिये एआइ आधारित टूल्स का उपयोग करना। मीडिया के स्रोत और इसकी प्रमाणिकता के लिये डिजिटल वॉटरमार्किंग या ब्लॉकचेन का उपयोग करना। डीपफेक के विनियमन के लिए भारत में ऐसे विशिष्ट कानून या नियम नहीं हैं पर भारत ने एथिकल (नैतिक) एआइ उपकरणों के विस्तार पर एक वैश्विक ढांचे का आह्वान किया है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा 67 और 67अ जैसे मौजूदा कानूनों में ऐसे प्रावधान हैं जो डीप फेक के कुछ पहलुओं पर लागू किये जा सकते हैं, जैसे मानहानि तथा स्पष्ट सामग्री प्रकाशित करना।भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 500 मानहानि के लिये सजा का प्रावधान करती है। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, व्यक्तिगत डेटा के दुरुपयोग के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करता है।सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 दूसरों का प्रतिरूपण करने वाली सामग्री और कृत्रिम रूप से रूपांतरित छवियों को 36 घंटों के भीतर हटाने का आदेश देता है। गोपनीयता, सामाजिक स्थिरता, राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतंत्र पर संभावित प्रभाव को देखते हुए भारत जैसे संवेदशील देश को डीपफेक को के लिये एक व्यापक कानूनी ढांचा विकसित करने की आवश्यकता है। बैलेचली पार्क में हुए विश्व के प्रथम एआइ सुरक्षा शिखर सम्मेलन 2023 में अमेरिका, चीन और भारत सहित 28 प्रमुख देशों ने एआइ के संभावित जोखिमों को दूर करने के लिये वैश्विक कार्रवाई की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की।

यूरोपीय संघ में दुष्प्रचार पर यूरोपीय संघ की आचार संहिता के तहत तकनीकी कंपनियों को संहिता पर हस्ताक्षर करने के छह माह के भीतर डीप फेक और नकली खातों का मुकाबला करने की आवश्यकता होती है। अनुपालन नहीं करने पर, तकनीकी कंपनियों को अपने वार्षिक वैश्विक कारोबार का 6% तक जुर्माना भरना पड़ सकता है। अमेरिका ने डीपफेक तकनीक का मुकाबला करने में होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की सहायता के लिये द्विदलीय डीपफेक टास्क फोर्स अधिनियम पेश किया। चीन ने डीप सिंथेसिस पर व्यापक विनियमन पेश किया, जो जनवरी 2023 से प्रभावी है। विनियमन के लिये स्पष्ट लेबलिंग और गहन संश्लेषण सामग्री की ट्रेसबिलिटी की आवश्यकता होती है। मेटा तथा गूगल जैसी बड़ी तकनीकी कंपनियों ने डीप फेक कंटेंट की समस्या से निपटने के लिये उपायों की घोषणा की है। हालांकि खतरा सभी को है और आमजन को सोशल मीडिया पर अपनी हर जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए।

**एटीएस ने गोड्डा व हजारीबाग से...**
में फेसबुक के माध्यम से कश्मीरी युवक- युवतियों से भी संपर्क में आने की बात सामने आयी है। इस बिंदु पर एटीएस दोनों आतंकियों से पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार आतंकियों में आरिज गोड्डा के रहमत नगर महमुदनगर के असनबानी का रहने वाला है। आरिज की निशानदेही पर ही एटीएस ने मो. नसीम को हजारीबाग के कटकमसांडी इलाके के पेलावल महतो टोला से गिरफ्तार किया था। बताया जाता है कि एटीएस को जानकारी मिली थी कि मो. आरिज हसनैन आईएसआईएस में सक्रिय होकर सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से संगठन का प्रचार प्रसार कर रहा है। सोशल मीडिया के ही माध्यम से युवाओं को रेडिक्लाइज करने की मुहिम में आरिज लगा था। सूचना मिलने के बाद दो नवंबर को एटीएस ने सनहा दर्ज कर एक टीम जांच के लिए गोड्डा भेजा था। जांच के क्रम में संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्तता सामने आने पर आरिज को रांची लाया गया, जहां आतंकी संगठनों से संपर्क की पुष्टि हुई। पुलिस को आरिज के मोबाइल से चैट भी मिला, जो चैट मो. नसीम के साथ था। नसीम ने जिहाद और कुफ्र विथ तागूत पुस्तक आरिज को भेजी थी। दोनों किताबें आईएसआईएस को बताती है। जांच के क्रम में ईडी ने पाया कि नसीम और आरिज ने आईएसआईएस से दीक्षा पायी है। संगठन का दीक्षा पत्र भी मोबाइल में मिलने का खुलासा किया गया है। पूछताछ में आरिज और नसीम ने बताया है कि दोनों आईएसआईएस के प्रतिबंधित वीडियो डार्क नेट के जरिए देखते थे। इसका प्रचार प्रसार भी उनके द्वारा किया जाता था।

## तूं जुग जुग एको सदा सदा तूं एको जी तूं निहचल करता सोई

# श्री गुरु नानक सत्संग सभा ने 554वां प्रभातफेरी निकाली

**नवीन मेल संवाददाता। रांची**
गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा द्वारा शनिवार को श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 554वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष में पांचवें दिन सुबह 5:15 बजे गुरुद्वारा साहिब से प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी दर्शन दिऊडी गेट से निकल कर ललित किंगर, मनोहर लाल मिढा, रमेश तेहरी, श्याम लाल गाबा, अर्जुन देव मिढा की गलियों से होते हुए दर्शन दिऊडी गेट वापस पहुंचकर सुबह 7:30 बजे विसर्जित हो गई। फेरी मे गीता कटारिया, बबली दुआ, शीतल मुंजाल, मंजीत कौर, रेशमा गिरधर, नीता मिढ़ा, इंदु पपनेजा, बबिता पपनेजा, पाली मुंजाल ने हरि के जन सतगुर सतपुरखा बिनउ करउ गुर पास हम करि किरम सतगुर शरणाई कर दइआ नाम परगास। एवं सभि जीअ तुमारे जी तूं जीआ का दातारा हरि धिआवहु संतहु जी सभि दूख विसारणहारा रदार भूपिदंर सिंह ने निशान साहिब उठाकर फेरी की अगुवाई की तथा मनीष मिढा ने श्रद्धालुओं के घरों के सामने अरदास की।श्रद्धालुओं ने रास्ते की साफ सफाई तथा पुष्प वर्षा एवं आतिशबाजी कर फेरी का श्रद्धा भाव से स्वागत किया। प्रभात फेरी के समापन पर गुरुद्वारा साहब में श्रद्धालुओं के लिए चाय नाश्ते का लंगर चलाया गया। सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि कल की प्रभातफेरी बरियातू रिम्स चौक स्थित डॉङ्क अजय छाबड़ा के आवास जाएगी और फिर वहां से रामेश्वरम स्थित हरिश अरोड़ा, पुरुषोत्तम काठपाल, जगत सिंह सुखीजा, लेखराज अरोड़ा, प्रेम मिढ़ा, प्रकाश अरोड़ा एवं हंसराज अरोड़ा के आवास जाएगी और वहीं कल की प्रभातफेरी का समापन हो जाएगा। सत्संग सभा द्वारा श्रद्धालुओं के लिए बस की व्यवस्था भी की गई है। प्रभात फेरी में अर्जुन दास मिढा,अशोक गेरा, हरगोबिंद सिंह, मोहन काठपाल, अनूप गिरधर, विनोद सुखीजा, जीवन मिढ़ा, मोहन काठपाल, महेंद्र अरोड़ा, राकेश गिरधर, रमेश तेहरी, जीतू अरोड़ा, रमेश गिरधर, आशु मिढ़ा, नवीन मिढ़ा,राजेन्द्र मक्कड़, रमेश पपनेजा, इन्दर मिढ़ा,हरीश तेहरी, भरत गाबा,अश्विनी सुखीजा, पंकज मिढ़ा, पाली मुंजाल, अमर मदान, बसंत काठपाल, हरीश मिढ़ा, हरविंदर सिंह, प्रकाश गिरधर, गौरव मिढ़ा, अमन डावरा, पियूष मिढ़ा, उमेश मुंजाल, गुलशन मिढ़ा,कमल धमीजा, कमल मुंजाल, मनीष गिरधर, सूरज झंडई, रौनक ग्रोवर, अमन सचदेवा, ज्ञान मादन पोत्रा, प्रवीण मुंजाल, प्रमोद चुचरा, ज्ञान दुआ, चंदन गिरधर, मोहित मुंजाल, संतोष बजाज, ममता थरेजा, श्वेता मुंजाल, अमर मुंजाल, कमलेश मुंजाल, गोविंद कौर, भजना देवी डावरा, देवकी मुंजाल, दुर्गी मिढ़ा, हरपाल कौर मिढ़ा, उषा झंडई, नेहा मिढ़ा,अंजना गिरधर, पलक अरोड़ा, पलक थरेजा, अमन कौर, कंचन मिढ़ा, हरदेवी गिरधर, उर्मिला खत्री, बलबीर मिढ़ा,हर्षा मिढ़ा, प्रेमी काठपाल, शीतल अरोड़ा, हरनाम थरेजा, ममता थरेजा, सुषमा गिरधर, नीतू किंगर, स्वीटी सिडाना, जूली गाबा, इशिका काठपाल, रजनी तेहरी, ममता सरदाना, गुड़िया मिढ़ा, गूंज काठपाल समेत अन्य शामिल थे।

# शुभमन गिल, अय्यर, रवींद्र, यानसन ने 'विश्व कप' में अपने पदार्पण से सुर्खियां बटोरीं

**एजेंसी। मुंबई**

शुभमन गिल, ट्रैविस हेड, श्रेयस अय्यर, मोहम्मद सिराज, रचिन रवींद्र और मार्को यानसन अलग-अलग लोग हैं, लेकिन एक चीज समान है - इन सभी ने भारत में 2023 संस्करण में अपने पहले विश्व कप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वे साथी प्रथम-टाइमर डेविड मलान, अजमत उमरजई, मिशेल मार्श, डेवोन कॉनवे, स्कॉट एडवर्ड्स और कैमरून ग्रीन के साथ शामिल हो गए, जिन्होंने आईसीसी पुरुष एकदिवसीय विश्व कप 2023 में अपना राष्ट्रीय ध्वज ऊंचा रखा। उनके विपरीत इंग्लैंड के हैरी ब्रुक और पाकिस्तान के हारिस राउफ हैं, दोनों से उम्मीद थी कि वे अपने पहले ही मैच में विश्व कप में तूफान ला देंगे। हालाँकि, उनके परिणाम मिश्रित रहे क्योंकि उनकी टीमें नॉकआउट चरण में जगह बनाने में विफल रहीं। गिल, सिराज और अय्यर भारत के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि थे क्योंकि उन्होंने अपने पहले विश्व कप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए कुछ कठिन समय का सामना किया। 24 वर्षीय गिल ने एक शीर्ष श्रेणी के सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बढ़ाई क्योंकि उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत करते हुए आठ पारियों में 346 रन बनाए। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ अपने पदार्पण मैच में 16 रन बनाए लेकिन पुणे में बांग्लादेश के खिलाफ अगली पारी में अपना पहला विश्व कप अर्धशतक (53) बनाया। 94 रन पर आउट होने से पहले उन्होंने वानखेड़े में श्रीलंका के खिलाफ मैच में अपना पहला विश्व कप शतक लगभग पूरा कर लिया था।

उन्होंने दो और अर्धशतक भी लगाए, नीदरलैंड के खिलाफ 51 रन और वानखेड़े में न्यूजीलैंड के खिलाफ नाबाद 80 रन। दाएं हाथ के खिलाड़ी ने अपने सामने आए मौकों का भरपूर फायदा उठाया।

इस बीच, रोहित शर्मा अपने शॉट्स के लिए गए और अपने आक्रामक साथी के आसपास अपनी पारी बनाने की कोशिश की।

श्रेयस अय्यर एक और भारतीय बल्लेबाज हैं जिन्होंने अपने पहले विश्व कप में बड़ा प्रभाव डाला। चोट से वापसी करते हुए उन पर मध्यक्रम में बड़ा प्रदर्शन करने का दबाव था।

उन्होंने केएल राहुल के साथ मध्यक्रम को नियंत्रण में रखा। विराट कोहली को एक छोर संभालने का काम सौंपा गया था, अय्यर ने उनके चारों ओर आक्रामक क्रिकेट खेला और सेमीफाइनल में नीदरलैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार शतक बनाए। फाइनल से पहले अय्यर ने 526 रन बनाए।

हालाँकि, जसप्रीत बुमराह और शुभमन गिल ने पारी को संभाले रखा, लेकिन मोहम्मद सिराज ही थे, जिन्होंने शुरूआती सफलताएं प्रदान कीं। बुमराह चोट से वापसी कर रहे थे जबकि उनके साथी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को बाहर कर दिया गया क्योंकि भारत ने हार्दिक पांड्या के साथ ऑलराउंडर के रूप में खेलते हुए एक अलग संतुलन बनाने की कोशिश की।

अनुभवी मोहम्मद शमी सात मैचों में 23 विकेट के साथ भारत के लिए शीर्ष विकेट लेने वाले गेंदबाज थे, बुमराह ने अब तक 18 विकेट लिए हैं और सिराज ने 13 विकेट लिए हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि सिराज ने अपनी भूमिका को पूर्णता के साथ निभाया।

एक और खिलाड़ी जिसने विश्व कप में अपने पदार्पण पर प्रभाव डाला, वह ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड हैं जिन्होंने चोट से उबरते हुए, मिले सीमित अवसर में अपनी छाप छोड़ी। जहां डेविड 528 रन के साथ ऑस्ट्रेलिया के लिए सर्वोच्च स्कोरर हैं, वहीं हेड ने चोट से उबरने और वार्नर के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में जुड़ने के बाद खेले गए पांच मैचों में शतक बनाया है।

जबकि 2019 के विजेता, इंग्लैंड के लिए 2023 विश्व कप एक आपदा थी, उनके लिए एकमात्र उज्ज्वल स्थान डेविड मलान का फॉर्म और शानदार बल्लेबाजी थी क्योंकि उन्होंने अपने पहले विश्व कप में नौ मैचों में 44.48 की औसत से 404 रन बनाए थे। मलान ने एक शतक और दो अर्धशतक लगाए और शीर्ष क्रम के बल्लेबाज के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बनाई।

अजमतुल्लाह उमरजई ने शीर्ष पर कुछ महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, जिससे अफगानिस्तान नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई करने के बहुत करीब पहुंच गया। इस प्रक्रिया में, अफगानिस्तान ने विश्व कप में इंग्लैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका को हराकर कुछ उलटफेर किए, इससे पहले कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी उम्मीदें टूट गईं।

अपने अनुभवी साथियों रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, रहमत शाह और कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी के साथ, उमरजई ने अफगानिस्तान को कुछ अच्छे लक्ष्य हासिल करने में मदद की और चार मैच जीते।

उमरजई ने अपनी ओर से 70.60 की औसत से 454 रन बनाए और उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 97 रन रहा।

डेरिल मिशेल (552 रन) के साथ रचिन रवींद्र विश्व कप के स्टार खिलाड़ी रहे, क्योंकि न्यूजीलैंड लगातार पांचवीं बार सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहा और मोहम्मद शमी की शानदार गेंदबाजी से पहले भारत को परेशान करने के करीब पहुंच गया।

रवींद्र ने न्यूजीलैंड को कुछ शानदार शुरूआत दिलाई, जिसमें एक और प्रथम-टाइमर डेवोन कॉनवे ने 10 पारियों में 64.22 की औसत से 578 रन बनाए।

24 वर्षीय खिलाड़ी ने तीन शतक और दो अर्धशतक लगाए और वह भी तेज गति से, क्योंकि न्यूजीलैंड के लिए उतार-चढ़ाव भरा सफर रहा, पहले चार मैच जीते और अगले चार हारे, लेकिन न्यूजीलैंड ने आखिरी मैच जीतकर सेमी में अपनी जगह पक्की की।

रवींद्र, जिनका जन्म भारतीय मूल के माता-पिता से हुआ था और उनका नाम राहुल और सचिन से लिया गया है। उन्होंने पांच विकेट भी लिये।

हालांकि विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका का अभियान निराशा के साथ समाप्त हुआ और सेमीफाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया से हार मिली, लेकिन सलामी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के साथ ऑलराउंडर मार्को यानसन उनके लिए दो उज्ज्वल स्थान थे।

पहली बार खेलने वाले यानसन ने नौ मैचों की आठ पारियों में 157 रन बनाए और 17 विकेट भी लिए, जिससे उन्हें महत्वपूर्ण शुरूआती सफलताएं मिलीं क्योंकि वे लीग चरण के अंत में भारत के बाद दूसरे स्थान पर रहे।

अपने कौशल से मंत्रमुग्ध करने के अलावा, इन उपर्युक्त खिलाड़ियों ने यह भी साबित कर दिया है कि वे भविष्य के खिलाड़ी हैं और उनके कारनामों की चर्चा अगले संस्करण तक की जाएगी।

## डेनमार्क, अल्बानिया ने यूरो 2024 क्वालीफायर के लिए क्वालीफाई किया

**बर्लिन।** डेनमार्क ने स्लोवेनिया को 2-1 से हराकर एक मैच शेष रहते हुए अपनी योग्यता पूरी कर ली, जबकि मोल्दोवा के साथ 1-1 का गतिरोध अल्बानिया के लिए शुक्रवार को यूईएफए यूरो 2024 में जगह बनाने के लिए पर्याप्त था। डेनमार्क ने घरेलू सरजमीं पर अत्यधिक उत्साह से शुरूआत की और 11 मिनट के खेल के साथ करीब आ गया क्योंकि स्लोवेनिया के गोलकीपर जान ओब्लाक को बॉक्स के अंदर केंद्रीय स्थान से जोनास विंड के खतरनाक हेडर को रोकना पड़ा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मेजबान टीम ने धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से दबाव बढ़ाया और उन्होंने 22 मिनट गुजरने के साथ ही स्कोरिंग की शुरूआत कर दी थी लेकिन जोकिम माहेले का क्लोज-रेंज गोल ऑफसाइड करार दिया गया। स्लोवेनिया डेनमार्क को रोक नहीं सका और 26वें मिनट में पिछड़ गया जब विक्टर क्रिस्टियनसेन के इनस्विंग क्रॉस को बैक पोस्ट पर माहेले मिला, जिसने ओपनर को गोल में डाल दिया। डेनमार्क की बढ़त केवल चार मिनट तक कायम रही, क्योंकि स्लोवेनिया ने लक्ष्य पर अपने पहले ही प्रयास में बराबरी हासिल कर ली, जब एरिक जांजा ने दीवार के ऊपर से दाएं कोने में फ्री किक मारी, जिससे गोलकीपर कैस्पर शमीचेल असहाय हो गए। मेजबान टीम फिर से शुरू होने के बाद हमलों के साथ सामने आई और स्लोवेनिया की रक्षा को व्यस्त रखा।

# विश्व कप : दो सफल टीमों के बीच होगा शक्ति परीक्षण

**एजेंसी। नई दिल्ली**

वनडे विश्व कप के इतिहास की दो सबसे सफल टीमें टूर्नामेंट के 13वें संस्करण के फाइनल में आमने-सामने होंगी। भारत प्रतियोगिता में दस जीत के साथ शानदार प्रदर्शन कर रहा है और उसने किसी भी अन्य टीम की तुलना में अधिक रन बनाए हैं और अधिक विकेट लिए हैं। भारतीय टीम ने पहले पांच मैचों में से प्रत्येक में लक्ष्य का पीछा किया और औसतन 64 गेंद शेष रहते हुए जीत हासिल की। इसके अलावा पिछले पांच मैचों में उन्होंने प्रत्येक अवसर पर लक्ष्य निर्धारित किए हैं और 175 रनों के औसतन अंतर से जीत हासिल की है।

दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलिया को इस बात से आत्मविश्वास मिलेगा कि वे पिछले आठ वर्षों में भारत में भारत के खिलाफ सफेद गेंद की श्रृंखला में सफलता का स्वाद चखने वाली एकमात्र टीम हैं, जिसमें इस साल की शुरूआत में मार्च में 2-1 से श्रृंखला जीत भी शामिल है।

अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम में अलग-अलग मिट्टी से बनी पिचों का वर्गीकरण है। विश्व कप 2023 में यहां पहली पारी का औसत कुल योग केवल 251 है। यह उन दो स्थानों में से एक है जहां किसी भी टीम ने अभी तक 300 का स्कोर नहीं बनाया है, जबकि चेपॉक दूसरा स्टेडियम है।

यहां लीग चरण के चार मुकाबलों में लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने तीन में जीत हासिल की है (ज्यादातर बिना किसी घबराहट के)। स्पिनरों को दोपहर में सूरज की रोशनी में अधिक फायदा मिलता है, जहां इससे उन्हें पिच पर पकड़ बनाने का मौका मिलता है, हालांकि ज्यादा टर्न नहीं मिलता है। रिपोर्टों के अनुसार, यह मैच एक इस्तेमाल की गई पिच पर खेला जाना तय है और यह काली मिट्टी की प्रकृति की होगी, जो स्पिनरों के लिए कुछ मददगार साबित होगी।

दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट मैदान, नरेंद्र मोदी स्टेडियम ने अब तक टूर्नामेंट में चार मैचों की मेजबानी की है, जिसमें स्पिनरों ने इन खेलों के नतीजे में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भले ही तेज गेंदबाजों ने टूर्नामेंट में कुल 35 विकेट लिए हैं, लेकिन स्पिनरों ने भी 22 विकेट लेकर अच्छा प्रदर्शन किया है। कुल मिलाकर, स्पिनर तेज गेंदबाजों की तुलना में अधिक किफायती साबित हुए हैं। खेल के बीच के ओवरों में स्पिनर्स ने भी प्रभावशाली प्रभाव छोड़ा, जबकि पेसर्स, विशेषकर जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज की भारतीय तिकड़ी, शुरूआती ओवरों में घातक रही है।

2023 में पावरप्ले 1 में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी करने वाली टीम सबसे आक्रामक गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ उतरेगी। इस चरण में दोनों शिविरों से विस्फोटक बल्लेबाजी की उम्मीद है। डेविड वार्नर, ट्रैविस हेड और मिशेल मार्श, इस समय विश्व क्रिकेट में सबसे आक्रामक शीर्ष तीन बल्लेबाज हैं, इस साल पहले पावरप्ले में तीनों का औसत 45 के पार है और 110 की स्ट्राइकिंग पर है। दूसरी ओर भारत के पास जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज की शानदार तिकड़ी है। इस चरण में तीनों का औसत 20.64 है और प्रति ओवर केवल 4.28 की दर से रन देते हैं और यह विश्व कप 2023 में अब तक की सबसे कुशल नई गेंदबाजी आक्रमण है।

## क्रिस्टोफर टेलर 30 महीने के लिए निलंबित

**नई दिल्ली।** जमैका के धावक क्रिस्टोफर टेलर को डोपिंग रोधी नियम के उल्लंघन के लिए 30 महीने के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। एआईयू ने शुक्रवार को उक्त जानकारी दी। एआईयू ने कहा कि टेलर, जिन्होंने 2022 विश्व चैंपियनशिप में 4x400 मीटर रिले में जमैका को रजत पदक दिलाने में मदद की थी, लगभग एक साल पहले एक आउट-ऑफ-कॉम्पिटिशन टेस्ट में नमूना संग्रह प्रस्तुत करने में विफल रहे। इस साल की शुरूआत में, टेलर पर एआईयू द्वारा विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के डोपिंग रोधी संहिता अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था।

13वी हॉकी इंडिया राष्ट्रीय सीनियर पुरुष हॉकी चैंपियनशिप

## झारखंड ने आंध्रप्रदेश को हराया

**नवीन मेल संवाददाता। रांची**

चेन्नई में 17 से 28 नवम्बर तक आयोजित 13वीं हॉकी इंडिया सीनियर राष्ट्रीय पुरुष हॉकी चैंपियनशिप 2023 में झारखंड पुरुष हॉकी टीम ने अपने पहले मैच में शानदार प्रदर्शन किया है। हॉकी आंध्रप्रदेश को 10-03 से पराजित कर पूरे तीन अंक अर्जित किया है। झारखंड टीम की ओर से माइकल टोपनो ने तीन गोल, विजय खेस, दिलबर भेंगरा, अनुरोध भेंगरा, जोसेफ कोंगाड़ी, रायन सोय मुरूम, नोएल टोपनो और लव लाइट कुजूर ने एक एक गोल दागा है। झारखंड टीम की पहली जीत पर हॉकी झारखंड और खेल विभाग के पदाधिकारियों ने बधाई दी है। यह जानकारी शनिवार को हॉकी सिमडेगा के अध्यक्ष मनोज कोनबेगी ने दी।

## पिछले जूनियर हॉकी विश्व कप के बाद से हमने काफी उन्नति की है : अरिजीत सिंह हुंदल

**एजेंसी। बेंगलुरु**

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के फॉरवर्ड अरिजीत सिंह हुंदल का मानना है कि उनकी टीम के पास आगामी एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 में पोडियम फिनिश हासिल करने का एक मजबूत मौका है। जूनियर विश्व कप का आयोजन 5 से 16 दिसंबर 2023 तक कुआलालंपुर, मलेशिया में होगा। अरिजीत टूर्नामेंट के लिए कप्तान उत्तम सिंह के डिप्टी के रूप में काम करेंगे। टूर्नामेंट में कुल 16 टीमें प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। भारत को कनाडा, कोरिया और स्पेन के साथ पूल सी में रखा गया है। भारतीय टीम 5 दिसंबर 2023 को कोरिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी। मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना,

ऑस्ट्रेलिया, चिली और मलेशिया के साथ पूल ए में हैं। मिस्र, फ्रांस, जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका पूल बी में हैं, जबकि बेल्जियम, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान को पूल डी में रखा गया है। टूर्नामेंट से पहले अरिजीत ने कहा, हमने शिविर में एक टीम के रूप में अच्छी तैयारी की है और अपने खेल के कई प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है। अब टूर्नामेंट तेजी से आगे बढ़ रहा है, और सभी खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ और भी अधिक सक्रिय हो रहे हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हम अच्छा प्रदर्शन करें। हम महत्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्रों पर काम कर रहे हैं जहां हम सुधार कर सकते हैं और हमारा लक्ष्य पदक के साथ समापन करना है।

वर्ल्ड कप का फाइनल मैच

## वायुसेना के सूर्यकिरण की एरोबेटिक टीम का एयर शो होगा खास आकर्षण

# म्यूजिक कम्पोजर प्रीतम 500 कलाकारों के साथ करेंगे परफॉर्म

### 8 राज्यों के सीएम और रिजर्व बैंक के गवर्नर को भी आमंत्रण, वीवीआईपी का होगा जमावड़ा

**एजेंसी। अहमदाबाद**

देश में वर्ल्ड कप क्रिकेट का खुमार अपने चरम पर जा पहुंचा है। मैच देखने के लिए देश-दुनिया के फैंस फ्लाइट और होटल की बुकिंग के लिए टूट पड़े हैं। अहमदाबाद और उसके निकटवर्ती शहरों के फाइव स्टार, थ्री स्टार और अन्य होटल के रूम की डिमांड आसमान छू रही है। रविवार रात के लिए टॉप पाइव स्टार होटल का किराया 10-12 हजार के बजाय तीन लाख रुपये तक पहुंच गया है। अहमदाबाद, प्रयागराज, मुंबई समेत देश के कई इलाकों में भारत की जीत के लिए प्रथानाएं हो रही हैं। रेलवे ने दिल्ली और मुंबई से अहमदाबाद तक के लिए स्टेशल ट्रेनें चलाने का ऐलान किया है। आयोजन को यादगार बनाने के लिए मैच से पहले और बाद में कई आकर्षण दर्शकों को रोमांचित करेंगे। अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में रविवार दोपहर 02 बजे से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप का फाइनल मैच खेला जाएगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले इस रोमांचक मुकाबले को खास बनाने के लिए आईसीसी और

बीसीसीआई दोनों ने मिलकर विशेष तैयारी की है। वर्ल्ड कप फाइनल से पूर्व वायु सेना के सूर्यकिरण की एरोबेटिक टीम की ओर से एयर शो किया जाएगा। इसके लिए गुरुवार और शुक्रवार को वायुसेना के विमानों ने इसका पूर्वाभ्यास किया। मैच में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स के अलावा 100 से अधिक वीवीआईपी अमदाबाद के मेहमान बनेंगे। बॉलीवुड के म्यूजिक कम्पोजर प्रीतम 500 कलाकारों के ग्रुप के साथ परफॉर्म करेंगे। अधिकारियों के मुताबिक मैच पूर्ण होने के बाद आसमान रंगीन रोशनी से नहा उठेगा, इसके लिए आतिशबाजी की विशेष तैयारी की गई है। इसके अलावा 1200 ड्रोन के जरिए खास ड्रोन शो किया जाएगा। इसमें एरियल शो में विजेता की टीम शामिल होगी। वर्ल्ड कप फाइनल में भव्य लेजर शो के लिए यूके के लेजर शो प्रोडक्शन कंपनी को साथ शामिल किया गया है। मैच पूर्ण होने के बाद वर्ल्ड चैम्पियन टीम के नाम समेत वर्ल्ड कप ट्रॉफी समेत कलाकृति ड्रोन के जरिए दिखाया जाएगा।

भारत और आस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप फाइलन मैच का रोमांच लोगों के सिर चढ़कर बोलने लगा है। गुजरात और देश-विदेश से दर्शकों का अहमदबाद पहुंचना शुरू हो गया है। वीवीआईपी अतिथियों से भी दर्शक दीर्घा रविवार को भर जाएगी, ऐसी सूचनाएं भी मिल रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, आस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और देश के गृह मंत्र अमित शाह के मैच में उपस्थित रहने की पहले ही पुष्टि हो चुकी है। इसके तहत प्रशासन ने जी-तोड़ तैयारी शुरू की है। मैच में रिलायन्स इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी के परिवार के साथ उपस्थित रहने की सूचना है। इसके अलावा 8 राज्यों के मुख्यमंत्री और रिजर्व बैंक के गर्वनर शक्तिकांत दास के भी मैच देखने आने की सूचना मिली है। मैच में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स के आने की जानकारी मिली है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज को भी निमंत्रण दिया गया है, उनके आने की अभी पुष्टि होनी बाकी है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आएगा और अहमदाबाद में मैच के दौरान मौजूद रहेगा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के अलावा असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा भी अहमदाबाद फाइनल मैच देखने आएंगे।

### इनके आने की है संभावना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, आस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स, गृह मंत्री अमित शाह, सचिन तेंदुलकर, क्लाइव लॉयड, कपिल देव, एमएस धोनी, इयान मोर्गन, रिकी पॉन्टिंग, फिल्म स्टार रजनीकांत, अमिताभ बच्चन, नीता अंबानी परिवार के साथ, मुकेश अंबानी, गौतम व करण अदाणी, जिंदल ग्रुप के पार्थ जिंदल, अनिल रायगुप्ता, माधव सिंघानिया, दीपक पारेख, अदार पुनावाला, आथिया शेट्टी, अनुष्का शर्मा, अक्षय कुमार, अजय देवेगन, पीसीबी के प्रमुख जका अशरफ, हार्दिक पंडया और चहल, मोहनलाल वेंकटेश, सिंगापुर के गृह मंत्री के शनमुगम, चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक श्रीनिवासन आदि के अहमदाबाद मैच देखने आने की सूचना है।

### आज 12.30 बजे एयर शो

वायुसेना के सूर्यकिरण विमानों के जरिए एयर शो का आयोजन किया जाएगा। शाम 5.30 बजे से हाई टाइम परफॉर्मेंस के तहत आईसीसी सभी विश्व कप के पूर्व विजेताओं के कैप्टेंस की परेड कराएगी। वे अपनी पुरानी यादों को भी लोगों के समक्ष पेश करेंगे। संगीतकार प्रीतम और 500 कलाकारों का भव्य परफॉर्मेंस होगा। वे सभी मैदान का 360 डिग्री चक्कर लगाकर विभिन्न गीतों पर प्रस्तुति देंगे। रात 8.30 बजे ड्रिंक्स ब्रेक होगा। इस दौरान 90 सेकेंड का लेजर शो होगा। मैच के बाद विश्व विजेता को ट्रॉफी एनायत किया जाएगा। इस दौरान 1200 ड्रोंस के साथ विशेष शो आयोजित होगा। इसके बाद यदि भारतीय टीम विश्व विजेता बनती है तो अहमदाबाद में भव्य रोड शो किया जाएगा। यह संभवतः रिवरफ्रंट में होगा।

## अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने साल की 55वें मैच में जीत दर्ज की

### लेकिन ट्यूरिन सेमीफाइनल से चूके

**एजेंसी। ट्यूरिन**

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने निट्टो एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल से चूकने के बावजूद जीत के साथ 2023 में अपने शानदार वापसी सत्र का अंत किया। उन्होंने शुक्रवार रात आंद्रेई रुब्लेव को 6-4, 6-4 से हराया और 55 मैच जीत के साथ विश्व नंबर 7 के रूप में वर्ष का अंत किया। 2022 के रौलां गैरो सेमीफाइनल में टखने की चोट के बाद 2022 सीजन के आधे से अधिक भाग से चूकने के बाद, ज्वेरेव ने सीजन के दौरान जो हासिल किया उससे वे काफी संतुष्ट होंगे, जो कि उनके पहले नौ मैचों में सिर्फ तीन जीत के साथ शुरू हुआ था। जर्मन ने रेड ग्रुप को 2-1 रिकॉर्ड के साथ समाप्त किया लेकिन सीजन के समापन के नॉकआउट चरण से चूक गए क्योंकि ग्रुप प्रतिद्वंद्वियों कार्लोस अल्काराज और दानिल मेदवेदेव के पास बेहतर सेट-जीत रिकॉर्ड थे। ज्वेरेव ने कहा, मुझे इस सप्ताह को सकारात्मक तरीके से देखना होगा। मैंने अल्काराज को हराया और रुब्लेव को हराया।" ज्वेरेव

ने रुब्लेव की दूसरी सर्विस पर 64 प्रतिशत अंक जीते। चोट के बाद, दो मैच जीतकर दुनिया के शीर्ष आठ खिलाड़ियों के साथ यहां वापस आना, मुझे बहुत उम्मीद देता है। मैं अगले वर्ष के लिए उतना ही प्रेरित हूं जितना मैं हूं। दो बार के निट्टो एटीपी फाइनल्स चैंपियन ने अल्काराज पर तीन सेट की जीत के साथ टूर्नामेंट की शुरूआत की, लेकिन अपने दूसरे मैच में मेदवेदेव से सीधे सेटों में हार महंगी साबित हुई। रुब्लेव के लिए पाला एल्पिटौर में यह निराशाजनक वापसी थी, जो पिछले साल सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद इस बार एक भी मैच जीतने में असफल रहे। लेकिन वह अभी भी खुद पर गर्व कर सकता है।